{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 06 मई 2026
वैशाख कृष्ण 05 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 221
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

PMG पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	77,017.79
निफ्टी	-	24,032.80
सोना	-	1,49,180
चांदी	-	2,55,000
डॉलर	-	95.07

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

हार के बाद अब रार...दीदी का भाजपा और चुनाव आयोग पर फूटा गुस्सा, कहा- मैं हारी नहीं हूं, हमें साजिश करके हराया गया

ममता बनर्जी इस्तीफा नहीं देंगी!

कोलकाता । टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने चुनाव परिणामों को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनकी पार्टी चुनाव नहीं हारी बल्कि 'हराई गई' है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने पूरे चुनाव में पक्षपातपूर्ण भूमिका निभाई और इस पूरे घटनाक्रम में 'मुख्य विलेन' की तरह काम किया। उन्होंने कहा कि मैं हारी नहीं हूं और इस्तीफा नहीं दूंगी। मीडिया से बात करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में ऐसे चुनाव कभी नहीं देखे। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर करीब 90 लाख वोट काटे गए और बीजेपी ने चुनाव जीतने के लिए हर तरह के संसाधनों का इस्तेमाल किया। इस्तीफे के लिए लोकभवन जाने के सवाल पर ममता बनर्जी ने आगे कहा कि मैं लोकभवन जाकर इस्तीफा नहीं दूंगी। मैं हारी नहीं हूं, हमें साजिश करके हराया गया है। उन्होंने कहा कि मेरे पास अब कोई कुर्सी नहीं है और मैं एक आम नागरिक हूं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों, खासकर सीआरपीएफ का दुरुपयोग किया गया और राज्य के पुलिस अधिकारियों को बड़े पैमाने पर बदला गया। बनर्जी के मुताबिक, केंद्रीय बल गुंडों की तरह तैनात थे और कई जगहों पर मतदाताओं और कार्यकर्ताओं को डराया-धमकाया गया।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने दावा किया कि उनके कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों पर अत्याचार किए गए। यहां तक कि कुछ जगहों पर बुजुर्गों को पानी तक पीने नहीं दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि काउंटिंग सेंटरों पर बीजेपी कार्यकर्ताओं ने मारपीट की और टीएमसी कार्यकर्ताओं को धमकाया। ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि जब वह खुद काउंटिंग सेंटर के अंदर जाना चाहती थीं तो उन्हें रोका गया जबकि वह वहां उम्मीदवार थीं। उनके अनुसार, काउंटिंग सेंटर को हाईजैक कर लिया गया था, सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए गए और पूरे काउंटिंग प्रोसेस में गड़बड़ी की गई। मेरे इलेक्शन एजेंट को मारा गया।

काउंटिंग सेंटर का हाईजैक किया गया

उन्होंने कहा कि हम लोगों ने निर्णय किया है कि हम लोग एक्शन लेंगे। इस बारे में बाद में रणनीति खुलासा करेंगे। हम लोग 10 सदस्यीय सदस्यों के साथ एक फाइंडिंग कमेटी का गठन करेंगे। वे विभिन्न इलाकों में जाएंगे और दौरा करेंगे। ममता बनर्जी ने कहा कि हमारे कार्यालय पर कब्जा कर लिया गया। हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं पर अत्याचार शुरू हुए हैं। उन्होंने कहा कि जो कल घटा, वह ब्लैक हिस्ट्री है। चुनाव आयोग पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण है। वह दिल्ली के नेतृत्व में काम कर रहे थे। उन्होंने काउंटिंग सेंटर को हाईजैक किया।

मुझे मारा गया

उन्होंने अपने ऊपर हमले का भी आरोप लगाया और कहा कि उन्हें धक्का देकर बाहर निकाला गया तथा पेट और पीठ पर मारा गया। उन्होंने कहा कि अगर एक महिला उम्मीदवार के साथ ऐसा हो सकता है, तो बाकी उम्मीदवारों के साथ क्या हुआ होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। ममता बनर्जी ने पूरे घटनाक्रम को 'लोकतंत्र की निर्मम हत्या' बताते हुए कहा कि कल जो हुआ, वह बंगाल के इतिहास का काला दिन है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी भवन पर कब्जा करने की कोशिश भी की गई और राज्यभर में अराजकता का माहौल बनाया गया। अंत में उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अभी भी सिस्टम के भीतर रहकर लड़ाई लड़ेगी और सही समय पर अपनी रणनीति का खुलासा करेगी। उन्होंने दोहराया, हम बीजेपी के खिलाफ लड़ते रहेंगे। ममता बनर्जी ने कहा कि हम वापसी करेंगे। टीएमसी एक लोकतांत्रिक पार्टी है।

अब मैं एक आम नागरिक हूं

बनर्जी ने प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि दोनों ने मिलकर उनकी पार्टी को हराने की कोशिश की। साथ ही उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता- सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल ने उनसे बात की और समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन और मजबूत होगा और वे मिलकर इस लड़ाई को आगे बढ़ाएंगे। इसके साथ ही हार के कारणों की समीक्षा के लिए 10 सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने मुझसे अनुरोध किया था कि क्या वह आज ही आ सकते हैं? लेकिन मैंने उनसे कहा कि वे कल आएं, इसलिए वह कल आएंगे। एक-एक करके सभी लोग आएंगे। मेरा लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है- मैं एक छोटे कार्यकर्ता की तरह इंडिया गठबंधन को मजबूत करूंगी। ममता ने कहा कि मेरे पास अब कोई पद नहीं है। इसलिए मैं एक आम नागरिक हूं। अब आप यह नहीं कह सकते है कि मैं किसी पद का इस्तेमाल कर रही हूं। अब मैं एक 'फ्री बर्ड' हूं। मैंने अपनी पूरी जिंदगी लोगों की सेवा में लगा दी है। इन 15 सालों में मैंने एक पैसा भी पेंशन नहीं ली और ना ही कोई वेतन लिया। लेकिन अब मैं स्वतंत्र हूं। इसलिए मुझे कुछ काम करने हैं जिन्हें मैं अपने तरीके से आगे बढ़ाऊंगी।

हम लोग बाउंस बैक करेंगे

ममता बनर्जी ने कहा कि हमारे लोग पूरी दुनिया में है। लोगों को जानने दें कि कैसा अत्याचार किया गया। यदि वह खुद जीतते थे तो मैं कुछ नहीं बोलती, लेकिन जबरदस्ती हराया गया। ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार केवल एक पार्टी की सरकार चाहती है। पूरी दुनिया में गलत मैसेज जा रहा है कि प्रजातांत्रिक तरीके से लड़ाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि हम लोग बाउंस बैक करेंगे। बंगाल में हम लोगों ने फाइट किया। हमारी फाइट बीजेपी के साथ नहीं थी हमारी फाइट इलेक्शन कमीशन से था। इलेक्शन कमीशन बिक जाए। ऑफिसर वन साइड काम करे, तो क्या परिणाम होगा?

केजरीवाल का सवाल- मोदी लहर में भी नहीं जीती थी बीजेपी, अब कैसे?

-लोकतंत्र पर संकट का दावा, राष्ट्रपति से मुलाकात की तैयारी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की बड़ी जीत के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने इस जीत पर सवाल उठाते हुए चुनाव प्रक्रिया और जनादेश को लेकर गंभीर टिप्पणी की है।

अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, जब देश में 'मोदी लहर' चरम पर थी, तब भी भाजपा दिल्ली और बंगाल जैसे राज्यों में जीत नहीं दर्ज कर सकी थी। उन्होंने कहा कि 2015 और 2016 में पार्टी को बेहद कम सीटें मिली थीं, लेकिन अब जब लोकप्रियता घटने की बात कही जा रही है, तब बंगाल में बड़ी जीत सामने आई है। उन्होंने सवाल उठाया कि यह बदलाव कैसे संभव हुआ और क्या इसके पीछे चुनावी प्रक्रिया में कोई बदलाव या गड़बड़ी जिम्मेदार है।

इससे पहले एक रैली में बोलते हुए अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र पर संकट है और कई राज्यों में चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बिहार और महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी राजनीतिक परिस्थितियां संदिग्ध रही हैं। उन्होंने अपने विधानसभा अनुभव का उल्लेख करते हुए दावा किया कि उनके वोटों में बड़ी संख्या में कमी आई, जिसे उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठाने का आधार बताया। हालांकि इन दावों का कोई आधिकारिक प्रमाण सार्वजनिक नहीं किया गया है।

इस बीच आम आदमी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति भवन पहुंचा, जहां उसने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की योजना बनाई। यह मुलाकात पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के कथित विलय को लेकर थी, जिनमें राघव चड्ढा, हरभजन सिंह, अशोक मित्तल और अन्य नाम शामिल हैं। पार्टी का आरोप है कि यह राजनीतिक विलय लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के खिलाफ है और विपक्षी दलों को कमजोर करने का प्रयास है।

तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर हलचल तेज, विजय ने मांगा समर्थन, कांग्रेस करेगी मंथन

नई दिल्ली । तमिलनाडु विधानसभा चुनाव परिणाम सामने आने के बाद राज्य में नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी सबसे बड़े दल के रूप में उभरकर सामने आई है, लेकिन स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के कारण सत्ता की राह अभी भी आसान नहीं दिख रही है। सरकार बनाने के लिए सहयोगी दलों का समर्थन अब बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इसी बीच कांग्रेस की ओर से बड़ा बयान सामने आया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के सी वेणुगोपाल ने कहा है कि विजय ने राज्य में सरकार गठन के लिए कांग्रेस से समर्थन का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि पार्टी नेतृत्व ने तमिलनाडु के मौजूदा राजनीतिक हालात पर विस्तार से चर्चा की है और सभी संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है।

के सी वेणुगोपाल ने कहा कि जनता ने राज्य में धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था के पक्ष में जनादेश दिया है और कांग्रेस उसी भावना के अनुरूप निर्णय लेना चाहती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विजय की पार्टी को समर्थन देने या न देने पर अंतिम फैसला तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस समिति करेगी। उन्होंने बताया कि राजनीतिक मामलों की समिति की अहम बैठक बुधवार सुबह चेन्नई में आयोजित होगी, जिसमें विस्तृत चर्चा के बाद अंतिम रणनीति तय की जाएगी।

तमिलनाडु की राजनीति में अब सभी की निगाहें कांग्रेस के फैसले पर टिकी हैं, क्योंकि यह निर्णय राज्य की अगली सरकार की दिशा और दशा दोनों तय कर सकता है।

खास खबर

एयरपोर्ट पर लैंड नहीं कर पाई फ्लाइट

जयपुर एयर इंडिया एक्सप्रेस की बेंगलुरु से जयपुर आ रही फ्लाइट मंगलवार को पहली कोशिश में लैंड नहीं कर पाई। रनवे टच करने के बाद पायलट को गो-अराउंड करना पड़ा। करीब 7 मिनट बाद विमान की सुरक्षित लैंडिंग करा ली गई, जिससे प्लेन में सवार करीब 150 पैसेंजर्स और क्रू ने राहत की सांस ली। जो बोइंग 737 प्लेन था। दरअसल, एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट डीके - 1494 ने मंगलवार दोपहर करीब 12 बजकर 35 मिनट पर जयपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के लिए एप्रोच किया। इस दौरान प्लेन रनवे के काफी करीब पहुंच गया था। टच भी किया, लेकिन एप्रोच पूरी तरह स्थिर नहीं होने के कारण पायलट ने सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता देते हुए तुरंत गो-अराउंड का फैसला लिया। इस प्रक्रिया के दौरान एयरक्राफ्ट को दोबारा ऊंचाई पर ले जाकर रनवे से दूर किया जाता है, ताकि सुरक्षित तरीके से फिर से लैंडिंग की जा सके।

डीसीपी सिन्हा के खिलाफ लुकआउट नोटिस

कोलकाता। कोलकाता के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) शांतनु सिन्हा के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया गया है। शांतनु सिन्हा के देश छोड़कर भागने की आशंका के चलते है ईडी ने यह लुकआउट नोटिस जारी करवाया है। जानकारी के मुताबिक, ईडी ने यह लुकआउट नोटिस सोना पप्पू केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जारी किया गया है। शांतनु सिन्हा 2025 में कोलकाता पुलिस से सेवानिवृत्त हो चुके थे लेकिन टीएमसी सरकार द्वारा उन्हें सेवा विस्तार दिया गया था और वह अब भी राज्य पुलिस में कार्यरत हैं। 'सोना पापू सिंडिकेट' मामला पश्चिम बंगाल में जमीन कब्जाने, जबरन वसूली और रियल एस्टेट से जुड़े कथित 40 करोड़ रुपये से अधिक के हवाला लेनदेन और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा एक बड़ा मामला है।

स्टालिन ने दिया इस्तीफा पर विजय का नाम लेने से गुरेज

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों के बाद राज्य की राजनीति में बड़ा भूचाल आ गया है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, लेकिन अपने पूरे बयान में उन्होंने विजयी पार्टी या प्रमुख नेता विजय का नाम लेने से परहेज किया, जिससे राजनीतिक हलकों में नई बहस छिड़ गई है। चुनाव परिणामों में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम को बड़ा झटका लगा है और पार्टी केवल 59 सीटों पर सिमट गई। वहीं विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम ने 108 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल कर राज्य में सरकार बनाने का रास्ता साफ कर लिया है।

कुछ ना कहना

मोदी मंत्रिमंडल का बड़ा फैसला, आपात ऋण गारंटी योजना को मंजूरी, उद्योगों और कृषि क्षेत्र को मिलेगा सहारा

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए कई अहम फैसले लिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल बैठक में आपात ऋण गारंटी योजना के पांचवें चरण को मंजूरी दे दी गई है। सरकार का कहना है कि इस योजना से विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को संकट के समय वित्तीय राहत मिल सकेगी।

बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पश्चिम एशिया समेत वैश्विक हालात को देखते हुए यह कदम उठाया गया है, ताकि भारतीय उद्योगों की उत्पादन क्षमता और नकदी प्रवाह प्रभावित न हो। इस योजना के तहत पात्र उद्योगों को अतिरिक्त ऋण पर पूर्ण या आंशिक गारंटी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे कठिन समय में कारोबार जारी रखने में मदद मिलेगी।

मंत्रिमंडल ने समुद्री क्षेत्र को मजबूत करने के लिए वाडिनार में पंद्रह सौ सत्तर करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक जहाज मरम्मत केंद्र स्थापित करने को भी मंजूरी दी है। इससे भारतीय और अंतरराष्ट्रीय जहाजों को मरम्मत के लिए विदेशों पर निर्भरता कम होगी और विदेशी मुद्रा की बचत होगी।

तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में सरकार ने गुजरात में नई अर्धचालक निर्माण इकाइयों को भी स्वीकृति दी है। तीन हजार नौ सौ करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली इन परियोजनाओं का उद्देश्य भारत को वैश्विक अर्धचालक निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

बिहार में 7 मई को होगा मंत्रिमंडल का विस्तार

जदयू कोटे से 11 मंत्रियों के नाम लगभग तय, सम्राट चौधरी कैबिनेट में दिखेंगे 3 नए चेहरे

पटना । बिहार में मंत्रिमंडल के विस्तार की तारीख का एलान हो गया है। नई सरकार के गठन के बाद अब 7 मई को नई कैबिनेट का गठन होगा। अभी तक मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और दोनों उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव के ही पास सारे विभागों की जिम्मेदारी थी। हालांकि, अब नए लोगों को विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इससे जनता के हितों में किए जा रहे कार्यों को और गति मिलने की संभावना है। बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड के कोटे से 11 मंत्रियों के शपथ लेने की संभावना है। इस सूची में न केवल पुराने अनुभवी चेहरों पर भरोसा जताया गया है, बल्कि सामाजिक समीकरणों को साधने के लिए तीन नए चेहरों को भी जगह दी जा सकती है।

सूत्रों के मुताबिक, जदयू से जिन 11 लोगों को मंत्री बनाए जाने की चर्चा है, उनमें से 8 पूर्व में भी नीतीश सरकार का हिस्सा रह चुके हैं। पुराने मंत्रियों में श्रवण कुमार, अशोक चौधरी, लेशी सिंह, मदन सहनी, सुनील कुमार, जमा खान, रत्नेश सदा और जयंत राज के नाम लगभग तय माने जा रहे हैं। वहीं, महिला कोटे से शीला कुमारी को भी दोबारा मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है।

सीटें खाली रखेगा जदयू

फिलहाल जदयू दो उपमुख्यमंत्री (विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव) सहित 13 मंत्रियों की संख्या पर चर्चा कर रहा है। हालांकि, खबर है कि पार्टी अपने कोटे की कुछ सीटें फिलहाल रिक्त रखेगी, जिन्हें भविष्य में होने वाले अगले विस्तार के दौरान भरा जाएगा। इसी रणनीति के तहत अभी केवल 11 नए नामों पर मुहर लगने की संभावना है।

क्षेत्रीय और सामाजिक समीकरणों पर जोर

मंत्रिमंडल की इस नई सूची को अंतिम रूप देते समय बिहार के जातिगत और क्षेत्रीय समीकरणों का विशेष ध्यान रखा गया है। सीमांचल से लेकर मिथिलांचल और मगध तक के प्रतिनिधित्व को संतुलित करने की कोशिश की गई है, ताकि आगामी चुनावों से पहले सभी वर्गों को साधा जा सके।

आर्थिक अपराधियों पर सख्ती, पीड़ितों को लौटाए गए तिरसठ हजार करोड़ से अधिक, प्रवर्तन निदेशालय का बड़ा दावा

नई दिल्ली। देशभर में बैंक धोखाधड़ी, निवेश घोटालों, चिटफंड ठगी और अन्य आर्थिक अपराधों में फंसकर अपनी जीवनभर की जमा पूंजी गंवाने वाले हजारों लोगों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। प्रवर्तन निदेशालय ने दावा किया है कि बीते वित्तीय वर्ष में एजेंसी ने पीड़ितों को उनका हक दिलाने की दिशा में बड़ी सफलता हासिल की है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्यप्रदर्शन रिपोर्ट के अनुसार इकतीस मार्च दो हजार छब्बीस तक एजेंसी ने तिरसठ हजार चार सौ बारह करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां वास्तविक हकदारों तक पहुंचाने की प्रक्रिया को प्राथमिकता दी है। इसमें बैंक, आम निवेशक, आवास खरीदार और विभिन्न निवेश योजनाओं में ठगी का शिकार हुए लोग शामिल हैं।

एजेंसी का कहना है कि अब केवल संपत्ति जब्त करना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि उस धनराशि को सही पीड़ितों तक पहुंचाना भी प्राथमिकता बन चुका है। यही वजह है कि कार्यशैली में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है।

गिरफ्तारियों के आंकड़ों में हल्की कमी जरूर दर्ज हुई है, लेकिन प्रवर्तन निदेशालय इसे अपनी रणनीतिक सफलता मान रहा है। एजेंसी का कहना है कि अब केवल उन्हीं मामलों में गिरफ्तारी की जा रही है, जहां ठोस और पुख्ता प्रमाण मौजूद हैं, जिससे न्यायालय में मामला अधिक मजबूत बन सके।

सजा दिलाने के मामलों में भी एजेंसी का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। पिछले दो वर्षों में अठारह मामलों में सत्तावन लोगों को दोषी ठहराया गया है। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि आर्थिक अपराधों के खिलाफ कार्रवाई अब केवल जांच तक सीमित नहीं, बल्कि दोषियों को सजा तक पहुंचाने पर केंद्रित है।

कोलकाता में भाजपा कार्यकर्ता की पीट-पीटकर हत्या, इलाके में तनाव

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां न्यूटाउन इलाके में एक भाजपा कार्यकर्ता की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार विवाद तेज आवाज में संगीत बजाने को लेकर शुरू हुआ था। आरोप है कि इसी बात को लेकर तृणमूल कांग्रेस से जुड़े एक कार्यकर्ता और उसके साथियों का भाजपा कार्यकर्ता से विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी हिंसक झड़प में बदल गई और भाजपा कार्यकर्ता पर कथित तौर पर लाठी, डंडों और घूंसों से हमला किया गया।

परिजन और स्थानीय लोगों का आरोप है कि गंभीर रूप से घायल कार्यकर्ता को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर फैलते ही इलाके में भारी भीड़ जमा हो गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

भारतीय जनता पार्टी ने इस घटना को राजनीतिक हिंसा करार देते हुए राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं तृणमूल कांग्रेस की ओर से इन आरोपों को निराधार बताया जा रहा है।

पांचवा पुण्य स्मरण

जन्म 07.05.1957

स्वर्गवास 06.05.2021

स्व.श्रीमती सुमन नगरगड़े

आपकी आज पांचवी पुण्यतिथि पर आपश्री के चरणों में

कोटिशः श्रृद्धांजली

श्रृद्धानवत्

के.एल. नगरगड़े (पति)
द्वारका प्रसाद बघेल-विभा बघेल (भाई-भाभी)
अनिल राय (दामाद)-विनीता राय (पुत्री)
सुशील नगरगड़े (पुत्र)-ज्योति नगरगड़े (पुत्रवधु)
अतुल नगरगड़े (पुत्र)-सोनम नगरगड़े (पुत्रवधु)
अरविन्द जायसवाल (दामाद)-रश्मि जायसवाल (पुत्री)
वंशिका नगरगड़े (पौत्री)-वैदिक नगरगड़े (पौत्र)

संबंधीगण, स्नेहीजन, परिजन एवं समस्त नगरगड़े परिवार, बालाघाट

ये कैसा जल गंगा संवर्धन अभियान ?

मोती तालाब में कपड़े धो कर फैलाई जा रही गंदगी : 9 वर्ष पूर्व लाखो रू की लागत से बनाया गया धोबीघाट बदहाल

धोबीघाट में व्यवस्थाओं की दरकार, लोग बोले बन जाए व्यवस्था तो होंगी आसानी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जल संचय एंव जल संरक्षण के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान समय में जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाबों ,कुओं व अन्य जलाशयों की साफ-सफाई की जा रही है।लेकिन नगर मुख्यालय स्थित मोती तालाब में किसी का कोई ध्यान नही है।नगर का मोती तालाब जो कि न सिर्फ जल संग्रहण का केंद्र है बल्कि मनोरंजन का भी स्थान है,यहां काफी समय पूर्व जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत साफ-सफाई तो की गई थी, लेकिन यहां से धोबी घाट को अभी तक बंद नहीं कराया गया है। जिसके कारण रोजाना ही बड़ी संख्या में तालाब में कपड़े धोने के कारण कपड़ों की गदंगी इस तालाब के पानी में ही मिल रही है जिससे ये तालाब गंदा हो रहा है। ऐसे में नगरीय प्रशासन के जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत की जा रही साफ-सफाई भी विफल हो रही हैं।आपको बताए कि मोती तालाब के पानी को गंदगी से बचाने और यहां कपड़े धुलाई का कार्य रोकने के लिए करीब 9 वर्ष पूर्व तालाब के नीचे धोबी घाट का निर्माण कराया गया था, जहा लाखो रु खर्च करने के बाद भी आज तक इस धोबी घाट में कपड़ो की धुलाई का कार्य शुरू नही हो पाया है।वही यह धोबी घाट महज शोपीस नजर आ रहा है।जहा लोगो की मांग के अनुरूप व्यवस्था बनाकर इस धोबी घाट को शुरू करने की जहमत भी अब तक नगरपालिका द्वारा नही उठाई गई है।जिसके चलते मोती तालाब में कपड़े धुलाई पर रोक नही लग पा रही है,जिससे तालाब रोजाना गंदा हो रहा हैं

करीब 9 वर्ष पूर्व श्री रंगलानी के कार्यकाल में बनाया गया था नया धोबीघाट

आपको बताएं कि मोती तालाब से धोबी घाट हटाने और वहां जल प्रदूषण को रोकने के लिए करीब 9 वर्ष पूर्व तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी के कार्यकाल में मोती तालाब के नीचे सुरभि नगर में लाखों रुपए खर्च कर नए धोबी घाट का निर्माण कराया गया था। जहां भरपूर पानी की व्यवस्था के लिए करीब 12 टाकियों का निर्माण कर, पानी निकासी की व्यवस्था सहित अन्य इंतजाम किए गए थे। वहीं पानी की सप्लाई के लिए घाट के समीप ही बोरिंग भी खुदवाया गया था। इन सब कार्य के लिए नपा को लाखों रुपए का खर्च आया था। जहां घाट बनने के बाद कुछ दिनों तक तो कपड़ों की धुलाई का काम ठीक से चलता रहा, लेकिन व्यवस्थाओं के अभाव में धीरे-धीरे यह कार्य भी बंद कर दिया गया और लाखों रुपए खर्च कर बनाई गई यह व्यवस्था फिर से पुराने ढर्रे पर आ गई जिसके चलते पूर्व की तरह मोती तालाब में कपड़ों की धुलाई का कार्य फिर से शुरू हो गया।जो अब भी जारी है।

सुरभि नगर धोबीघाट में दिख रही व्यवस्थाओ की कमी

मोती तालाब के जल को प्रदूषित होने से बचाने के लिए नगरीय प्रशासन ने लाखो रू खर्च कर पक्का व मजबूत धोबीघाट बनाया है।सुरभि नगर में बनाए गए इस घाट में कपड़ो की धुलाई के लिए नगरीय प्रशासन ने करीब 12टंकियों का निर्माण किया है,और उन 12 टंकियों के निर्माण के बाद भी वहां पर उपयुक्त व्यवस्था नहीं की गई है। वहां पर न तो बाउंड्रीवाल की व्यवस्था है और ना ही मोती तालाब धोबीघाट जैसे पानी की, और ना हीं घाट में कपड़े सुखाने के इंतेजाम किए गए है।इसके अलावा बनाई गई टाकियो में पानी भरने के भी कोई इंतेजाम नही किए गए है।यहां तक कि घाट में आने जाने के लिए सड़क तक का निर्माण नही कराया गया है। यदि इन टाकियो में पानी भरने या इस घाट मे कपड़े धोने के लिए लोग मशीन का उपयोग करते है तो ऐसी स्थिति में मशीन के चोरी होने का खतरा बना हुआ है।इसके अलावा धोबी घाट तक पहुच मार्ग और घाट परिसर में धूप और पानी से बचने के लिए शेड तक का निर्माण नही कराया गया है।शायद यही वजह है कि कपड़े धोने के व्यवसाय से जुड़े लोग सुरभि नगर के इस घाट में कपड़े धोने से परहेज कर रहे है।और पिछले कई सालों की तरह घर, मोती तालाब, या वैनगंगा नदी के पानी का उपयोग कपड़े धुलाई के लिए किया जा रहा है।वही सुरभि नगर स्थित घाट का उपयोग नहीं होने से इस घाट में विरानी छाई हुई है।

केवल धोबी घाट ही नहीं,नालियों से भी हो रहा मोती तालाब का जल प्रदूषित

बात अगर मोती तालाब के जल प्रदूषण की करे तो केवल धोबी घाट से ही नहीं, बल्कि मोती तालाब में आकर मिलने वाली नालियों से भी भारी मात्रा में जल प्रदूषित हो रहा है।जहा मोती तालाब को गंदे पानी से बचाने के लिए नपा द्वारा कोई सार्थक कदम नहीं उठाए गए हैं। बताया जा रहा है की मोती तालाब में चार स्थानों से वार्ड का गंदा पानी आता है।जबकि इस तालाब के संरक्षण और संवर्धन के लिए नगरी प्रशासन द्वारा लाखों रुपए खर्च किए गए हैं।उसके बाद भी तालाब के जल को प्रदूषित होने से बचाने में नगरीय प्रशासन नाकाम नजर आ रहा है। यदि वार्ड का गंदा पानी नाली के माध्यम से तालाब में न आकर बाहर चला जाता तो तालाब गंदा नहीं होता, लेकिन ये नगरीय प्रशासन की लापरवाह कार्यप्रणाली का नतीजा है कि कई वर्ष बीत जाने के बावजूद भी वर्तमान समय तक न तो सुरभि नगर धोबीघाट का संचालन शुरु हो पाया है,ना ही मोती तालाब में कपड़ो की धुलाई रुक पाई है। और न ही वार्ड के गंदे पानी को तालाब के भीतर आने से रोका जा रहा है।हलाकि नगरी प्रशासन द्वारा तालाब में आकर मिलने वाली नालियों को बंद कर दिए जाने की बात कही जा रही है।लेकिन अब भी तालाब प्रदूषित हो रहा है।

धोबी घाट में व्यवस्था बनानी चाहिए- गुड्डी जामड़े

धोबी व्यवसाय से जुड़ी आकाशवाणी चौक निवासी श्रीमती गुड्डी जामड़े ने बताया कि वर्तमान समय में लोग मोती तालाब में ही कपड़े धो रहे हैं। हमारे लिए कुछ वर्ष पूर्व धोबी घाट स्वीकृत किया गया था,वहां टाकी का निर्माण कराया गया था बोर भी खुदवाया गया था, लेकिन कपड़े धोने, सुखाने, टाकी में पानी, धूप व बारिश से बचने के लिए टीन शेड,व घाट आने जाने के लिए सड़क आदि की कोई व्यवस्था नही की गई।इसलिए धोबी घाट में कोई कपड़े नही धुलता है।हम घर पर या नदी जाकर कपड़े धुलते है।कई बार समाज के लोगो ने घाट पर व्यवस्थाए बनाने की मांग की है, लेकिन आज तक कोई व्यवस्था नही बनी,जबकि घाट बनाते समय हमसे तरह तरह के वादे किए गए थे, जो आज तक अधूरे है।हमारी मांग है कि धोबी घाट में व्यवस्था बनानी चाहिए।

सर्वसुविधा युक्त घाट बनाना चाहिए, ताकि कपड़े धो सके- संतोष मालवीय

वही कपड़े धोने के व्यवसाय से जुड़े संतोष कुमार मालवीय ने बताया कि तालाब की पार के नीचे घोबी घाट बनाया गया था, जो नाम मात्र का घाट है।वहा धोबी घाट जैसी कोई सुविधा नही है।धोबी घाट जाने के लिए सड़क नही है, वही कपडे धुलने के लिए पानी तक के इंतेजाम नही किए गए है।कपड़े सुखाने की व्यवस्था भी नही है, करीब 7 से 8 एकड़ का घाट स्वीकृत किया गया था, लेकिन अब उस भूमि पर भी कब्जा होने लगा है।तत्कालीन नपाध्यक्ष श्री रँगलानी के जमाने मे घाट स्वीकृत हुआ था, वहां कपडे धोने के किए टाके बनाए है,बोरिग खुदवाया गया है, लेकिन उसने मोटर आजतक नही लगी, कपड़े धोने के लिए वहां पानी तक नही है।इसलिए इस व्यवसाय से जुड़े लोग वहां कपड़े धोने नही जाते है।हमारी मांग है कि उक्त घाट को सर्वसुविधा युक्त बनाना चाहिए, ताकि सभी लोग उसी घाट पर कपड़े धोकर उसे सूखा सके।यदि यह व्यवस्था बन जाएगी तो सभी को आसानी होंगी, लेकिन इस ओर कोई ध्यान ही नही दे रहा है।

जल्द व्यवस्था बनाई जाएगी- कतरोलिया

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीडी कतरोलिया ने बताया कि बरसात की पूर्व मोती तालाब की साफ सफाई कर सौंदरीकरण का कार्य किया गया था, बरसात के बाद जलकुंभी व कचरा एकत्र हो गया है, उसकी जल्द ही साफ सफाई की जाएगी,अभी जल गंगा संवर्धन अभियान चल रहा है ,उसके तहत साफ सफाई कराकर जल संरक्षण का कार्य किया जाएगा।उन्होंने आगे बताया कि मोती तालाब में कुछ लोगों द्वारा अभी भी कपड़े धोने का काम किया जा रहा है, जबकि उन्हें ऐसा करने से मना किया गया है, उसके बाद भी यदि कोई ऐसा करता पाया गया तो उस पर कार्यवाही होगी उन्होंने बताया कि धोबी घाट में कपड़े धोने की व्यवस्था बनाई गई है ,अन्य जो व्यवस्थाएं बची है उसे जल्द ही बना दी जाएगी।

बूढ़ी शराब दुकान पर कार्रवाई अब तक कागजों में, 8 दिन बाद भी नहीं हुआ डिस्मेंटल

परिषद के निर्णय पर अमल नहीं, विरोध के बीच जांच टीम गठन का दावा,

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 27 अप्रैल को आयोजित नगर पालिका परिषद की बैठक में अध्यक्ष और कुछ पार्षदों द्वारा यह निर्णय लिया गया था कि यदि बूढ़ी शराब दुकान को प्रशासन नहीं हटाता, तो नगर पालिका अपने इंजीनियरों से भवन की जर्जर स्थिति की जांच कराकर दुकान को डिस्मेंटल करने की कार्रवाई करेगी। लेकिन बैठक के 8 दिन बीत जाने के बाद भी यह निर्णय अब तक केवल कागजों और बयानों तक ही सीमित नजर आ रहा है। जमीनी स्तर पर किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है, जिससे स्थानीय लोगों और प्रदर्शन कर रही महिलाओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस बीच सत्ता पक्ष के ही पार्षद सुधीर चिले सहित कुछ अन्य सदस्यों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया था। उनका कहना था कि इस प्रकार की कार्रवाई नगर पालिका के अधिकार क्षेत्र में संभवत नहीं आती और इसे लागू करना नियमों के विपरीत होगा। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर पालिका के अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर दी गई है, जो जल्द ही भवन की स्थिति का निरीक्षण कर प्रतिवेदन तैयार करेगी। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हालांकि, विरोध के बावजूद महिलाओं का आंदोलन जारी है और वे डिस्मेंटल की कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन और नगर पालिका इस मामले में कब तक ठोस कदम उठाते हैं।

बूढ़ी क्षेत्र में संचालित शराब दुकान को हटाए जाने की मांग के बीच नगर पालिका की ओर से कार्रवाई को लेकर नई हलचल सामने आई है। बीते दिनों नगर पालिका परिषद की बैठक में अध्यक्ष द्वारा यह कहा गया था कि जर्जर दुकानों की जांच कराकर उन्हें डिस्मेंटल किया जाएगा, लेकिन लगभग 8 दिन बीत जाने के बाद भी यह कार्रवाई धरातल पर नजर नहीं आई थी और मामला केवल बयानबाजी तक सीमित दिखाई दे रहा था। हालांकि अब नगर पालिका अध्यक्ष ने एक बार फिर अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा है कि परिषद में लिए गए निर्णय पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका के उपयंत्रियों और विभिन्न शाखाओं के अधिकारियों-कर्मचारियों को मिलाकर लगभग पांच सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। यह टीम बूढ़ी स्थित शराब दुकान की भवन स्थिति का निरीक्षण करेगी और विस्तृत प्रतिवेदन तैयार करेगी। नगर पालिका अध्यक्ष के अनुसार, जांच रिपोर्ट तैयार होने के बाद उसे संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। यदि भवन जर्जर पाया जाता है, तो नगर पालिका द्वारा जिस प्रकार अन्य जर्जर भवनों को डिस्मेंटल किया जाता है, उसी प्रक्रिया के तहत शराब दुकान की दुकानों पर भी कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे मामले में भाजपा के कुछ पार्षदों, जिनमें सुधीर चिले सहित अन्य सदस्य शामिल हैं, ने यह भी कहा था कि यह कार्रवाई संभवत सीधे नगर पालिका के अधिकार क्षेत्र में नहीं आती और इसके लिए अन्य वैकल्पिक मार्ग तलाशना चाहिए। इसके बावजूद नगर पालिका अध्यक्ष ने स्पष्ट किया है कि वे अपने स्तर पर उपलब्ध अधिकारों के तहत कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ा रही हैं। नगर पालिका अध्यक्ष ने यह भी जानकारी दी कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं और निरीक्षण तथा आगे की प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि आगामी दो से तीन दिनों के भीतर निरीक्षण की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी और उसके आधार पर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। नगर पालिका अध्यक्ष का यह वीडियो बयान भी सामने आया है, जिसमें उन्होंने पूरी प्रक्रिया की जानकारी देते हुए जल्द कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। अब लोगों की नजर इस बात पर टिकी है कि जांच रिपोर्ट के बाद प्रशासन वास्तव में क्या कदम उठाता है और क्या लंबे समय से विवादों में घिरी बूढ़ी शराब दुकान पर ठोस कार्रवाई हो पाती है या नहीं।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

101 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 05 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, श्री एमआर कोल एवं डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 101 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में कटंगी तहसील की वार्ड क्रमांक 06 की निवासी सुनंदा बागडे 06 महीने से कुक एवं कुक हेल्पर के कार्य का भुगतान नही किये जाने की शिकायत लेकर आयी थी। सुनंदा का कहना था कि वह वर्ष 2020 में वीर सीरोमणी महाराणा प्रताप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी के प्रसुता वार्ड में प्रसुता महिलाओं को भोजन प्रदाय करने के लिए कुक का कार्य कर रही है। अगस्त 2025 से अब तक के उसके कार्य का भुगतान उसे नही किया गया है। सुनंदा एक गरीब महिला है और उसके पति विकलांग है। अतः सुनंदा को उसके कार्य का पारिश्रमिक भुगतान प्रदाय किया जाए। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

लालबर्रा तहसील की ग्राम मानपुर निवासी श्यामबती तेकाम पति की मृत्यु उपरांत ग्रेज्युटी व पेंशन राशि दिलाये जाने की मांग लेकर आयी थी। श्यामबती का कहना था कि उसके पति रूपलाल तेकाम परसवाडा तहसील अंतर्गत ग्राम डोंगरिया में सहायक शिक्षक के पद पर पदस्थ थे। रूपलाल की मृत्यु 22 नवम्बर 2025 को हो चुकी है। अतः श्यामबती ने जिला प्रशासन से मांग की है कि उसे पति की मृत्यु उपरांत मिलने वाली ग्रेज्यटी व पेंशन की राशि दिलायी जाए। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बालाघाट तहसील के वार्ड नं. 03 गौस नगर के रहवासी वार्ड में विधायक निधि से लगाये गए विद्युत पोल को पुनः स्थापित किये जाने की मांग लेकर आये थे। वार्ड वासियों का कहना था कि वार्ड नं. 03 गौस नगर में वर्ष 2026 में विधायक निधि से 03 विद्युत पोल लगाये गए थे। कुछ समय बाद 03 विद्युत पोल से एक पोल विभाग द्वारा निकाल कर ले जा लिया गया और कहा गया कि कुछ सुधार कार्य करके पुनः पोल स्थापित किया जाएगा। किंतु आज दिनांक तक निकाला गया विद्युत पोल स्थापित नही किया गया है। विद्युत पोल न होने से वार्ड वासियों को बहुत सी कठिनाईयों का सामना करना पड रहा है। अतः शीघ्र वार्ड में विद्युत पोल लगाया जाए। इस प्रकरण में अधीक्षण अभियंता को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

खैरलांजी तहसील अंतर्गत ग्राम डोंगरिया पोस्ट अमई निवासी संगीता अग्ने कर्मकार मण्डल योजना अंतर्गत लाभ न मिलने की शिकायत लेकर आयी थी। संगीता का कहना था कि उसके द्वारा कर्मकार मण्डल योजना अंतर्गत ई-स्कूटी के लिए आवेदन 11 मार्च 2025 को किया गया था, किंतु आज दिनांक तक हमें कर्मकार मण्डल योजना अंतर्गत ई-स्कूटी का लाभ प्राप्त नही हो पाया है। इस प्रकरण में जिला श्रम पदाधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

खेरलांजी तहसील के ग्राम मोही निवासी देवेंद्र नगपुरे अपने पुत्र हर्षवर्धन नगपुरे का सीएम राइज स्कूल वारासिवनी में प्रवेश दिलाने की मांग ो लेकर आये थे। देवेंद्र नगपुरे का कहना था की उनका बेटा आरम्भ से कक्षा 08वीं तक विधासागर इंग्लिश मीडियम स्कूल में अध्यनरत था लेकिन अब कक्षा 09वीं से वे अपने बेटे की आगे की पढाई संदीपनी स्कूल(सीएम राइज स्कूल) में करवाना चाहते है।

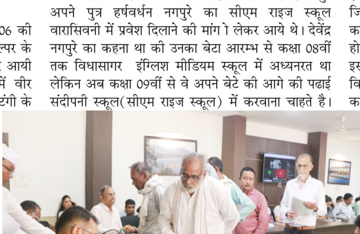

उनका कहना था की उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण वे अच्छे स्कूल में अपने बेटे का प्रवेश नहीं करा पा रहे है। उसकी इस समस्या ो सुनते हुए कलेक्टर श्री मीना नें जिला शिक्षा अधिकारी ो इस प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। जनसुनवाई में ग्राम छिंदलइ की तहसील लालबर्रा निवासी सचिन चौधरी अपने भाई कपिल चौधरी के किडनी ट्रांसप्लांट में आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग ो लेकर आये थे। सचिन चौधरी का कहना था की उसका भाई किडनी की बीमारी से ग्रसित है व उसके किडनी ट्रांसप्लांट के लिए डॉक्टर द्वारा 06 लाख रू का खर्चा बताया गया है। उसने बताया की वे गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करते है व उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है।यदि उसकी कुछ आर्थिक मदद हो जाती तो वह अपने भाई का इलाज अच्छे से करा पाता। उसकी इस समस्या ो सुनते हुए कलेक्टर श्री मीना नें सीएमएचओ ो इस प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

जनसुनवाई में ग्राम परसवाडा की तहसील किरनापुर निवासी भवानी प्रसाद तिवारी स्पीड ब्रेकर निर्माण की मांग ो लेकर आये थे। भवानी प्रसाद तिवारी का कहना था की उनके गॉव परसवाडा से होकर रजेगांव से लाँजी पर मुख्य हाईवे गुजरता है जो अत्यंत व्यस्त एवं तेज गति से होकर गुजरता है जिससे दुर्घटना होने की सम्भावना बनी रहती है। उन्होने बताया की इसी मार्ग पर पहले भी कई दुर्घटना हो चुकी है। इस स्थान पर ग्रामीणों का आवागमन हमेशा लगा रहता है इसके अलावा यहां पर पशुओं की आवाजाही लगी रहती है जिससे जनहानि का खतरा लगातार बना रहता है। उनका कहना था की इन स्थानों पर यदि स्पीड ब्रेकर बन जाता तो होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है। उनकी इस समस्या ो सुनते हुए कलेक्टर श्री मीना नें सम्बंधित विभागीय अधिकारी ो इस प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

जनसुनवाई में लांजी तहसील अंतर्गत ग्राम कालीमाटी वार्ड नं.03 की निवासी कुसमी बाई डोंगरे मोहल्लेवासियों द्वारा हैण्डपंप में लगे समर्सिबल पंप से उसे पानी न भरने दिये जाने की शिकायत लेकर आयी थी। कुसमी बाई का कहना था कि उनके वार्ड में शासन से हैण्डपंप खुदवाया गया है जिसमें विगत 3-4 माह पूर्व हैण्डपंप से पाईप निकालकर उसकी जगह वार्ड के कुछ लोगो द्वारा सम्पर्सिबल पंप लगा दिया गया है और सारा पानी स्वयं ही उपयोग किया जा रहा है। कुसमी बाई ने बताया कि इसके लिए उसने एसडीएम लांजी, थाना टीआई लांजी से भी शिकायत की थी लेकिन इस पर अब तक कोई कार्यवाही नही की गई। अतः कुसमीबाई की समस्या का शीघ्र निराकरण किया जाए। इस प्रकरण में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

वारासिवनी तहसील अंतर्गत कोसरिटोला मुरझड निवासी मोरेश्वर उके अपनी पुत्री का प्रवेश सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी में दिलाये जाने की मांग लेकर आये थे। मोरेश्वर का कहना था कि उसकी पुत्री कु. पावनी उके गांधी विद्या मंदिर में कक्षा पहली से आठवी तक अध्ययन कर चुकी है और अब वह सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी में अध्ययन करना चाहती है। मोरेश्वर ने बताया कि बेटी के प्रवेश के लिए उसने विद्यालय प्राचार्य से सम्पर्क किया तो उन्होंने कहा कि उसकी पुत्री को विद्यालय में प्रवेश नही दिया जाएगा। मोरेश्वर की बेटी कक्षा 8वीं में 92 प्रतिशत अंको से उत्तीर्ण हुई है। अतः उसकी पुंत्री को सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी में प्रवेश दिया जाए। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया का सम्मान समारोह सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया के तत्वधान में नगर मुख्यालय बूढी वार्ड न 13 रेलवे क्रासिंग के पास स्थित संस्था के नवीन जिला कार्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।आयोजित इस सम्मान समारोह में पधारे, संस्था के ट्रस्टी,राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष,समता सैनिक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोधिसत्व डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर जी के पौत्र डॉ.भीमराव यशवंत राव आंबेडकर साहेब मुंबई के हस्ते बालाघाट जिले की खैरलांजी तहसील के ग्राम तुरइयापर की बेटी अक्षरा घोड़ेसवार का विशेष सम्मान किया गया। अक्षरा का यह विशेष सम्मान, मप्र शिक्षा विभाग की 10 वी बोर्ड कक्षा में मप्र में सेकेंड टापर आने पर किया गया।इस अवसर पर कु.अक्षरा घोड़ेसवार का सम्मान करते हुए जिला शाखा द्वारा राशि 10,000/नगद,प्रशस्ति पत्र,एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।वही बच्ची के आगे शिक्षा हेतु जिला खरगौन महेश्वर तहसील मुख्यालय के महेश चौबे द्वारा लेपटॉप देने की, आर के कठाणे, देवानंद रंगारे, संजय मेश्राम महामंत्री खैरलांजी द्वारा प्रतिमाह 2500/ एवं, आदिवासी गोवारी समाज के प्रदेश अध्यक्ष महेश सहारे द्वारा पढ़ाई हेतु जो भी सामग्री लगेगी वह निशुल्क देने की घोषणा की गई।इस आयोजन के मुख्य अतिथि संस्था के राष्ट्रीय प्रमुख डॉ.भीमराव यशवंतराव आंबेडकर साहेब मुंबई थे,कार्यक्रम की अध्यक्षता अशोक कुमार मेश्राम जिलाध्यक्ष बालाघाट द्वारा की गई थी सामूहिक पूजा वंदना पूज्य भंते बी राहुल बोधि जी चैत्यभूमि द्वारा की गई,प्रमुख अतिथियों में सुबचन रिटायर आयकर कमिश्नर एवं संस्था के सलाहकार मुंबई, कैप्टन प्रवीण निखाड़े अंतरराष्ट्रीय सचिव मुंबई,डॉ.एवं एडवोकेट जगदीश गवई अर्थात जयसेन बौद्ध, बी.एच.गायकवाड गुरुजी राष्ट्रीय सचिव एवं मप्र राज्य के पालक मंत्री,डॉ. चरनदास ढेंगरे प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय शिक्षक, गौतम पाटिल राष्ट्रीय संगठक भोपाल, सी एल बौद्ध राष्ट्रीय संगठक दतिया, इंजी. पद्माकर

गणवीर राष्ट्रीय संगठक नागपुर,डॉ.एवं एसएसडी के लेफ्टिनेंट कर्नल वरिष्ठ केंद्रीय शिक्षक उत्तम प्रधान इंदौर, बी.सी.सहारे प्रदेश कोषाध्यक्ष भोपाल,संतोष गवले प्रदेश उपाध्यक्ष बुरहानपुर,एड.रमेश लोखंडे प्रदेश सचिव छिंदवाड़ा,धर्मेंद्र कुरील पूर्व प्रदेश सचिव बालाघाट, युवा साथी मंगेश वानखेडे अध्याश वंचित आघाड़ी नागपुर, भीमराव फूसे विदर्भ अध्यक्ष बीएसआई नागपुर, महिला नेत्री वरिष्ठ समाजसेवी सुश्री रेशम भोयर नागपुर, महेश चौबे पूर्व प्रदेश सचिव महेश्वर जिला खरगोन आदि मंचासिन थे।इस समारोह में उपासिका धम्म प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण देने आई सभी केंद्रीय शिक्षिकाएं, बालाघाट, खैरलांजी, वारासिवनी, किरणापुर, हट्टा ,लालबर्रा,आदि क्षेत्र से कार्यकर्ता शामिल रहे। सम्पूर्ण समारोह में बालाघाट से प्रदेश उपाध्यक्ष हेमलता डोंगरे प्रदेश,एसएसडी की डिवीजन ऑफिसर साधना ढेंगरे, उपाध्यक्ष,प्रमिला ताई चौहान जिला कोषाध्यक्ष, पूर्णिमा ताई गणवीर नगर कोषाध्यक्ष सुषमा रावडे नगर सचिव बालाघाट, दुरेंद सावनकर,आर डी बसोड़,अभिराज मेश्राम आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर
दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

बारात में पटाखे की चिंगारी से पैरे में आग लगने पर हुआ था विवाद

घायल युवक की रिपोर्ट पर सुनील के विरुद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम नवेगांव(ख) में मारपीट में घायल युवक द्वारा की गई रिपोर्ट पर खैरलांजी पुलिस ने सुनील नेवारे के विरुद्ध मामला कायम कर लिया है। बारात मैं पटाखे से पैरा जलने को लेकर यह विवाद हुआ था। जिसमें वैभव नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वैभव बगारे 20 वर्ष वार्ड नंबर 24 इंदिरा नगर बालाघाट निवासी जो पढ़ाई करता है। 29 अप्रैल को वह अपने भाई विक्की राऊत की बारात लेकर बालाघाट से नवेगांव(ख) गए थे। रात्रि 10ः00 बजे जब जनवासे से बारात शादी वाले घर जाने के लिए निकली थी। अभय नामक युवक ने पटाखे की लड़ी जलाया था फटाखे की चिंगारी रोड किनारे रखे पैरा में गिरने से आग लग गई थी। इसे बुझाने के लिए वैभव गया था तभी वह सुनील नेवारे आया। पटाखे से पैर में आग लगा दिया बोलकर वह वैभव को गाली गलौज करने लगा ।वैभव ने गालियां देने से मना किया ।तभी सुनील ने उभारी से वैभव के सीर में पीछे से वार कर दिया। जिससे वैभव का सर फट गया था। इसके बाद उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। बचाव के बाद वैभव को खैरलांजी के अस्पताल में भर्ती किए थे जहां से उसे बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। परिजनों ने वैभव को बालाघाट के एक निजी अस्पताल में भर्ती किए थे ।3 मई को इस निजी अस्पताल से छुट्टी होने के बाद वैभव अपने मां और पिता के साथ रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी पुलिस थाना पहुंचा। खैरलांजी पुलिस ने वैभव द्वारा की गई रिपोर्ट पर सुनील नेवारे नवेगांव निवासी के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। आगे जांच की जा रही है।

डोंगरिया पंचायत में रोजगार सहायक को लेकर बढ़ा विवाद, हटाने की मांग

महीनों से अनुपस्थिति और लापरवाही के आरोप, जनप्रतिनिधियों ने दी आंदोलन की चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से सटे ग्राम पंचायत डोंगरिया के सरपंच, उपसरपंच और पंचों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर रोजगार सहायक को हटाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत में पदस्थ रोजगार सहायक बीते कई महीनों से लगातार अनुपस्थित है, जिससे शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं का संचालन प्रभावित हो रहा है। ज्ञापन में बताया गया कि रोजगार सहायक की अनुपस्थिति के कारण ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है और पंचायत स्तर पर कामकाज पूरी तरह प्रभावित हो गया है। सरपंच और अन्य जनप्रतिनिधियों ने कर्मचारी पर लापरवाही और कर्तव्यहीनता के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने मांग की कि संबंधित रोजगार सहायक को तत्काल हटाकर अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए और उसके स्थान पर नए रोजगार सहायक की नियुक्ति की जाए, ताकि पंचायत का कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके। जनप्रतिनिधियों ने यह भी बताया कि इस संबंध में ग्राम पंचायत की बैठकों में कई बार प्रस्ताव पारित किया जा चुका है, लेकिन इसके बावजूद जिला प्रशासन द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि प्रशासन की उदासीनता के चलते ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि

यदि जल्द ही मांग पूरी नहीं हुई, तो वे आगे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

जनपद पंचायत लालबर्रा अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत डोंगरिया में रोजगार सहायक को हटाने की मांग को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। ग्राम पंचायत की सरपंच, उपसरपंच एवं पंचों ने रोजगार सहायक धनराज बाजनघाटे पर लंबे समय से अनुपस्थित रहने और कार्यों में लापरवाही बरतने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि रोजगार सहायक की अनुपस्थिति के कारण शासन की विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावित हो रहा है और ग्रामीणों को इसका सीधा नुकसान उठाना पड़ रहा है। सरपंच हस्तरेखा और उपसरपंच दयाराम बाजनघाटे ने मीडिया से चर्चा में बताया कि रोजगार सहायक पिछले वर्ष नवंबर माह से पंचायत में उपस्थित नहीं हुए हैं। उन्होंने मेडिकल अवकाश का हवाला देकर अनुपस्थिति दर्ज कराई है, लेकिन इतने लंबे समय तक कार्यस्थल से दूर रहने के कारण पंचायत का कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया है। पंचायत में चल रही विकास योजनाएं ठप पड़ गई हैं और हितग्राहियों को समय पर लाभ नहीं मिल पा रहा है। पंचायत प्रतिनिधियों ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर कई बार ग्राम पंचायत की बैठकों में प्रस्ताव पारित कर रोजगार सहायक को हटाने की मांग की गई है। इसके साथ ही जनपद पंचायत और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को भी लिखित शिकायतें दी गई हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उनका आरोप है कि राजनीतिक संरक्षण के चलते संबंधित कर्मचारी पर कार्रवाई नहीं हो पा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व में जनपद स्तर पर इस मामले की जांच कराई गई थी, जिसमें रोजगार सहायक के खिलाफ प्रतिकूल प्रतिवेदन भी तैयार हुआ था। बावजूद इसके आज तक कोई प्रशासनिक निर्णय नहीं लिया गया है, जिससे पंचायत प्रतिनिधियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों का कहना है कि रोजगार सहायक की अनुपस्थिति से मनरेगा सहित अन्य शासकीय योजनाओं का संचालन प्रभावित हो रहा है। मजदूरों को समय पर काम नहीं मिल पा रहा है और भुगतान में भी देरी हो रही है। इससे ग्रामीणों में असंतोष की स्थिति बन रही है। पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की जाए और अनुपस्थित रोजगार सहायक को हटाकर उसके स्थान पर नया कर्मचारी नियुक्त किया जाए, ताकि पंचायत का कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। वहीं ग्रामीणों का भी कहना है कि पंचायत स्तर पर कार्यों में पारदर्शिता और नियमितता बनाए रखना बेहद जरूरी है। ऐसे में यदि जिम्मेदार कर्मचारी ही अपने कर्तव्यों से अनुपस्थित रहेगा, तो विकास कार्यों पर असर पड़ना स्वाभाविक है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में कब तक ठोस कदम उठाता है।

कार ऑटो को ठोस मारकर फरारः ऑटो चालक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर रोड़ भरवेली समीप मुंडीमाई चौक में एक ब्लेक कार ऑटो को ठोस मार कर फरार हो गई। इस दुर्घटना में ऑटो चला के हिसब लाल पिता नरबद बघेले 52 वर्ष वार्ड नंबर16 भरवेली निवासी घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हिसबलाल ऑटो चलाकर परिवार का भरण पोषण करते हैं।5 मई को 3ः30 करीब हिसब लाल अपनी ऑटो लेकर मंडी बाई चौक आए थे और ऑटो खड़ी कर रहे थे इस दौरान बालाघाट की ओर से तेज रफ्तार से जा रही ब्लैक कलर की कार ऑटो को ठोस मार कर फरार हो गई। इस सड़क दुर्घटना में हिसब लाल हो गए ।जिन्हें मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है। बताया गया है की घटना स्थल से कुछ दूर एक प्रतिष्ठान में लगे सीसीटीवी कैमरे ने फरार ब्लेक कलर की कार को कैद किया है। जिसकी तलाश की जा रही है।

हीरापुर आत्महत्या के मामले में फरार मुख्य आरोपी अजीत हैदराबाद से गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हीना खान आत्महत्या मामले में फरार चल रहा दूसरा मुख्य आरोपी अजीत बाहेश्वर आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। बालाघाट पुलिस की विशेष टीम ने 24 वर्षीय अजीत पिता ओमकार बाहेश्वर निवासी ग्राम सुरवाही को हैदराबाद से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी को पूछताछ हेतु पुलिस रिमांड पर लिया गया है। ज्ञात होगी 27 अप्रैल 2026 को भरवेली थाना क्षेत्र के हीरापुर पुल की रेलिंग पर 50 वर्षीय बबलू खान की बेटी हीना खान का शव सलवार-चुन्नी से लटका मिला था। पिता की रिपोर्ट पर मर्ग क्र. 12/26 धारा 194 बीएनएसएस के तहत जांच शुरू हुई ।जांच में सामने आया कि आरोपी अजीत बाहेश्वर और लवकुश कोहरे नाबालिग हीना को बहला-फुसलाकर बाइक पर ले गए थे। अजीत ने हीना का शारीरिक शोषण किया और फिर उसे मोहल्ले में अकेला छोड़ दिया। जब हीना ने मुजफ्फर के मोबाइल से अजीत को फोन किया तो उसने बात करने से मना कर दिया। शारीरिक शोषण और उपेक्षा से आहत होकर हीना ने पुल की रेलिंग

से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। लवकुश कोहरे पर अजीत को शारीरिक संबंध बनाने में मदद कर दुष्प्रेरण का आरोप है। लवकुश पिता गणेश कोहरे निवासी धनसुआ को 3 मई 2026 को दोपहर 1 बजे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अजीत के साथ जुर्म कबूला। उसके पास से घटना में इस्तेमाल वीवो कंपनी का मोबाइल और मोटरसाइकिल जप्त गई। लव कुश को यहां की विद्वान अदालत में पेश किया गया था जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जिला जेल भिजवा दिया गया था ।घटना के बाद से फरार अजीत की तलाश में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर टीम गठित की गई थी। सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने उसे हैदराबाद से दबोच लिया। 5 मई को भरवेली पुलिस ने अजीत को बालाघाट की विद्वान अदालत में पेश कर दिए। जहा से अजीत और लवकुश को पूछताछ हेतु पुलिस रिमांड पर लिया गया है। ज्ञात होगी एफएसएल टीम गवाहों के बयान और जिला अस्पताल बालाघाट में महिला डॉक्टरों की टीम से पोस्टमार्टम के बाद मर्ग जांच में धारा 137(2), 107, 49 बीएनएस और 17 पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया था। इसमें धारा 65(1) बीएनएस, धारा 3/4 पॉस्को एक्ट का इजाफा किया गया है। इस मामले की विवेचना भरवेली थाना प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र पन्द्रों द्वारा की जा रही है।

पुनः दीपक कुमार उईके ने विद्युत विभाग में अधीक्षण अभियंता का संभाला कार्यभार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि. बालाघाट में पूर्व में सेवा दे चुके, दीपक कुमार उईके ने एक बार फिर अधीक्षण अभियंता, बालाघाट का कार्यभार संभाल लिया ।आपको बताते चले कि पूर्व में भी वे यहां पदस्थ थे। जिनके कार्यकाल में प्रशासनिक दक्षता के परिणामस्वरूप विभाग ने राजस्व सुदृढ़ीकरण, विद्युत व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण तथा उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में विभाग को सफलता मिली थी। मंगलवार को पुनः पदभार ग्रहण करने के बाद अधीक्षण अभियंता से मिलने पहुंचे यूनाइटेड फोरम फॉर पावर एम्पलाइज एवं इंजीनियर्स तथा पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों और पेंशनर की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण का भरोसा दिलाया है। उन्होंने कहा कि विभागीय समन्वय, संवाद एवं सहयोग की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा ।बैठक के दौरान अधीक्षण अभियंता महोदय ने संगठन के प्रतिनिधियों से आत्मीय संवाद करते हुए अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पेंशनर परिवार की समस्याओं एवं आवश्यकताओं के त्वरित एवं

प्रभावी निराकरण हेतु पूर्ण प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने विश्वास दिलाया कि विभागीय समन्वय, संवाद एवं सहयोग की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा ।इस दौरान कार्यक्रम में यूनियन पदाधिकारी आई.डी. पटले (प्रांतीय उपाध्यक्ष), के.एल. गौतम (अध्यक्ष, सेवानिवृत्त सहायक अभियंता), रतिराम नखाते (संगठन सचिव), शिव मुनेश्वर (मीडिया प्रभारी), यशवंत पीपलीमार (सचिव, पेंशनर्स एसोसिएशन), आर.के. शर्मा, निकेश दुबे सहित, मोहसिन खान, संविदा कर्मचारियों के प्रतिनिधि महेंद्र डहरवाल, धनेंद्र मसूरकर, दुर्गा प्रसाद बाहे, ओम प्रकाश कावचे, पांडे जी, एच.डी. उपभोक्ता तिवारी एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

एनसीसी संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का दूसरा दिन अनुशासन और उत्साह के साथ संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 6 म.प्र. बटालियन एनसीसी, बालाघाट के तत्वाधान में आयोजित 95वें संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-95) का दूसरा दिन ऊर्जा, अनुशासन और विविध गतिविधियों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर के कैम्प कमाण्डेन्ट लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता ने ओपनिंग एड्रेस में कैडेट्स को संबोधित करते हुए एकता और अनुशासन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी कैडेट्स को प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन का पालन करते हुए अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि एनसीसी शिविर कैडेट्स के व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका निभाता है और उन्हें जिम्मेदार तथा राष्ट्हित में समर्पित नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है।

कैम्प कमाण्डेन्ट ने अपने संबोधन में कर्तव्यनिष्ठा, सुदृढ़ चरित्र और मानवीय मूल्यों के साथ कार्य करने की प्रवृत्ति विकसित करने पर विशेष बल दिया। दूसरे दिन के कार्यक्रमों के अंतर्गत कैडेट्स ने ड्रिल अभ्यास में भाग लिया। साथ ही फायरिंग में जाने वाले कैडेट्स को प्रारंभिक शस्त्र संबंधी जानकारी दी गई। संगीत में रुचि रखने वाले कैडेट्स के लिए गिटार प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त नियमित एनसीसी कक्षाओं का भी संचालन किया गया। शिविर में द्वितीय एनसीसी अधिकारी कल्पना थोंबरे, द्वितीय एनसीसी अधिकारी नवीता मैथ्यु, हवलदार किरण कुमार एवं हवलदार रामदेव सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे और प्रशिक्षण गतिविधियों को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

7-8 महीने से वेतन नहीं, अंशकालिक कर्मचारियों का फूटा गुस्सा,

जनसुनवाई में कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, भुगतान नहीं हुआ तो हड़ताल की चेतावनी,

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के बैनर तले जिले के अंशकालिक कर्मचारियों ने जनसुनवाई में पहुंचकर अपनी लंबित वेतन की समस्या को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें पिछले 7 से 8 महीनों से वेतन नहीं मिला है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी मुश्किल हो रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि वे नियमित रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं, इसके बावजूद भुगतान नहीं होना उनके साथ अन्याय है। उन्होंने बताया कि परिवार का भरण-पोषण, बच्चों की पढ़ाई और अन्य जरूरी खर्चों को पूरा करना अब मुश्किल हो गया है। जिले में करीब 5 हजार अंशकालिक कर्मचारी इस समस्या से प्रभावित हैं, जो लंबे समय से वेतन का इंतजार कर रहे हैं। कर्मचारियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द लंबित वेतन जारी करने की मांग की है। कर्मचारी संघ ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही उनकी मांग पूरी नहीं की गई, तो वे मजबूर होकर हड़ताल का रास्ता अपनाएंगे। इससे जिले की कई सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के बैनर तले छात्रावासों में कार्यरत अंशकालीन कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार, 5 मई को कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं को उजागर करते हुए प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई और जल्द समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। अंशकालीन कर्मचारी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष संतोष चौधरी ने बताया कि कर्मचारियों को मात्र 5000 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाता है, लेकिन विडंबना यह है कि यह अल्प राशि भी पिछले 7 से 8 महीनों से नहीं दी गई है। ऐसे में कर्मचारियों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि पहले से ही कम मानदेय में काम करना मजबूरी है, और यदि वह भी समय पर नहीं मिले तो परिवार का भरण-पोषण करना बेहद मुश्किल हो जाता है। उन्होंने बताया कि जिले के विभिन्न विकासखंडों बैहर, परसवाड़ा और बिरसा में संचालित छात्रावास, आश्रम शालाओं और स्कूलों में कार्यरत अंशकालीन कर्मचारी लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ये कर्मचारी छात्रावासों की देखरेख, साफ-सफाई, भोजन व्यवस्था और अन्य जरूरी कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद उन्हें समय पर भुगतान नहीं मिलना उनके साथ अन्याय है। संतोष चौधरी ने कहा कि कई कर्मचारी ऐसे हैं, जिनके परिवार की आजीविका पूरी तरह इसी मानदेय पर निर्भर है। लगातार महीनों से भुगतान नहीं होने के कारण उन्हें कर्ज लेने और अन्य वैकल्पिक काम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अब स्थिति यह बन गई है कि कर्मचारियों को दिन में छात्रावास में काम करने के बाद शाम को अतिरिक्त मजदूरी करनी पड़ रही है, ताकि किसी तरह घर का खर्च चल सके। कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि बार-बार संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन और आवेदन देने के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। इससे उनमें आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अंत में कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही उनका बकाया मानदेय जारी नहीं किया गया, तो वे धरना-प्रदर्शन और आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि स्थिति बिगड़ती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों की समक्ष में की सुनवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 05 मई को राजस्व विभाग की 500 दिनों से अधिक की लंबित शिकायतों की समक्ष में सुनवाई की। इस दौरान उन्होंने संबंधित पटवारी, राजस्व निरीक्षक एवं शिकायतकर्ता को समक्ष में बुलाकर वस्तुस्थिति की जानकारी ली और शिकायतों का निराकरण कराया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन एवं अधीक्षक भू-अभिलेख श्री कृष्णा नायक भी उपस्थित थे।

खैरलांजी तहसील के ग्राम पिंडकेपार के जितेंद्र अटराहे द्वारा गांव की शासकीय भूमि पर कुछ लोगो द्वारा अतिक्रमण कर खेती करने की शिकायत की गई थी। यह शिकायत 500 से अधिक दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। इस पर संबंधित पटवारी आयुष सिंघल एवं राजस्व निरीक्षक से वस्तुस्थिति की जानकारी ली गई। जिसमें पाया गया कि पटवारी द्वारा शिकायत के निराकरण में गंभीरता से प्रयास नही किया गया है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने पटवारी आयुष सिंघल को निर्देशित किया कि वे यह सुनिश्चित करे कि जिन लोगो द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर खेती की जा रही है, आने वाले दिनों में उस भूमि पर खेती नही होना चाहिए। यदि उस भूमि पर खेती करना पाया जाएगा तो पटवारी के विरूद्ध निलंबन की कार्यवाही की जाएगी। इस पर शिकायतकर्ता संतुष्ट हो गया और शिकायत को बंद करने पर सहमत हो गया।

खैरलांजी तहसील के ग्राम सावरगांव निवासी विलास वासनिक द्वारा जमीन के सीमांकन के लिए आवेदन किया गया था। यह शिकायत 437 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान पाया गया कि पटवारी द्वारा शिकायत के निराकरण में गंभीरता से प्रयास नही किया गया है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने पटवारी अंकित गंगभोज को 02 दिनों के भीतर सीमांकन की कार्यवाही पूर्ण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने चेतावनी दी कि शुक्रवार 08 मई तक यह शिकायत बंद नही होगी तो उसके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

बालाघाट तहसील के ग्राम खैरी निवासी टीकाराम बनोठे द्वारा उसकी भूमि पर मीना पति मानिक नगपुरे द्वारा अतिक्रमण कर अन्य व्यक्ति को बेच दिया गया है। यह शिकायत 506 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। इस प्रकरण में कलेक्टर श्री मीना ने एसडीएम गोपाल सोनी से वस्तुस्थिति की जानकारी ली और संबंधित हल्के के पटवारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम खैरी में अवैध कालोनी तैयार करने वाले लोगो के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये है।

लांजी तहसील के ग्राम मिरियॉ-टेकेपार निवासी निर्मला उपराडे द्वारा शिकायत की गई थी कि उसके ससुर एवं पति की मृत्यु के बाद जमीन के रिकॉर्ड में उसका नाम दर्ज नही किया गया और उस जमीन के कुछ हिस्से को किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया गया है और उसकी रजिस्ट्री भी हो गई है। जिसके कारण उसे परेशानी का सामना करना पड रहा है। यह शिकायत 552 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान निर्मला उपराडे से दूरभाष पर चर्चा की गई और लांजी एसडीएम को निर्देशित किया गया कि निर्मला का नाम उसके हक की जमीन पर दर्ज कराने की कार्यवाही करें। इस प्रकरण में मिरिया के पटवारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए है।

लालबर्रा तहसील के ग्राम बांदरी निवासी भवनलाल चकोले द्वारा शिकायत की गई थी कि गांव के कुछ लोगो द्वारा शासकीय भूमि पर तालाब बनाकर अतिक्रमण किया गया है। जिसके कारण उसे समस्या हो रही है। यह शिकायत 505 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने संबंधित पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक को भवनलाल चकोले की जमीन का सीमांकन कर उसकी जमीन चिन्हित करने के निर्देश दिये और कहा कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण पाये जाने पर उसे हटाने की कार्यवाही करें। इस पर शिकायतकर्ता संतुष्ट हो गये और उन्होने शिकायत को बंद करने सहमति दी।

वारासिवनी तहसील के ग्राम जागपुर निवासी चितरंजन बारेकर द्वारा शिकायत की गई थी कि अपीनलाल बारेकर द्वारा उसकी जमीन के कुछ हिस्से पर अवैध निर्माण किया जा रहा है। यह शिकायत 531 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान पटवारी को निर्देशित किया गया कि चितरंजन बारेकर की जमीन का सीमांकन कर इस शिकायत को एक सप्ताह के भीतर बंद कराये अन्यथा उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

वारासिवनी तहसील के ग्राम उमरवाडा निवासी किशोर कुमार पाण्डे द्वारा अपनी जमीन के रकबे को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए आवेदन किया गया है । यह शिकायत 711 दिनों से लंबित पायी गई। इस शिकायत में समक्ष में सुनवाई के दौरान पटवारी अंकुश मर्सकोले को निर्देशित किया गया कि एसडीएम कोर्ट वारासिवनी में चल रहे अपील प्रकरण में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत कर प्रकरण का निराकरण कराये और इस शिकायत को शीघ्र बंद कराये अन्यथा उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

करोड़ों खर्च के बाद भी आंगनबाडी केंद्रों के पास नहीं है स्वयं के भवन

किराये के कमरों में बचपन, कहीं अधूरे भवन तो कहीं स्वीकृति का इंतजार

विभागीय सुस्ती और बजट की कसर के बीच आंगनवाड़ी केंद्रों का भविष्य अधर में, नौनिहालों की पढ़ाई हो रही प्रभावित, भवन निर्माण की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

केन्द्र एवं राज्य सरकार के द्वारा संयुक्त रूप से महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन किया जाता है और उन्हीं के माध्यम से विभिन्न तरह की योजनाएं गरीब वर्गों तक पहुंचाई जा रही है परंतु आश्चर्य की बात यह है कि शासन के द्वारा करोड़ों रूपये आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में खर्च किये जा रहे है परन्तु बहुत से ऐसे आंगनबाड़ी केंद्र है। जो आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। कहीं पोषण आहार की समस्या है, तो कहीं बिजली-पानी, भवन जैसी मूलभूत सुविधा अब तक मुहैया नहीं हो पाई है। यानि की महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति लालबर्रा ब्लॉक में चिंताजनक बनी हुई है। क्षेत्र के अधिकांश केंद्र आज भी अपने निजी भवनों के अभाव में किराये के कमरों में संचालित हो रहे हैं। विडंबना यह है कि जिन केंद्रों के लिए महीनों पूर्व नवीन भवनों की स्वीकृति मिल चुकी है, वे अब भी निर्माण के चक्रव्यूह में फंसे हैं। कई अन्य केंद्र आज भी एक पक्की छत की बाट जोह रहे हैं। वहीं जिन आंगनवाड़ी केन्द्रों के पास भवन नही है उक्त स्थानों पर नौनिहाल बच्चों को अध्यायपन कार्य एवं अन्य गतिविधि करवाने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

किराये के भवनों का सहारा, सुविधाओं का अभाव

आपकों बता दे कि लालबर्रा विकासखण्ड के अंतर्गत 252 आंगनवाड़ी केन्द्र संचालित है जिसमें से 232 के पास स्वयं का भवन है, 7 अन्य शासकीय भवन एवं 13 किराये में संचालित किये जा रहे है। जिसमें से 3 आंगनवाड़ी केन्द्र को विस्थापित करने प्रशासन को प्रस्ताव भेजा गया है, वर्तमान में 249 केन्द्र संचालित हो रहे है। जबकि शासन के द्वारा 2 से 5 वर्ष के बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र संचालित की जाती है परन्तु स्वयं का भवन नही होने के कारण ब'चों के साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही तीन आंगनवाड़ी केन्द्र पूर्व में स्वीकृत हुए है जिसमें लालबर्रा केन्द्र क्रमांक 5, 6 एवं कटंगटोला केन्द्र के भवन निर्माण कार्य निर्माणाधीन है, लेकिन अब तक निर्माण कार्य पूर्ण नही हो पाया है। वहीं गत माह लालबर्रा क्षेत्र में नये तीन आंगनवाड़ी भवन स्वीकृत हुए है। जिसमें गनखेड़ा (रानीकुठार), सूरजाटोला चंदपुरी, आवासटोला रटेगांव शामिल है। लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नही हो पाया है। नौनिहाल बच्चों के अभिभावक व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भवन निर्माण के साथ ही अन्य सुविधाएं मुहैया करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

आमाटोला ददिया में जमीन का अभाव, दो बार राशि हो चुकी है वापस

वर्तमान में आधा दर्जन से अधिक आंगनवाड़ी केंद्र संकरी गलियों और छोटे-छोटे किराये के कमरों में चल रहे हैं। इन केंद्रों में न तो बच्चों के खेलने के लिए पर्याप्त जगह है और न ही उचित पोषण आहार वितरण की सुव्यवस्थित व्यवस्था। किराये के भवनों में शौचालय और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी भी अक्सर देखी जाती है, जिससे वहां आने वाले ब'चों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। वहीं आमाटोला ददिया का आंगनवाड़ी केन्द्र भी विगत वर्षो से किराये के भवन में संचालित हो रहा है। भवन निर्माण के लिए दो बार शासन से राशि भी आ चुकी है लेकिन जमीन के अभाव में राशि वापस जा चुकी है। शासन-प्रशासन भवन निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध नही करवा पा रहे है जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं नौनिहाल बच्चों के अभिभावकों का कहना है कि सरकार एक ओर 'स्वस्थ बचपन' का नारा देती है, लेकिन धरातल पर बच्चों को बैठने के लिए एक पक्का सरकारी भवन तक नही बना पा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग से मांग की है कि अधूरे पड़े निर्माण कार्यों को तत्काल पूर्ण करवाये और जिन केंद्रों के पास भूमि उपलब्ध है एवं जहां भूमि नही है। उक्त स्थान पर भूमि उपलब्ध करवाकर नवीन भवनों की स्वीकृति जल्द प्रदान कर नवीन भवन का निर्माण करवाने की मांग की है।

गतिविधियां करवाने में होती है परेशानी - ममता

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती ममता मोहबे ने बताया कि आमाटोला ददिया का आंगनवाड़ी केन्द्र किराये के भवन में संचालित हो रही है और लंबे समय से भवन निर्माण की मांग कर रहे है। साथ ही दो बार भवन निर्माण के लिए शासन स्तर से राशि आ चुकी है लेकिन भूमि के अभाव के कारण निर्माण नही हो पा रहा है। आगे बताया कि किराये का भवन होने और स्पेस कम होने के कारण हमें गतिविधियां करवाने में परेशानी होती है। यदि भवन का निर्माण हो जाता है तो बच्चों को अच्छी सुविधा मिलेगी और गतिविधियां भी अच्छे संचालित होंगे।

13 आंगनवाड़ी केन्द्र किराये के भवन में हो रहे संचालित - रानू

महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना अधिकारी श्रीमती रानू शिवहरे ने बताया कि विकासखण्ड में 252 आंगनवाड़ी केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। जिसमें 3 आंगनवाड़ी केन्द्र को विस्थापित करने प्रस्ताव भेजा गया है एवं 232 स्वयं के भवन, 7 अन्य शासकीय भवन एवं 13 किराये के भवन में संचालित हो रहे है। वर्तमान में तीन नये भवन स्वीकृत हुए है और तीन भवनों का निर्माण कार्य जारी है। श्रीमती शिवहरे ने बताया कि किराये के भवन में सारी सुविधाएं प्रदान करने का पूरा प्रयास रहता है जिससे बच्चों को किसी तरह की कोई समस्या ना हो, आमाटोला ददिया के लिए हमें दान पत्र में जमीन मिली थी। जिसका नक्शा भेजा गया है एवं 7 आंगनवाड़ी केन्द्र भवनविहीन है, शासन से स्वीकृति मिलने पर भवन का निर्माण किया जायेगा।

आंधी तूफान और बादल गर्जन के साथ हुई बारिश

उमस भरी गर्मी से मिली राहत, रबी धान की फसल को लेकर किसान चिंतित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मई-जून महीनों में यूं तो तेज धूप व उमस भरी गर्मी से आमजन मानस हमेशा ही परेशान होते रहे है परंतु इस वर्ष मौसम का अंदाज बदला बदला सा नजर आ रहा है, गर्मी के इस सीजन में बारसात की तरह मानसून का नजारा देखने को मिल रहा है। रोजाना की तरह ही 5 मई को भी लालबर्रा मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में सुबह से ही चिल-चिलाती धूप रही व उमस भरी गर्मी से लोग हलाकान होते रहे। वहीं दोपहर बाद मौसम ने अपना मिजाज बदल लिया और तेज हवाओं के साथ ही अचानक बादल गर्जन के साथ बारिश हुई है। जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली तो वहीं दूसरी ओर अचानक मौसम बदलने के साथ ही बारिश होने से रबी की धान की फसल कटाई कर चुके या फिर जिनकी फसल पककर तैयार हो चुकी है वे किसान चिंतित नजर आ रहे है। अगर यह बारिश तेज होने के साथ ही ओले गिरते है तो रबी की धान की फसल को काफी नुकसान हो सकता है। 5 मई को सुबह से ही आसमान से आग की तरह धूप की थपेड़ों, चिलचिलाती धूप व उमस भरी गर्मी से सभी परेशान थे और इस चिलचिलाती गर्मी से राहत पाने के लिए कुलर, पंखे की ठंडी हवा व मौसम ढकने यानि बदलीनुमा मौसम होने का आमजन इंतेजार करते नजर आ रहे थे परन्तु इस तेज धूप व उमस भरी गर्मी के बीच अचानक मौसम बदलने के साथ ही दोपहर 3 बजे के बाद आंधी-तूफान के साथ रूक-रूक कर हुई बारिश से उमस भरी गर्मी से राहत मिली है।

तेज बारिश होने पर रबी की धान की फसल हो सकती है प्रभावित

नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में किसानों के द्वारा रबी की धान की फसल लगाई गई है जिसमें कुछ किसानों की फसल की कटाई होने के बाद चुराई का कार्य जारी है। वहीं अधिकांश किसानों की फसल खेतों में पककर तैयार हो चुकी है जिसकी कटाई उनके द्वारा जल्द करने की तैयारी की जा रही है। 5 मई को अचानक हुई बारिश से जिन किसानों की फसल पककर तैयार हो चुकी है वे किसान चिंतित है और जिन किसानों की फसल को समय है या फिर जो किसान खरीफ की फसल के लिए खेतों को तैयार करना चाहते है ऐसे किसान बारिश होने से खुश है। चर्चा में किसानों ने बताया कि वर्तमान में रबी की धान की फसल खेतों में पककर तैयार हो चुकी है जिसकी कटाई व चुराई का कार्य किसानों के द्वारा किया जा रहा है और यह बारिश तेज होती है तो उक्त फसलें गीली हो सकती है। वहीं जिन किसानों की फसल को पकने में समय है उनके लिए यह बारिश वारदान साबित होगी। साथ ही जिन किसानों की फसल पककर तैयार हो चुकी है ऐसे किसानों का कहना है कि तेज बारिश होने पर काफी नुकसान हो सकता है एवं यह बारिश 31 मई तक नही होती है तो सभी किसान रबी की धान की फसल को सुरक्षित कर लेगें।

बारदाना संकट से थमी चना और गेहूं की खरीदी, खुले में पड़ा अनाज भीगने की कगार पर

प्रशासन की सुस्ती किसानों पर भारी, अन्नदाता परेशान, प्रशासन से बारदाना जल्द उपलब्ध करवाने की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। शासन के तमाम दावों के विपरीत लालबर्रा विकासखंड में रबी फसल की खरीदी व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। आलम यह है कि बारदानों (जूट की बोरियां) की कमी के कारण पिछले एक सप्ताह से चने की खरीदी बंद पड़ी है। वहीं गेहूं खरीदी भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। मंगलवार को अचानक बदले मौसम और हुई बूंदाबांदी ने खुले आसमान के नीचे रखे अनाज को लेकर किसान चिंतित नजर आ रहे है क्योंकि बारदाने नही होने के कारण किसान जो उपज विक्रय करने लेकर आये है उसे तौला नही गया और वह वेयर हाउस के बार परिसर में डम्प पड़ा हुआ है। अगर तेज बारिश होती है तो गेंहू भींग सकता है। जिससे किसानों के साथ ही समिति के कर्मचारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। वहीं शासन-प्रशासन से समय पर बारदाना उपलब्ध करवाने की मांग खरीदी केन्द्र के प्रभारियों के द्वारा की जा रही है लेकिन पर्याप्त मात्रा में बारदाना उपलब्ध नही हो पा रहा है। सोमवार को बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने वेयर हाउस गेंहू खरीदी केन्द्र का निरीक्षण की थी और अव्यवस्था के प्रति नाराजगी व्यक्त की थी। इस दौरान किसानों व समिति के कर्मचारियों ने विधायक महोदया को बारदाने की समस्या से अवगत करवाये थे। जिसके बाद उन्होने संबंधित अधिकारियों से चर्चा की थी। वहीं मंगलवार को 4 बंडल में 2 हजार बारदाने आये थे जो कुछ ही घंटों में खत्म हो गये। जिसके बाद गेंहू खरीदी कार्य बंद हो गया। ऐसी स्थिति में दुर-दराज से उपज विक्रय करने पहुंचे किसानों की उपज की खरीदी बारदाने की कमी के कारण नही हो पाई है। वहीं बारिश होने से उनकी फसल गीली होने का भी डर उन्हे सता रहा है। प्रशासन की इस सुस्त कार्यप्रणाली से किसानों में आक्रोश व्याप्त है।

एक सप्ताह से बंद है चना खरीदी

बकोड़ा कृषि उपज मंडी परिसर में मिरेगांव सेवा सहकारी समिति द्वारा विगत दिवस से समर्थन मूल्य पर चने की खरीदी की जा रही है। लेकिन एक सप्ताह पूर्व बारदाने समाप्त होने के बाद से काम पूरी तरह ठप है। किसान अपनी उपज लेकर पिछले सात दिनों से मंडी में डटे हुए हैं और फसल की रखवाली करने को मजबूर हैं। प्रशासन को बार-बार सूचना देने के बावजूद अब तक बारदानों की खेप नहीं पहुंच पाई है। वहीं सिवनी मार्ग स्थित वेयरहाउस में गेहूं की खरीदी की जा रही है, लेकिन यहां पर्याप्त इंतजाम न होने के कारण किसानों ने गेहूं को खुले परिसर में डंप किया है। मंगलवार दोपहर अचानक मौसम का मिजाज बदला और बूंदाबांदी शुरू हो गई। जिन किसानों की उपज बारदानों की कमी के कारण तुलाई नहीं हो पाई थी, वह भीगने की कगार पर पहुंच गई। किसान आनन-फानन में पॉलीथिन ढककर अपनी मेहनत को बचाने की जद्दोजहद करते नजर आये।

समितियां और किसान दोनों परेशान

बारदाने के अभाव में न केवल किसान बल्कि खरीदी समितियों के कर्मचारी भी असमंजस में हैं। समितियों का कहना है कि जब तक प्रशासन से बारदाने प्राप्त नहीं होते, तब तक तुलाई कार्य आगे बढ़ाना संभव नहीं है, इससे खरीदी लक्ष्य भी पिछड़ रहा है। वहीं किसानों का कहना है कि बकोड़ा कृषि उपज मंडी में समर्थन मूल्य में चना खरीदी की जा रही है, लेकिन एक सप्ताह पूर्व से बारदाना खत्म हो चुका है जो अब तक नही आया है। ऐसी स्थिति में अपनी फसल की जगवाली करनी पड़ रही है। इस तरह से किसान एक सप्ताह से चना विक्रय करने परेशान हो रहे है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा हमारी समस्या का समाधान नही किया जा रहा है जिससे किसानों में प्रशासन के प्रति आक्रोश बढ़ते जा रहा है। शासन-प्रशानस से मांग है कि दोनों खरीदी केंद्रों पर तत्काल बारदाने उपलब्ध करवाये, खरीदे गये अनाज का शीघ्र परिवहन एवं खरीदी केन्द्रों में तिरपाल और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करवाये।

बारदाने जल्द उपलब्ध करवाये प्रशासन - लिल्हारे

दूरभाष पर चर्चा में जिला सहकारी केन्द्रीय मर्यादित बैंक शाखा लालबर्रा के पर्यवेक्षक डीके लिल्हारे ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार गत दिवस से समर्थन मूल्य में गेंहू एवं चना खरीदी की जा रही है। जिसमें बकोड़ा कृषि उपज मंडी को चना एवं सिवनी मार्ग स्थित वेयर हाउस को गेंहू खरीदी का केन्द्र बनाया गया है। जहां गेंहू एवं चना की खरीदी का कार्य समिति के द्वारा जारी है किन्तु बकोड़ा कृषि उपज मंडी में बारदाना खत्म हो चुका है जिसके कारण एक सप्ताह से खरीदी बंद है एवं गेंहू खरीदी केन्द्र में भी बारदाने नही है। श्री लिल्हारे ने बताया कि बारदाना

उपलब्ध करवाने की डिमांड प्रशासन को भेजी गई है लेकिन बारदाने नही आने के कारण खरीदी कार्य प्रभावित हो रहा है और प्रशासन के द्वारा गेंहू खरीदी के लिए वेयर हाउस को केन्द्र बनाया गया है। लेकिन अंदर खरीदी करने के लिए मना किया गया है, ऐसी स्थिति में बाहर खरीदी की जा रही है। साथ ही अचानक मौसम परिवर्तन होने से समिति को खरीदी करने में परेशानी हो रही है, प्रशासन से मांग है कि पर्याप्त मात्रा में बारदाने उपलब्ध करवाये ताकि नियमित रूप से खरीदी की जा सके।

रामपायली पुलिस ने वर्षों से फरार 3 स्थाई वारंटी हैदराबाद और नागपुर से किया गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराधियों और फरार वारंटियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष धरपकड़ अभियान के तहत रामपायली थाना पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। पुलिस टीम ने अंतरर्राज्यीय स्तर पर दबिश देकर पिछले कई वर्षों से कानून की आँखों में धूल झोंक रहे तीन स्थाई वारंटियों को हैदराबाद ,तेलंगाना और नागपुर महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों

के खिलाफ अपहरण, बलात्कार पॉक्सो एक्ट अवैध शराब की तस्करी और मारपीट जैसे गंभीर मामले दर्ज थे। ये आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए मध्य प्रदेश को छोड़कर दूसरे राज्यों में छिपकर रह रहे थे और लंबे समय से न्यायालय के समक्ष पेश नहीं हो रहे थे। इसमें अंकल उर्फ शिवशंकर लिल्हारे निवासी ग्राम बिटोड़ी यह आरोपी पिछले 4 वर्षों से फरार था। इसके विरुद्ध धारा 363,366,376, और पॉक्सो एक्ट धारा 5 ,6 के तहत अपहरण और दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराध दर्ज थे। इसके अतिरिक्त वह आबकारी एक्ट की धारा 34,2 के मामले में भी पिछले 3 वर्षों से वांछित था। महेन्द्र लिल्हारे निवासी ग्राम बिटोड़ी यह आरोपी आबकारी एक्ट की धारा 34,2 के तहत अवैध शराब की बिक्री के मामले में पिछले 3 वर्षों से फरार चल रहा था। जयकुमार हनवत निवासी ग्राम कटंगी मारपीट और गाली गलौज के मामले धारा 294,323,506 में यह आरोपी रिकॉर्ड 8 वर्षों से पुलिस को चकमा दे रहा था। आरोपियों की लोकेशन ट्रेस करने के लिए रामपायली थाना प्रभारी धर्मराज बघेल के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई थी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों से प्राप्त सटीक सूचना के आधार पर मध्य प्रदेश की सीमा लांघकर हैदराबाद और नागपुर में घेराबंदी की। कड़ी मशक्कत के बाद तीनों को पकड़कर वारासिवनी लाया गया और न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी धर्मराज बघेल, प्रधान आरक्षक शैलेंद्र कुमार सैय्याम, आरक्षक आलोक बिसेन, श्यामसिंह, अंकित राजपूत, जय भगत, राजेश सोनी और महिला आरक्षक रिशिका यादव की मुख्य भूमिका रही।

सिकंद्रा की जर्जर केनाल से किसानों में आक्रोश

सालों से मिल रहा केवल स्टीमेट का आश्वासन,कचरे और झाड़ियों के बीच दम तोड़ रही सिंचाई व्यवस्था

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सिकंद्रा में सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। वारासिवनी शहर के वार्ड नंबर तीन से होकर सिकंद्रा तक पहुँचने वाली मुख्य केनाल अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। विडंबना यह है कि विभाग हर बार स्टीमेट तैयार होने का झुनझुना थमा देता है। लेकिन धरातल पर आज तक सीमेंटीकरण का कार्य शुरू नहीं हो सका। विभाग की इस कार्यप्रणाली से क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

जर्जर संरचना और गंदगी का अंबार

प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी के मध्य से गुजरने वाली बड़ी नहर से निकली यह केनाल वर्तमान में पूरी तरह खस्ताहाल हो चुकी है। नहर जगह जगह से टूट चुकी है जिससे पानी का रिसाव आम बात है। इतना ही नहीं पूरी केनाल में गंदगी कचरा और झाड़ियों का साम्रा'य स्थापित हो गया है। जलभराव के रास्ते में उगी कटीली झाड़ियों और जमा मलबे के कारण पानी का प्रवाह बाधित हो रहा है। केनाल की सफाई केवल बारिश के समय शिकायतों के बाद खानापूर्ति के तौर पर की जाती है। विभाग की इस सतही सफाई का कोई सार्थक परिणाम नहीं निकलता। स्थिति यह है कि सफाई के दावों के बावजूद पानी कभी भी केनाल के अंतिम छोर तक नहीं पहुँच पाता। जिससे टेल एरिया के किसान सिंचाई के लिए तरस जाते हैं। ग्रामीण इस समस्या को लेकर अधिकारियों से संपर्क किया जाता है तो रटा.रटाया जवाब मिलता है कि सीमेंटीकरण का स्टीमेट तैयार है। सवाल यह उठता है कि अगर स्टीमेट तैयार है तो वह फाइलों से बाहर निकलकर जमीन पर कब उतरेगा वर्षों बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू ना होना प्रशासनिक उदासीनता को स्पष्ट रूप से उजागर करता है आगामी खरीफ सीजन सिर पर है। किसानों को डर है कि यदि जल्द ही केनाल का सीमेंटीकरण और उचित मरम्मत नहीं हुई तो इस साल भी उनकी मेहनत पर पानी फिर जाएगा किसानों की मांग है,की हमें खोखले आश्वासन नहीं बल्कि पक्की नहर चाहिए ताकि हर खेत तक पानी पहुँच सके।

नहर की दयनीय स्थिति है हर वर्ष साफ सफाई के लिए बोलना पड़ता है-सुभाष पारधी

कृषक संघ अध्यक्ष सुभाष पारधी ने बताया कि नहर की दयनीय स्थिति है हर वर्ष साफ सफाई के लिए बोलना पड़ता है तब जाकर सफाई होती है। अभी जबकि सूखा समय है तो कोई ध्यान नहीं दे रहा है बरसात में पानी नहीं मिल पाता है फिर विभाग बोलता है की जेसीबी भी नहीं घुस पाएगी यह कहकर लीपा पोती कर दी जाती है। 3 वर्षों से उनके द्वारा कहा जा रहा है कि स्टीमेट बना हुआ है और तो फिर यह नहर क्यों नहीं बना रहे है समझ नहीं आता। काफी मशक्कत के बाद यह हम मरम्मत चालू कर देते हैं उसमें भी पानी खेतो तक नहीं आ पाता है। जबकि अभी सुख समय है तो इन्हें मरम्मत करना चाहिए ताकि व्यवस्थित रूप से नहर का सुधार हो सके। परंतु कोई ध्यान इधर विभाग का नहीं है जो सबसे बड़ी दिक्कत का विषय है।

सिचांई विभाग का दंश झेली रही सिकंद्रा की जनता-कन्हैया खैरवार

सरपंच कन्हैया खैरवार ने बताया कि केनाल नंबर दो से हमारे यहां सिंचाई होती है। उसकी स्थिति आज भी यह है कि नहर बराबर से नहीं आता है 3 वर्ष से हम आवेदन दे रहे हैं कि नगर का सीमेंटीकरण हो जाए। परंतु आगे से जवाब मिलता है कि स्टीमेट तैयार है बस ठेकेदार को ठेका देना है काम चालू हो जाएगा 3 साल से यही चल रहा है। जब प्रभावि फोन जाता है तो जेसीबी से साफ सफाई करवाते हैं। अभी भीषण गर्मी में पानी नदी में छोड़ा गया यदि यह नहर ठीक रहती तो हमारे नाले और तालाब में भी पानी आता तो जल स्तर बढ़ता किंतु नहर की कंगाली और खराब स्थिति से नहर का पानी तालाब में नहीं आ रहा है। हम चाहते हैं कि संबंधित विभाग या प्रशासनिक अधिकारी जल्द किसान हित में नहर का सीमेंटिकरण करें। यदि उसके स्टीमेट बनकर तैयार है तो उसे लागू करवाये अन्यथा नहर की मरम्मत पर ध्यान दें।

अनियंत्रित बाराती वाहन ने स्कूटी को मारी जोरदार टक्कर, चालक घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के कटंगी रोड़ स्थित टोंडिया नाले के समीप एक भीषण सड़क हादसा घटित हुआ। एक तेज रफ्तार अज्ञात बाराती टवेरा वाहन ने सामने से आ रही स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में स्कूटी चालक वार्ड क्रमांक 7 गुरुनानक नगर निवासी राजू पंजवानी 55 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसा उस वक्त हुआ जब एक टवेरा वाहन जिसमें बाराती सवार थे कटंगी की ओर अत्यधिक तेज गति से जा रहा था। टोंडिया नाले के पास चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और सामने से आ रहे स्कूटी सवार राजू पंजवानी को अपनी चपेट में ले लिया। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि स्कूटी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और श्री पंजवानी सड़क पर दूर जा गिरे जिससे उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। हादसे को अंजाम देने के बाद टवेरा चालक वाहन सहित मौके से फरार होने में कामयाब रहा। घटना स्थल पर मौजूद स्थानीय लोगों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल इसकी सूचना 108 एम्बुलेंस को दी और घायल को वारासिवनी के सिविल अस्पताल पहुँचाया। अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों ने घायल राजू पंजवानी का प्राथमिक उपचार किया लेकिन उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई थी। शरीर से अत्यधिक रक्तस्राव और गंभीर चोटों को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए तत्काल जिला चिकित्सालय बालाघाट रिफर कर दिया है। घटना की सूचना मिलते ही वारासिवनी पुलिस बल ने मौके पर पहुँचकर घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए हैं और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि फरार बाराती वाहन की पहचान की जा सके।

बीआरसी और बीईओ स्कूलों का कर रहे औचक निरीक्षण

अभिभावकों से फोन पर ले रहे जानकारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के विभिन्न अशासकीय निजी स्कूलों में जिला शिक्षा अधिकारी के कड़े निर्देशों के बाद बीच प्रशासनिक जांच तेज हो गई है। 5 सदस्यीय विशेष टीम लगातार विद्यालयों का भ्रमण कर रही है,ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी स्कूल प्रबंधन अभिभावकों पर किसी विशेष दुकान से सामग्री खरीदने का दबाव तो नहीं बना रहा है। इस जांच अभियान में बीआरसी सत्येंद्र शरणागत,बीईओ वीरेंद्र बनोटे, संकुल प्राचार्य श्री बारमाटे और दो जन शिक्षकों की टीम शामिल है। टीम ने अब तक नगर के 8 प्रमुख स्कूलों का निरीक्षण किया है। जांच का मुख्य केंद्र स्कूलों द्वारा बेची जा रही कहानी पुस्तकें, बैग, ड्रेस कोड और अन्य शिक्षण सामग्रियां हैं। अधिकारी ना केवल स्कूल के स्टॉक रजिस्टर की जांच कर रहे है, बल्कि संस्था प्रमुखों और शिक्षकों से कड़ी पूछताछ भी की जा रही है। टीम के सदस्य स्कूल में पढ़ रहे विद्यार्थियों के पालकों से सीधे दूरभाष पर संपर्क कर रहे हैं। उनसे यह स्पष्ट किया जा रहा है कि क्या उन्हें किसी विशेष दुकान से ही यूनिफॉर्म या किताबें खरीदने के लिए मजबूर किया गया है। इसके साथ ही टीम बाजार में बुक स्टॉल पर जाकर भी पुस्तकों की लिस्ट और उनके विक्रय केंद्रों की सघंन जांच कर रही है। बीआरसी सत्येंद्र शरणागत ने बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी से एक पत्र जारी हुआ था कि अशासकीय विद्यालय की जांच करनी है कि वहां पर पुस्तक गणवेश विक्रय तो नहीं की जा रही है। इसीलिए स्कूलों का भ्रमण किया जा रहा है हम पांच सदस्य टीम है। इसमें संस्था प्रमुख और स्टाफ से चर्चा कर पालकों से दूरभाष पर संपर्क किया जा रहा है। संपूर्ण तरह किस जानकारी जुटा जा रही है कि पालकों पर कोई दबाव तो नहीं बनाया जा रहा है या कोई विशेष दुकान में तो सामान्य विक्रय नहीं हो रहा है। यह समस्त जानकारी एकत्रित कर पुस्तक दुकानों की भी जांच की जा रही है की कमीशन का कोई विषय तो नहीं बन रहा है, लोगों से यही अपील है कि वहां स्वतंत्र रूप से बच्चों की पाठ्यपुस्तक के एवं सामग्री क्रय करें।

सेवती मे तथागत बुद्ध व बाबा साहब की प्रतिमा अनावरण एवं जयंती समारोह 8 को

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सेवती मे तथागत गौतम बुद्ध एवं विश्व रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा अनावरण एवं जयंती समारोह का आयोजन 8 मई 2026 दिन शुक्रवार को किया जाएगा। इस अवसर पर सुबह 9 बजे धम्म ध्वजारोहण कर धम्म रैली निकाली जाएगी। तथा सामूहिक पूजा वंदना कर मंचीय कार्यक्रमो का आयोजन किया जाएगा। तत्पश्चात् भोजनदान कार्यक्रम सम्पन्न कराया जाएगा एवं रात्रि 9 बजे से नागपुर के प्रसिद्ध कव्वाल स्वप्निल मेश्राम द्वारा शानदार कव्वाली प्रस्तुत की जाएगी। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने आयोजित कार्यक्रमों मे समस्त क्षेत्रवासियों से उपस्थित होकर कार्यक्रमों का आनंद लेने की अपील की है।

नपा परिषद में पूर्व मंत्री और नपा अध्यक्ष ने नागरिको की मुलभूत,व्यापक समस्याओं की समस्या का किया समाधान

जनता दरबार में दिख रही रौनक, आम जनमानस की समस्याओं का त्वरित हो रहा समाधान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर पालिका परिषद के अभिनव प्रयोग जनता दरबाद के मंगलवार के दुसरे एपीसोड में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने विभिन्न वार्ड़ों से आये नागरिको की मूलभूत से लेकर व्यापक समस्याओं के समाधान के विषय में गंभीरता दिखायी। साथ ही अनेको अवसरो पर अधिकारियों को नपा अधिनियम क्या कहता है जैसे आदेश भी प्रदान कर जनता की सुविधाओं को प्राथमिकता प्रदान की गई। जनता दरबार में लिखी गयी समस्याओं के सबंध में समीक्षा की गई। वार्ड 3 से पार्षद प्रतिनिधि समीर बिसेन ने वार्ड में नाली की सफाई से लेकर सड़क निर्माण के साथ प्लास्टिक कोटेड स्पीड ब्रेकर बनाने के विषय को सामने रखा। जिसमें उन्हे वार्ड वासी समाधान का आश्वासन भी प्रदान किया गया। इसी तरह नयी चौपाटी की नाली की सफाई के साथ नाली चेंबर निर्माण के साथ पानी को आगे दूर तक व्यवस्थित रूप से पहुंचाने की कार्ययोजना को अमलीजामा पहनाया गया। इसी बीच शासकीय कालेज के पास शंकर नगर से पहुंची महिलाओं की टीम ने बरसात के पूर्व पक्की सड़क की मांग रखी। जिस पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक दिशा निर्देश उपयंत्री सुमीत मोटवानी को प्रदान किये गये। साथ ही बार बार उठने वाले विषय आंबेडकर चौक के निकट मिटटी के बर्तन के व्यवसायी कुम्हार वर्ग को नयी जगह प्रदान करने के विषय में निर्णय लिया गया। जिसमें दो जगहो का चयन भी किया गया। जिसमें कुम्हारो की सहमती को आवश्यक तय किया गया। इस विषय के समाधान के लिये पार्षद संदीप मिश्रा और मुख्य नपा अधिकारी को अधिकृत किया गया। जनता दरबार में विभिन्न वार्डो में गर्मी के मौसम में पेयजल की दिक्कत को लेकर सबसे ज्यादा गंभीरता दिखायी गयी। जिसमें वार्ड नंबर 6 भी शामिल है दरबार में जल प्रदाय शाखा, टेंकर और फायर बिग्रेड की टीम को तलब कर इस विषय पर पुख्ता कार्ययोजना तैयार की गयी। साथ ही सार्वजनिक नलो की टोटी का बार बार चोरी हो जाना, भवन निर्माण की अनुमती, वार्डो के लिये नये सर्वसुविधायुक्त रेडिमेड़ स्पीड़ ब्रेकर को बुलाना जैसे अनेको विषयो में जनमानस की समस्याओं का लंबे समय तक समाधान किया गया। इस दौरान संदीप मिश्रा, पवन धूर्वे, मोनू लिमजे, प्रवीण डोगरे, धर्मू जोशी ,मुख्य अधिकारी सूर्यप्रकाश उके, उपयंत्री सुमीत मोटवानी, वंशिका चौहान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

क्या भारत दो-दलीय राजनीति की ओर बढ़ रहा है?

भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक ऐसी बात निकलकर आई है, जिसे समझना जरूरी हो गया है। कभी कांग्रेस मुक्त भारत का नारा लगाने वाली भाजपा का ये सियासी जुमला लगता था, लेकिन आज की हकीकत देखें तो यह क्षेत्रीय दल मुक्त भारत के एक बड़े प्लान की तरह नजर आता है। भाजपा की रणनीति अब स्पष्ट हो चली है, वह पहले बड़े प्यार से किसी क्षेत्रीय दल की 'बांह' पकड़ती है, उसके साथ मिलकर सरकार बनाती है, वहाँ का गुणा गणित समझती है, उसके घर के भीतर तक अपनी पैठ बनाती है और फिर धीरे से उसी साथी को किनारे लगाकर अपना झंडा गाड़ देती है।नीतीश कुमार हों या उद्धव ठाकरे, नवीन पटनायक हों या बादल परिवार... इन सब की कहानियाँ एक ही पैटर्न पर लिखी गई हैं। बिहार को ही देख लीजिए, जहाँ नीतीश कुमार कभी बड़े भाई हुआ करते थे और भाजपा उनके पीछे चला करती थी। लेकिन आज पासा पूरी तरह पलट चुका है; भाजपा बिहार की सबसे बड़ी ताकत बन गई है और नीतीश अपनी साख बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। महाराष्ट्र में जिस शिवसेना ने भाजपा को उंगली पकड़कर हिंदुत्व का रास्ता दिखाया, आज वह खुद दो टुकड़ों में बंटकर अपनी पहचान की लड़ाई लड़ रही है। ओडिशा में नवीन बाबू का 24 साल पुराना अभेद्य किला जिस तरह ढहा, उसने सबको हैरान कर दिया। भाजपा ने वहां पहली बार अपनी सरकार बनाकर साबित कर दिया कि वह किसी की भी विरासत को समेटने का हुनर जानती है। अभी एक दशक पहले बंगाल में भाजपा का अस्तित्व भी न के बराबर था, लेकिन आज वहाँ प्रचंड बहुमत के साथ ही साथ सरकार बन गई है। अब यह विस्तार की भूख पंजाब और दक्षिण के राज्यों की ओर मुड़ चुकी है। पंजाब में अकालियों से नाता टूटने के बाद भाजपा ने जो ताकत दिखाई है, वह आने वाले समय में केजरीवाल की आप के लिए बड़ी मुसीबत बन सकती है। दक्षिण भारत अब भाजपा के लिए एक ऐसी प्रयोगशाला बन गया है जहाँ वह नए-नए प्रयोग कर रही है। तमिलनाडु की राजनीति में दशकों से दो ही नाम चलते थे—डीएमके और एआईएडीएमके लेकिन भाजपा ने एआईडीएमके के कमजोर पड़ते ही वहां अपने पैर जमाने शुरू कर दिए हैं। केरल में जहाँ कांग्रेस और वामपंथियों के अलावा किसी तीसरे की जगह नहीं थी, वहाँ भाजपा ने त्रिशूर की सीट जीतकर और अपना वोट शेयर बढ़ाकर सबको चौंका दिया है। कांग्रेस वहां आज भले ही जीत गई हो, लेकिन उसे भी पता है कि भाजपा की नजरें अब उसकी कुर्सी पर हैं। बंगाल जीतने के बाद पार्टी मुख्यालय के संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) का विरोध करना अखिलेश यादव को बहुत भारी पड़ेगा, मतलब साफ है अगला नंबर उत्तरप्रदेश का है। भाजपा जिस आत्मविश्वास के साथ अखिलेश यादव को टार्गेट कर रही है, और जैसे परिणाम आ रहे हैं तो लगता है कि भाजपा यूपी को जीतकर समाजवादी पार्टी को भी नफ़ासत के साथ निपटा देगी। भाजपा अब उन मुद्दों को पीछे धकेल रही है जिन मुद्दों के सहारे क्षेत्रीय दलों की रणनीतिक अस्तित्व टिका हुआ है। वहीं दूसरी ओर, कांग्रेस का अपना अलग ही तर्क है। कांग्रेस के कई नेताओं का मानना है कि क्षेत्रीय पार्टियां भाजपा की इस आक्रामक विचारधारा का मुकाबला नहीं कर सकतीं।

किराये की संतान नहीं, अपनत्व का पुनर्जागरण चाहिए

जीवन की सांझ जब अपने पूरे विस्तार के साथ उतरती है, तब मनुष्य को सबसे अधिक आवश्यकता दवाइयों या धन की नहीं, बल्कि अपनों के सान्निध्य और अपनों की होती है। यह वही समय होता है जब व्यक्ति अपने जीवन की संचित स्मृतियों, अनुभवों और भावनाओं को साझा करना चाहता है। लेकिन आज का कठोर यथार्थ यह है कि अनेक बुजुर्ग अपने ही घरों में अजनबी-से होकर रह गए हैं। विशाल मकानों में गूंजती खामोशी, सूने आंगन, और दरवाजे पर टकटकी लगाए प्रतीक्षा करती आंखें-यह सब मिलकर एक ऐसी त्रासदी रचते हैं, जो केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक विघटन का संकेत है। आज वैश्वीकरण, रोजगार की अनिवार्यता और बेहतर भविष्य की तलाश ने नई पीढ़ी को देश-विदेश के कोनों में बिखेर दिया है। यह स्वाभाविक भी है, लेकिन इस प्रक्रिया में जो सबसे बड़ी कीमत चुकाई जा रही है, वह है पारिवारिक संवेदना का क्षरण। अनेक बच्चे विदेश जाकर वहीं बस जाते हैं, अपने जीवन में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि माता-पिता केवल फोन कॉल और औपचारिक संदेशों तक सीमित रह जाते हैं। कुछ तो ऐसे भी हैं जो एक ही शहर में रहते हुए वर्षों तक माता-पिता की सुध नहीं लेते। यह केवल दूरी की समस्या नहीं, बल्कि भावनात्मक दूरी का संकट है। इसी संवेदनहीनता के वातावरण में एक नया और विचलित करने वाला प्रचलन उभरा है-किराये की संतान। कुछ कंपनियां और संस्थान अब ऐसे युवाओं या बच्चों को उपलब्ध करा रहे हैं, जो बुजुर्गों के साथ समय बिताते हैं, उनसे बातें करते हैं, उनके साथ सैर करते हैं, खेलते हैं और उनके अकेलेपन को कुछ हद तक कम करने का प्रयास करते हैं। पहली दृष्टि में यह व्यवस्था राहत देती प्रतीत होती है, लेकिन गहराई से देखने पर यह हमारे सामाजिक ढांचे की विफलता का प्रमाण बन जाती है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है-क्या अब ममता और अपनत्व भी अनुबंधों और पैकेजों में बांटे जाएंगे? क्या संबंधों की गरमाहट अब सेवा-शुल्क के साथ उपलब्ध होगी? यह स्थिति केवल विडंबना नहीं, बल्कि एक गहरी सामाजिक चेतावनी है कि हम अपने मूल्यों से कितनी दूर चले आए हैं। किराये की संतान सुलभ कराने की परम्परा आधुनिक समाज-संरचना की एक ब?ी विडम्बना एवं त्रासदी है। हालांकि यह भी सत्य है कि हर परिवार की परिस्थितियां समान नहीं होतीं। कई बार बच्चों के सामने ऐसी मजबूरियां होती हैं, जिनके कारण वे माता-पिता के साथ नहीं रह पाते। वहीं कुछ बुजुर्ग भी अपने स्वभाव या सोच के कारण नई पीढ़ी के साथ सामंजस्य नहीं बैठा पाते। लेकिन इन अपवादों के बावजूद, व्यापक स्तर पर जो प्रवृत्ति उभर रही है, वह आत्मकेंद्रित जीवनशैली और संवेदनाओं के ह्रास की ही परिणति है। और भी चिंताजनक तथ्य यह है कि यह सुविधा केवल उन बुजुर्गों के लिए सुलभ है, जिनके पास पर्याप्त आर्थिक संसाधन हैं। मध्यमवर्गीय या निम्नवर्गीय बुजुर्ग, जिनकी आय के स्रोत सीमित हो चुके हैं, वे इस प्रकार की सेवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते। निजी क्षेत्र से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की स्थिति और भी दयनीय हो जाती है, जहां पेंशन नगण्य होती है और चिकित्सा खर्च लगातार ब?ते जाते हैं। ऐसे में उनका जीवन आर्थिक असुरक्षा और मानसिक अवसाद के बीच झूलता रहता है।

निश्चिततौर पर आज का समाज तीव्र गति से बाजारवाद और भौतिकवाद की ओर बढ़ रहा है, जहाँ संबंधों की ऊष्मा और भावनाओं की गहराई धीरे-धीरे क्षीण होती जा रही है। जीवन की प्राथमिकताएँ अब मानवीय मूल्यों से हटकर उपभोग, प्रतिस्पर्धा और आर्थिक सफलता तक सीमित हो गई हैं। परिणामस्वरूप रिश्ते भी उपयोगिता और स्वार्थ के आधार पर आँके जाने लगे हैं। परिवार, जो कभी संवेदना, सहारा और संस्कार का केंद्र हुआ करता था, अब व्यस्तताओं और महत्वाकांक्षाओं के दबाव में बिखरता नजर आ रहा है। इस बदलते परिवेश में बुजुर्ग पीढ़ी सबसे अधिक उपेक्षित हो रही है, क्योंकि वे न तो बाजार की दौड़ में शामिल हो सकते हैं और न ही नई पीढ़ी की भौतिक अपेक्षाओं को पूरा कर पाते हैं। उनके अनुभव, त्याग और स्नेह को अब बोझ या बाधा के रूप में देखा जाने लगा है। संयुक्त परिवारों के टूटने और एकल परिवारों के बढ़ने से उनकी सामाजिक और भावनात्मक सुरक्षा भी कमजोर हुई है। डिजिटल दुनिया ने संवाद को और अधिक सतही बना दिया है, जिससे आत्मीयता का स्थान औपचारिकता ने ले लिया है। ऐसे में बुजुर्गों का अकेलापन, असुरक्षा और उपेक्षा बढ़ती जा रही है, जो हमारे समाज के नैतिक पतन का संकेत है।

विकसित देशों में बुजुर्गों के लिए सामाजिक सुरक्षा की मजबूत व्यवस्थाएं हैं। वहां सरकारें उनकी स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन और देखभाल की जिम्मेदारी निभाती हैं। इसके विपरीत भारत में, जहां परिवार को ही सबसे बड़ी सुरक्षा माना गया था, आज वही ढांचा कमजोर पड़ता जा रहा है। सरकारें कर तो वसूलती हैं, लेकिन बुजुर्गों के लिए समुचित कल्याणकारी योजनाओं का अभाव स्पष्ट दिखाई देता है। ऐसी परिस्थितियों में समाधान केवल भावनात्मक अपील तक सीमित नहीं रह सकता। इसके लिए बहुआयामी और रचनात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सबसे पहले हमें पारिवारिक मूल्यों के पुनर्जागरण की दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे। बच्चों में बचपन से ही माता-पिता के प्रति कर्तव्यबोध, सम्मान और संवेदना का संस्कार विकसित करना होगा। शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम न होकर, जीवन मूल्यों का संवाहक बनेकृयह सुनिश्चित करना समय की मांग है।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-वृद्धाश्रमों और अनाथालयों का एकीकरण। यह विचार केवल कल्पना नहीं, बल्कि एक अत्यंत व्यावहारिक और मानवीय समाधान हो सकता है। यदि एक ही परिसर में बुजुर्गों और अनाथ बच्चों को साथ रखा जाए, तो दोनों की समस्याओं का समाधान संभव है। बच्चों को जहां स्नेह और मार्गदर्शन मिलेगा, वहीं बुजुर्गों को अपनत्व और बच्चों के साथ का अनुभव होगा। यह संबंध कृत्रिम नहीं, बल्कि स्वाभाविक और आत्मीय होगा। सरकार को इस दिशा में नीतिगत पहल करनी चाहिए। सुविधा-संपन्न, गरिमामय और मानवीय वृद्धाश्रमों का निर्माण, जहां केवल देखभाल ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी समावेश हो, यह अत्यंत आवश्यक है। साथ ही निजी संस्थाओं को भी इस क्षेत्र में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, लेकिन यह सुनिश्चित करते हुए कि सेवाएं केवल व्यवसाय न बन जाएं, बल्कि सेवा का भाव प्रमुख रहे। बुजुर्गों को भी इस सच्चाई को स्वीकार करना होगा कि जीवन का यह चरण आत्मनिर्भरता और आत्मबल की मांग करता है। योग, ध्यान, प्राणायाम, सत्संग और सामाजिक सहभागिता उनके जीवन को सकारात्मक दिशा दे सकते हैं। डिजिटल साक्षरता भी उन्हें अपने बच्चों और समाज से जुड़े रहने में सहायक हो सकती है।

साररूप में यह समझना होगा कि समाज केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि संवेदनाओं की समृद्धि से विकसित होता है। यदि हम अपने बुजुर्गों को सम्मान, स्नेह और सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं, तो हमारी सारी उपलब्धियां अधूरी हैं। किराये की संतान का प्रचलन हमें यह सोचने पर विवश करता है कि कहीं हम संबंधों को भी वस्तु तो नहीं बना रहे, भौतिकता की तराजू में तो नहीं तौल रहे हैं। यह समय है आत्ममंथन का अपने भीतर झांकने का और यह तय करने का कि हम कैसा समाज बनाना चाहते हैं। यदि हम सच में एक स्वस्थ, संवेदनशील और संतुलित समाज की कल्पना करते हैं, तो हमें अपनत्व के उस दीप को पुनः प्रज्वलित करना होगा, जिसकी रोशनी में हर बुजुर्ग अपने जीवन की सांझ को गरिमा और सुकून के साथ जी सके।

-ललित गर्ग

दक्षिण से पूर्व तक बदलता राजनीतिक भूगोल-क्या 2026 के नतीजे भारतीय राजनीति के नए युग की शुरुआत हैं?

- कांतिलाल मांडोत

भारत के 2026 के विधानसभा चुनावों के ताजा परिणामो ने देश की राजनीति में एक बड़ा मोड़ लाने के संकेत दे दिए हैं। तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे अहम राज्यों में जो तस्वीर उभर रही,वह पारंपरिक राजनीतिक समीकरणों को चुनौती देती दिख रही है। इन चुनावों में न केवल सत्ता परिवर्तन की संभावनाएं बनी, बल्कि नए चेहरों और नए गठबंधनों ने राजनीतिक विमर्श को पूरी तरह बदल दिया है।

तमिलनाडु में इस बार का चुनाव सबसे ज्यादा दिलचस्प बन गया है। यहां द्रविड़ राजनीति का दशकों पुराना ढांचा पहली बार गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुनेत्र कषगम डीएमके जहां सत्ता बचाने की कोशिश में थी, वहीं अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम ने राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। शुरुआती दौर में टीवीके का सबसे आगे होना और पार्टी पूर्ण बहुमत को हासिल कर चुकी यह दिखाता है कि जनता अब पारंपरिक दलों के विकल्प तलाश रही है।

तमिलनाडु की 234 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 117-118 है।अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम और डीएमके दोनों ही स्पष्ट बहुमत से दूर दिखे। ऐसे में विजय का 卐किंगमेकर卐 के रूप में उभरना स्वाभाविक है। उनकी लोकप्रियता, खासकर युवाओं में, और साफ-सुथरी छवि उन्हें एक निर्णायक भूमिका में ला खड़ा करती है।

इस पूरे घटनाक्रम में नरेंद्र मोदी के साथ विजय की पुरानी तस्वीर ने राजनीतिक चर्चाओं को और हवा दे दी है। यह तस्वीर भले ही पुरानी हो, लेकिन इसके समय पर सामने आने से यह अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या भारतीय जनता पार्टी और टीवीके के बीच चुनाव बाद गठबंधन संभव है। यदि ऐसा होता है और एएएडी भी इसमें शामिल होती है, तो तमिलनाडु में पहली बार एक नया राजनीतिक समीकरण बन सकता है, जो द्रविड़ राजनीति के पारंपरिक ढांचे को तोड़ देगा।

दूसरी ओर केरल में जो तस्वीर सामने आ रही है, वह पूरी तरह अलग लेकिन उतनी ही महत्वपूर्ण है। यहां पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा को बड़ा झटका लगता दिख रहा है। शुरुआती रुझानों में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा स्पष्ट बढ़त के साथ सत्ता में वापसी करता नजर आया।कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ अगर बहुमत हासिल करता है, तो यह केरल की राजनीति में बड़ा बदलाव होगा, क्योंकि राज्य में आमतौर पर सत्ता परिवर्तन का ट्रेंड तो रहा है, लेकिन इस बार मुकाबला बेहद करीबी माना जा रहा था।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि खुद पिनाराई विजयन अपनी सीट पर पीछे चलने से उयह केवल एक सीट की हार नहीं, बल्कि उनके शासन मॉडल पर सवाल के रूप में भी देखा जा रहा है। उनके कार्यकाल में कल्याणकारी योजनाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर जोर दिया गया, लेकिन लगता है कि विपक्ष ने सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाने में सफलता पाई है।

केरल में भारतीय जनता पार्टी का खाता खुलना भी एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत है। भले ही सीटें कम हों, लेकिन यह पार्टी के लिए दक्षिण भारत में धीरे-धीरे बढ़ती स्वीकार्यता का संकेत देता है। राजीव चंद्रशेखर जैसे नेताओं का आगे रहना यह दर्शाता है कि भाजपा अब केवल उत्तर और पश्चिम भारत तक सीमित नहीं रहना चाहती।

अगर पश्चिम बंगाल की बात करें, तो यहां तस्वीर और भी नाटकीय है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को इस बार कड़ी चुनौती मिल गई है। शुरुआती रुझानों में भाजपा भारी बढ़त बनाती दिखाई दी।।यह रुझान नतीजों में बदलता है, तो यह राज्य की राजनीति में ऐतिहासिक बदलाव होगा।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की बढ़त को केवल चुनावी जीत के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक बदलाव का संकेत भी है। पिछले कुछ वर्षों में राज्य में कानून-व्यवस्था, राजनीतिक हिंसा और ध्रुवीकरण जैसे मुद्दे प्रमुख रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने इन मुद्दों को केंद्र में रखकर चुनाव लड़ा और लगता है कि मतदाताओं ने इस पर प्रतिक्रिया दी है।

हालांकि ममता बनर्जी अब भी अपनी सीट पर बढ़त बनाए हुए हैं और उन्होंने अंतिम परिणाम तक इंतजार करने की बात कही है, लेकिन राज्य के समग्र रुझान उनके लिए चिंता का विषय जरूर हैं।

इन तीनों राज्यों के रुझानों को एक साथ देखें तो एक बड़ा राष्ट्रीय राजनीतिक संदेश उभरकर सामने आता है। पहला, क्षेत्रीय दलों की पकड़ कमजोर हो रही है या उन्हें नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। दूसरा, नए चेहरे और नए दल तेजी से उभर रहे हैं, जैसे तमिलनाडु में विजय की टीवीकेतीसरा, भाजपा का विस्तार अब उन राज्यों तक पहुंच रहा है जहां वह पहले कमजोर मानी जाती थी।

इन चुनावों में मोदी फैक्टर की भी चर्चा हो रही है। नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और राष्ट्रीय स्तर पर उनकी छवि का असर कई राज्यों में देखने को मिल रहा है। खासकर पश्चिम बंगाल और संभावित रूप से तमिलनाडु में यह असर निर्णायक साबित हो सकता है।

लेकिन यह भी सच है कि हर राज्य की अपनी अलग राजनीतिक संस्कृति और मुद्दे होते हैं। तमिलनाडु में द्रविड़ पहचान, केरल में वैचारिक राजनीति और बंगाल में क्षेत्रीय अस्मिता हमेशा से महत्वपूर्ण रहे हैं। ऐसे में किसी एक राष्ट्रीय ट्रेंड को पूरे देश पर लागू करना जल्दबाजी होगी। फिर भी, 2026 के ये चुनाव यह जरूर संकेत दे रहे हैं कि भारतीय राजनीति एक संक्रमण काल से गुजर रही है। पुराने समीकरण टूट रहे हैं, नए गठबंधन बन रहे हैं और मतदाता पहले से ज्यादा जागरूक और निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

तमिलनाडु में अगर टीवीके किंगमेकर बनती है, केरल में यूडीएफ सत्ता में लौटता है और पश्चिम बंगाल में भाजपा ऐतिहासिक जीत दर्ज करती है, तो यह केवल राज्यों के स्तर पर बदलाव नहीं होगा, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी बदल सकता है।

आने वाले दिनों में अंतिम नतीजे इन रुझानों को कितनी मजबूती देते हैं, यह देखना दिलचस्प होगा। लेकिन इतना तय है कि 2026 के चुनावों ने भारतीय लोकतंत्र को एक नई ऊर्जा, नई बहस और नए विकल्प दिए हैं।

मथुरा डैम त्रासदी से सीख नहीं-नतीजा बरगी डैम त्रासदी दुर्घटना नहीं, संभवततः आपराधिक लापरवाही का आईना

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ नजरें भारतीय पर्यटक स्थल पर लग गई जब 30 अप्रैल 2026 की शाम बरगी डैम (नर्मदा के बैकवॉटर) में भीषण क्रूज हादसा, हुआ जिसमें प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार 13 लोगों की मृत्यु हुई,केवल एक आकस्मिक दुर्घटना नहीं बल्कि हमारे पर्यटन तंत्र में गहरे पैठे सुरक्षा-संस्कृति के अभाव और प्रशासनिक लापरवाही का कठोर उदाहरण बनकर सामने आया है। जब घटनास्थल से यह तथ्य उभरकर आता है कि कई पर्यटकों ने लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी और यह भी कि उन्हें व्यवस्थित रूप से पहनने के लिए बाध्य नहीं किया गया तथा मौसम विभाग के अलर्ट को भी नजर नजरअंदाज कर दिया गया था तो यह सवाल स्वत: उठता है कि क्या यह केवल एक त्रुटि थी या नियमों की सुनियोजित अनदेखी? इस त्रासदी का दर्द तब और गहरा हो जाता है जब इसे हाल ही में मथुरा में हुए समान हादसे के संदर्भ में देखा जाए,जहाँ 26 लोगों की जान चली गई थी और वहाँ भी लाइफ जैकेट का अभाव या उपयोग न होना प्रमुख कारणों में शामिल था। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इन दो घटनाओं के बीच का समयइतना कम है कि यह निष्कर्ष निकलना स्वाभाविक है,हमने सबक नहीं सीखा।यह स्थिति केवल किसी एक राज्य या एक प्रशासनिक इकाई की विफलता नहीं है; यह पूरे देश के पर्यटन प्रबंधन तंत्र में व्याप्त प्रणालीगत खामियों को उजागर करती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहाँ धार्मिक, प्राकृतिक और साहसिक पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है, वहाँ सुरक्षा मानकों का अनुपालन केवल एक औपचारिकता नहीं बल्कि जीवन-मृत्यु का प्रश्न बन जाता है। फिर भी, जमीनी हकीकत यह है कि कई पर्यटन स्थलों पर नियम पुस्तकों तक सीमित हैं और उनका पालन 'मुनाफे' के दबाव में दरकिनार कर दिया जाता है। बरगी डैम की घटना में भी यही परिलक्षित होता है—जहाँ पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय क्रूज संचालन जारी रखा गया,भले ही परिस्थितियाँ बिल्कुल भी अनुकूल न हों।

साथियों बात अगर हम लाइफ जैकेट का अभाव या उनका उपयोग न कराया जाना इसको समझने की करें तो,इस पूरे प्रकरण का सबसे गंभीर और स्पष्ट लापरवाही का बिंदु है। अंतरराष्ट्रीय स्तरपर जल-पर्यटन में यह एक बुनियादी और अनिवार्य सुरक्षा उपाय माना जाता है।किसी भी नाव या क्रूज के पानी में उतरने से पहले यह सुनिश्चित करना ऑपरेटर की जिम्मेदारी होती है कि प्रत्येक यात्री सही ढंग से लाइफ जैकेट पहने। यह केवल एक उपकरण नहीं बल्कि संकट की घड़ी में जीवन और मृत्यु के बीच की अंतिम दीवार होती है। ऐसे में यदि यह पाया जाता है कि जैकेट उपलब्ध नहीं थीं, या उपलब्ध होने के बावजूद यात्रियों को पहनने के लिए बाध्य नहीं किया गया, तो यह सीधा-सीधा आपराधिक लापरवाही का सटीक मामला बनता है। साथियों दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है मौसम की चेतावनियों की अनदेखी। यदि मौसम विभाग जैसे भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा पहले से तेज हवाओं या खराब मौसम की चेतावनी जारी की गई थी,और इसके बावजूद क्रूज संचालन जारी रहा,तो यह केवल जोखिम उठाने का मामला नहीं बल्कि जानबूझकर खतरे को आमंत्रित करने जैसा है। 40-50 किमी/घंटा की तेज हवाएँ किसी भी जलयान के लिए गंभीर चुनौती होती हैं, विशेषकर तब जब उसमें आम पर्यटक सवार हों। ऐसे में प्रशासन और ऑपरेटर दोनों की जिम्मेदारी बनती है कि वे गतिविधियों को तत्काल रोकें, न कि मुनाफे या दबाव के चलते उन्हें जारी रखें।

साथियों ओवरलोडिंग और सुरक्षा मानकों का उल्लंघन भी ऐसे हादसों के प्रमुख कारणों में शामिल होते हैं। कई बार देखा गया है कि अधिक से अधिक यात्रियों को समायोजित करने के लिए नावों में उनकी निर्धारित क्षमता से ज्यादा लोगों को बैठाया जाता है। इससे न केवल संतुलन बिगड़ता है बल्कि आपातकालीन स्थिति में बचाव कार्य भी जटिल हो जाता है। यदि बरगी डैम हादसे में भी ऐसा कोई तत्व सामने आता है, तो यह और अधिक गंभीरता से जांच और कार्रवाई की मांग करता है। यहाँ यह भी ध्यान देने योग्य है कि सुरक्षा उपकरण जैसे लाइफ बोट,सिग्नलिंग डिवाइस,प्रशिक्षित स्टाफ का अभाव स्थिति को और घातक बना देता है। साथियों प्रशासनिक जवाबदेही इस पूरे विमर्श का केंद्र बिंदु है। पर्यटन विभाग और स्थानीय प्रशासन की यह प्राथमिक जिम्मेदारी होती है कि वे सभी ऑपरेटरों को लाइसेंस देने से पहले उनकी सुरक्षा तैयारियों की जांच करें और नियमित अंतराल पर निरीक्षण करें। यदि यह पाया जाता है कि नियमों का उल्लंघन लंबे समय से हो रहा था और इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई, तो यह केवल चूक नहीं बल्कि 'सांठगांठ' या 'सिस्टमेटिक फेल्योर' की ओर संकेत करता है। ऐसे मामलों में केवल निचले स्तर केकर्मचारियों को दोषी ठहराना पर्याप्त नहीं होता; उच्च स्तर के अधिकारियों की भूमिका की भी गहन जांच आवश्यक होती है। साथियों कानूनी दृष्टिकोण से देखें तो ऐसी घटनाओं में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) या पूर्ववर्ती आईपीसी की धाराएँ स्पष्ट रूप से लागू होती हैं। धारा 304ए (लापरवाही से मृत्यु) ऐसे मामलों में सामान्यत: लगाई जाती है, जहाँ किसी की असावधानी या लापरवाही के कारण किसी की जान चली जाती है। परंतु यदि यह सिद्ध हो जाए कि जोखिम के बारे में पूर्व जानकारी थी और फिर भी जानबूझकर उसे नजरअंदाज किया गया, तो धारा 304 (गैर-इरादतन हत्या) या यहाँ तक कि धारा 302 (हत्या) के तहत भी मामला बन सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि जांच में मेनस रिया,अपराध की मानसिक स्थिति कितनी गंभीर पाई जाती है। बरगी और मथुरा जैसी घटनाओं के संदर्भ में यह बहस प्रासंगिक है कि क्या केवल लापरवाही कहना पर्याप्त है, या इसे अधिक कठोर आपराधिक श्रेणी में रखा जाना चाहिए। साथियों दिनांक 26 अप्रैल 2026 को मैं खुद अपने पूरे परिवार सहित उत्तराखंड राज्य के एक पर्यटक स्थल ऋषिकेश के रामझूला व गंगा तट पर था,ऋषिकेश में राम झूला और नाव यात्रा के दौरान इस समस्या की व्यापकता को और स्पष्ट रूप से मैंने देखा कि राम झूला के बीच में दो बड़े सांड व दो गाय खड़ी थी मैंने गाइड से पूछा तो उन्होंने कहा साहब यह रोज की बात है इसपर मैंने कहा अगर यह दोनों सांड आपस में लड़े तो जान माल का काफी नुकसान होगा तो गाइड ने कहा साहब यहां सुनने वाला कोई नहीं है फिर जब नीचे मैं अपने परिवार सहित नाव से दूसरा किनारा पार करने के लिए प्रति व्यक्ति 40 रूपए की टिकट लेकर नाव पर बैठा तो वहां देखा कि किसी ने लाइफ से? जैकेट नहीं पहना था मगर मेरे आग्रह करने पर फिर सभी ने लाइफ सेव जैकेट पहने जब एक पर्यटक को स्वयं दूसरों को लाइफ जैकेट पहनने के लिए प्रेरित करना पड़े, और नाव संचालक या कप्तान इस बुनियादी जिम्मेदारी को नजरअंदाज कर दे, तो यह केवल एक स्थान की समस्या नहीं बल्कि पूरे तंत्र में व्याप्त सुरक्षा के प्रति उदासीनता का प्रमाण है। यह स्थिति दर्शाती है कि नियम केवल कागजों पर मौजूद हैं, जबकि जमीनी स्तर पर उनका पालन सुनिश्चित करने वाला कोई प्रभावी तंत्र नहीं है। साथियों भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बहु-स्तरीय और सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, लाइफ जैकेट का अनिवार्य उपयोग केवल एक नियम नहीं बल्कि 'नॉन- नेगोशिएबल' शर्त होना चाहिए बिना जैकेट के किसी भी यात्री को नाव या क्रूज पर चढ़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसके लिए तकनीकी उपाय जैसे बोर्डिंग गेट पर सेंसर या डिजिटल चेक भी अपनाए जा सकते हैं। दूसरा, ऑपरेटरों के लाइसेंसिंग सिस्टम को पारदर्शी और सख्त बनाया जाना चाहिए, जिसमें नियमित और औचक निरीक्षण शामिल हों। तीसरा, मौसम संबंधी गाइडलाइंस को कानूनी रूप से बाध्यकारी बनाया जाए यदि चेतावनी जारी हो, तो संचालन स्वत: निलंबित हो जाए।इसके अतिरिक्त, क्रूज और नावों पर कार्यरत कर्मचारियों का प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है।उन्हेंआपातकालीन स्थितियों से निपटने, प्राथमिक उपचार देने और बचाव कार्यों का संचालन करने में दक्ष होना चाहिए। क्षमता का कड़ाई से पालन भी अनिवार्य है—इसमें किसी भी प्रकार की ढील सीधे खतरे को आमंत्रित करती है। अंतत:, पर्यटन स्थलों पर नियमित 'सुरक्षा ऑडिट' विशेषकर थर्ड-पार्टी एजेंसियों द्वारा कराया जाना चाहिए, ताकि निष्पक्ष मूल्यांकन हो सके और खामियों को समय रहते दूर किया जा सके। बरगी डैम और मथुरा जैसी त्रासदियाँ हमें यह सिखाती हैं कि विकास और पर्यटन के नाम पर यदि सुरक्षा से समझौता किया गया, तो उसकी कीमत मानव जीवन से चुकानी पड़ती है। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि उन परिवारों की पीड़ा है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। इसलिए अब समय आ गया है कि 'दुर्घटना' शब्द के पीछे छिपने के बजाय 'जवाबदेही' को केंद्र में लाया जाए। जब तक दोषियों पर कठोर और उदाहरणात्मक कार्रवाई नहीं होगी चाहे वे ऑपरेटर हों, अधिकारी हों या नीति-निर्माता तब तक यह चक्र नहीं टूटेगा।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह केवलसरकार या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की भी भूमिका है। जागरूकता, सतर्कता और नियमों के प्रति सम्मान ये तीनों मिलकर ही एक सुरक्षित पर्यटन संस्कृति का निर्माण कर सकते हैं। लेकिन नेतृत्व की जिम्मेदारी शासन और प्रशासन पर ही आती है, और उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में कोई भी पर्यटक केवल एक लापरवाही के कारण अपनी जान न गंवाए। बरगी डैम की यह त्रासदी एक चेतावनी है,यदि अब भी नहीं चेते, तो अगली खबर किसी और शहर, किसी और नदी से आ सकती है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। मंगलवार को भी अनाज मंडी में मूंग बाजार नरमी के रहे। चना घटाकर बोला गया। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन 6400-6500 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहा। किराना जिंसों में हल्दी बाजार सुस्त रहे। शक्कर में मजबूती कायम रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मूंग में बाजार दबाव में है। आवकें बढ़ने के साथ ही बाजार मंदी की तरफ मुड़ गये है। चने में भी 25-50 रू. प्रति क्विंटल का नुकसान देखा गया। खाद्य तेलों में कारोबार ठंडा-ठंडा ही रहा। बाजार कमोवेश दबाव में रहे। तिलहनों में सोयाबीन 6400-6500 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहा। उधर, किराना बाजार में हल्दी बाजार नरमी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4125-4200, खोपरा गोला 340-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल- सींगदाना 1570-1580, मुम्बई 1590-1600, राजकोट तेलिया 2500-2510, सोया साल्वेंट 1400-1405, सोया रिफाइंड 1480-1490, कपास्या 1410-1420, धूलिया 1430, कड़ी 1430,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550, मुम्बई पाम 1455, मुम्बई सोया 1510,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विटल)

तिलहन- सरसो 7500-7700, रायडा 6500-6700, सोयाबीन 6400-6500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5675-5725, एवरेज 5450-5575, विशाल 5625-5675, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7600-7800, मूंग पुराना बोल्ड 8500-8800, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-7100, एवरेज 6800-6900, हल्की 6600-6700, महाराष्ट्र सफेद 7100-7200, महाराष्ट्र लाल 7200-7400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडि?यम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2525, लोकवन एवरेज 2550-2600, बेस्ट 2700-3000, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2000-2025, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। विश्व बाजारों में चल रही अनिश्चितता के बीच दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मंदी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 242000, चाँदी (99) 241900, टंच 241200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 150700,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 3 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.20 पर बंद हुआ। मध्य पूर्व में सैन्य संघर्ष के कारण बाजार की अस्थिरता से दबाव में आज सुबह रुपये ने शुरुआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर 95.43 का आंकड़ा छू लिया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार खाड़ी में अस्थिरता से निवेशक सुरक्षित निवेश की ओर मुड़ रहे हैं, जिससे अमेरिकी डॉलर लगातार मजबूत हो रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.30 प्रति डॉलर पर खुला, लेकिन शुरुआती कारोबार में ही 95.43 के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर फिसल गया। यह सोमवार को 39 पैसे टूटकर 95.23 पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिलेजुले वैश्विक संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला मुम्बई शेयर बाजार (बीएसई) सेंसेक्स 252 अंक नीचे आकर 77,017.79 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 86 अंक फिसलकर 24,032.80 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 शेयर नीचे आये। आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही। वहीं टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, मारुति, अडानी पोर्ट्स, एसबीआई, एशियन पेंट्स, लार्सन एंड टुब्रो, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और टाटा स्टील के शेयरों में भी गिरावट आई। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, बीईएल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाइटन, एचसीएल टेक और रिलायंस के शेयर भी टूटे। ब्रॉडर मार्केट में आज निफ्टी मिडकैप में 0.17 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.28 फीसदी बढ़त रही। निफ्टी बैंक, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑयल एंड गैस के शेयर भी नीचे आये। वहीं दूसरी ओर निफ्टी ऑटो और निफ्टी एफएमसीजी के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोर रही। सेंसेक्स लगभग 152 अंकों की गिरावट के साथ 77,117 के स्तर पर कारोबार करता देखा गया, जबकि एनएसई निफ्टी 50 भी करीब 52 अंक फिसलकर 24,067 के स्तर पर आ गया। यह गिरावट बाजार में निवेशकों के बीच व्याप्त अनिश्चितता और सतर्कता की स्थिति को दर्शाती है।

प्राकृतिक आपदा में अब बैंक खुद आएंगे मदद को, कर्जदारों को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित कर्जदारों के लिए बैंकिंग नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब 1 जुलाई 2026 से बाढ़ या भूकंप जैसी आपदाओं का सामना करने वाले ग्राहकों को राहत के लिए बैंक के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे, बल्कि बैंक खुद उनकी मदद के लिए आगे आएंगे। यह फैसला होम लोन, कार लोन सहित सभी प्रकार के कर्ज लेने वालों को बड़ी राहत देगा। नए नियम के तहत बैंक अब खुद यह तय करेंगे कि उनके किस ग्राहक को राहत की आवश्यकता है। वे अपनी मर्जी से मासिक किस्तें (ईएमआई) टाल सकेंगे, ऋण की अवधि बढ़ा सकेंगे या कुछ शुल्क माफ कर सकेंगे। यदि कोई ग्राहक यह राहत नहीं चाहता, तो उसे 135 दिनों का समय मिलेगा। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए ग्राहक का लोन खाता 'स्टैंडर्ड' होना चाहिए और कोई भी किस्त 30 दिन से अधिक बकाया नहीं होनी चाहिए। यहां तक कि आपदा के कारण एनपीए हुए खातों को भी सामान्य स्थिति में लाया जा सकेगा। बैंकों को अब केवल कार्यालयों तक सीमित न रहकर प्रभावित इलाकों में मोबाइल वैन और कैंप के जरिए बैंकिंग सेवाएं पहुंचानी होंगी। एटीएम को तुरंत चालू करना और नकदी की वैकल्पिक व्यवस्था करना भी उनकी जिम्मेदारी होगी। बैंक संकट के समय ग्राहकों की ऋण शर्तों को आसान बना सकेंगे, और एक साल तक फीस व अतिरिक्त शुल्क माफ या कम कर सकते हैं। आरबीआई ने बैंकों को रीस्ट्रक्चर किए गए लोन पर 5 फीसदी अतिरिक्त राशि सुरक्षित रखने का भी निर्देश दिया है। इसका उद्देश्य आपदा के समय मानसिक और आर्थिक रूप से टूटे लोगों को तत्काल वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना है।

चीनी कंपनी टीसीएल डिस्प्ले कारोबार में 51 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में

नई दिल्ली। एजेंसी। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में जल्द ही बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। चीनी कंपनी टीसीएल इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में अपने डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग कारोबार में 51 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना पर काम कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस डील का आकार 600 से 800 मिलियन डॉलर यानी करीब 5,700 करोड़ रुपए से 7,600 करोड़ रुपए के बीच हो सकता है। इस सौदे को लेकर बाजार में काफी हलचल देखी जा रही है, क्योंकि यह भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्षेत्र के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक इस डील में स्टैंडर्ड चार्टर्ड सलाहकार की भूमिका निभा रही है। वहीं डिक्सन टेक्नोलॉजीज, ईपैक ड्यूरेबल, सिर्मा एसजीएस टेक्नोलॉजी, एम्बर एंटरप्राइजेज और ऊनो मिंडा जैसी भारतीय कंपनियों से बातचीत चल रही है। हालांकि अभी तक किसी तरह का अंतिम समझौता नहीं हुआ है और चर्चा शुरुआती चरण में है। खबर यह भी है कि हैवेल्स से भी संपर्क किया गया था, लेकिन कंपनी ने डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग कारोबार में निवेश को लेकर ज्यादा रुचि नहीं दिखाई। भारत में टीसीएल इलेक्ट्रॉनिक्स की प्रमुख यूनिट आंध्र प्रदेश के तिरुपति में स्थित है। यह देश का पहला ऐसा एलसीडी पैनल प्लांट माना जाता है, जहां पूरी प्रोसेसिंग और असेंबली की सुविधा उपलब्ध है। इस यूनिट में टीवी, स्मार्टफोन, लैपटॉप, टैबलेट और ऑटोमोबाइल स्क्रीन में इस्तेमाल होने वाले डिस्प्ले कंपोनेंट तैयार किए जाते हैं। कंपनी की यह यूनिट टीसीएल चाइना स्टार ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी के तहत संचालित होती है, जो टीसीएल कॉर्प की वैश्विक सहयोगी कंपनी है। सूत्रों के अनुसार टीसीएल अपनी भारतीय इकाई में दो स्थानीय साझेदार जोड़ना चाहती है और 49 प्रतिशत हिस्सेदारी अपने पास रखकर सबसे बड़ी शेयरधारक बनी रहना चाहती है। बताया जा रहा है कि टीसीएल रणनीतिक और वित्तीय निवेशकों की तलाश में है और अगले दो से तीन महीनों में इस डील को अंतिम रूप दिया जा सकता है।

मेष- आज आपको रिश्तों की डोर को संभालकर चलना होगा। प्यार और समझदारी ही आपकी ताकत बनेगी। जीवनसाथी आपकी किसी बात से आहत हो सकते हैं, इसलिए उन्हें मनाना ही आज आपकी जीत होगी। उधार लेने का विचार मन में आए तो फिलहाल रोक लें, वरना आगे चलकर परेशानी बढ़ सकती है। बिजनेस में भी आज बड़े फैसले लेने से बचें, क्योंकि जल्दबाजी का फैसला बाद में पछतावा दे सकता है।

वृषभ- आज का दिन खुशियों की सौगात लेकर आया है, खासकर छात्रों के लिए। नया कोर्स या नई शुरुआत सफलता की राह खोल सकती है। आमदनी के नए रास्ते बनेंगे, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर में किसी नए मेहमान के आने से रौनक बढ़ेगी और माहौल खुशियों से भर जाएगा। नौकरी से जुड़ी परेशानी भी किसी करीबी की मदद से दूर होती नजर आ रही है।

मिथुन- आज आपका हुनर ही आपकी पहचान बनेगा। कला और कौशल में निखार आपको अलग मुकाम देगा। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा और नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। काम के सिलसिले में यात्रा भी संभव है। राजनीति या लोगों के बीच रहते हुए सतर्क रहें, क्योंकि हर कोई आपका हितैषी नहीं होता। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात दिल को खुश कर देगी और कोई उपलब्धि आपको सम्मान दिला सकती है।

कर्क- आज धन के मामले में राहत मिलेगी और आप खुद को हल्का महसूस करेंगे। बच्चों के साथ बिताया गया समय आपको सच्ची खुशी देगा। कुछ खास लोगों से मुलाकात आपके लिए नए रास्ते खोल सकती है। पैतृक संपत्ति से जुड़ा मामला आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। स्वादिष्ट भोजन और प्रमोशन जैसी खुशखबरी दिन को और खास बना सकती है।

सिंह- आज का दिन संतुलन का है। आमदनी बढ़ेगी और इससे खुशी भी मिलेगी। नए लोगों से जुड़ने का मौका मिलेगा, जो आगे चलकर फायदेमंद साबित होगा। व्यापार में सुधार दिखेगा और आपके फैसले लोगों को प्रभावित करेंगे। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा और साथ मिलकर आप आगे बढ़ेंगे।

कन्या- आज दोस्ती और जिम्मेदारी। दोनों साथ-साथ चलेंगी। दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताएंगे, लेकिन काम को भी नजरअंदाज नहीं करेंगे। अगर कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो उसे टालना ठीक नहीं। सही सलाह लें। वाहन चलाते समय सतर्क रहें। संतान की चिंता आपको थोड़ा परेशान कर सकती है, लेकिन सबसे जरूरी बात। अपने काम खुद करें, दूसरों पर निर्भरता आज नुकसान दे सकती है।

तुला- आज का दिन थोड़ा मिला-जुला रहेगा। आप खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे, लेकिन ऑफिस में किसी बात को लेकर तनाव हो सकता है। मेहनत का फल जरूर मिलेगा, बस धैर्य बनाए रखें। संतान की सेहत पर ध्यान देना जरूरी है। किसी अनजान व्यक्ति से लेनदेन करने से बचें, वरना आर्थिक नुकसान हो सकता है। घर में किसी मेहमान के आने से खर्च बढ़ सकते हैं और मन थोड़ा विचलित रह सकता है।

वृश्चिक- आज चुनौतियां आएंगी, लेकिन आपको पीछे नहीं हटना। हिम्मत ही आपकी असली ताकत है। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी हो सकती है, जिससे खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। परिवार में किसी मुद्दे पर चर्चा हो सकती है, जो समाधान की ओर ले जाएगी। एक साथ कई काम मिलने से व्यस्तता बढ़ेगी, लेकिन यही आपको आगे भी ले जाएगी। यात्रा के दौरान कोई खास जानकारी मिल सकती है और जीवनसाथी के साथ बातचीत से कोई बड़ा पारिवारिक मसला सुलझ सकता है।

धनु- आज खर्च बढ़ सकते हैं, लेकिन इसके साथ ही आप अपने भविष्य को लेकर गंभीर सोच में डूबे रहेंगे। मां की ओर से कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। भाई-बहनों की जरूरतों को नजरअंदाज करना रिश्तों में दूरी ला सकता है, इसलिए समय पर साथ दें। छात्रों के लिए मानसिक बोझ कम होगा। पिता की किसी बात से मन आहत हो सकता है। लेकिन धैर्य ही समाधान है।

मकर- आज आपके दिमाग में नए-नए आइडिया चमकेंगे, जो बिजनेस को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। पार्टनरशिप के योग बन रहे हैं। सरकारी योजना में निवेश फायदेमंद साबित हो सकता है, लेकिन सतर्क रहें। कुछ लोग धोखा देने की कोशिश कर सकते हैं। अपनी कीमती चीजों का खास ध्यान रखें, क्योंकि खोने का डर है। कोई पुराना दोस्त अचानक मिलकर पुराने दिनों की यादें ताजा कर सकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए बेहतर साबित होगा। छात्रों को पढ़ाई से जुड़ी कोई खास चीज मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में राजनीति से दूर रहना ही समझदारी है, वरना प्रमोशन पर असर पड़ सकता है। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। लेनदेन के मामलों में सावधानी जरूरी है। कुछ नया करने की आपकी कोशिश आपको सफलता की राह पर आगे बढ़ाएगी।

मीन- आज आपके चारों ओर खुशियों का माहौल रहेगा और मुनाफा भी अच्छा मिलेगा। ऑफिस में आपको कोई सरप्राइज या उपहार मिल सकता है। काम के सिलसिले में यात्रा लाभदायक रहेगी। प्रॉपर्टी से जुड़ा लोन पास होने के संकेत हैं। धन-धान्य में वृद्धि होगी और आमदनी भी मजबूत रहेगी।

शब्दजाल- 8250

शब्द जाल में 'ज' से शुरु होनेवाले 10 शब्दों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

या	ज	गा	र	ग	ब	ज	क	प	ल	क
दें	वा	ज	क	या	ज	का	मौ	स	ज	ड़
क	ह	या	य	र्म	छ	स	या	ता	य	क
क	र	ल	र	दे	वी	स	न	ल	श	क
ज	इ	ल	म	सं	व	ज	श	र	ला	ल
क	ज	दा	ई	र	ब	ज	फ	लो	श	ज
क	ज	चे	दा	ई	क	स	री	ग	प	न
द	र	मी	प	व	ज	ना	र्द	न	ज	स
क	ज	ल	ज	न	व	री	ऐ	ना	प	ह
क	मी	ल	प	द	या	स	मा	ज	स	यो
का	न	चे	न्न	ई	क	ज	री	ग	प	ग

जवाहर, जयदेव, जनता, जय, जनार्दन, जनवरी, जनसहयोग, जमाना, जमीदार, जमीन.

शब्दजाल - 8249 का हल

मु	क	ल	व	ग	ब	ना	क	बें	ग	क
ब	वि	ल	मुं	चे	जी	ग	द	ह	ला	ड़
ई	स	ल	ल	र्म	छ	पु	आ	दि	ख	क
क	स	ज	य	पु	र	र	प	ल	ल्ली	क
क	क	दो	ग	ला	द	र	तू	ग	झ	क
दि	क	ल	प	बा	झ	पू	ना	ण	घ	को
ती	इ	ल	दा	सं	प	ल	श	बें	ला	ल
क	ता	म	ई	धा	ब	क	फ	ग	श	का
क	ह	चे	न्न	ई	क	स	री	लो	प	ता
अ	र	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	र	प	रु
क	चे	ल	प	है	द	रा	बा	द	प	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

6 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.58 बजे से
चंद्र	धनु में	मिथुन	07.56 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.10 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.26 बजे से
गुरू	मिथुन में	कन्या	14.38 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.49 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.03 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	21.19 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	23.24 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		कुंभ	01.11 बजे से
		मीन	02.44 बजे से
		मेष	04.14 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 126 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 07.52 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मूल 15.54 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 01.12 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 07.52 बजे तदनन्तर कौलव 21.04 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 16° 29' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872701 **जूलियन दिन** 2461166.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 18

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक		उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक	
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक		शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक	
काल	08.15 से	10.19 बजे तक		अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक	
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक		चर	10.16 से	11.47 बजे तक	
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक		रोग	11.47 से	01.19 बजे तक	
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक		काल	01.19 से	02.51 बजे तक	
चर	02.44 से	04.12 बजे तक		लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक		उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7194

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7193

प	र	दे	स		शा	ली	मा	र	
हे		व	र	दा	न		सु		ही
ली	ड	र		न		ओ	म	का	श
	र		शि	व	रा	म		पों	
जु		दा	वा		ज		फ	रे	ब
बै	रा	ग		चा	ह	त		ट	
दा			शि		ठ		दा		अ
	स	त्य	का	म		श	मा		न
दौ	ड़		र	जा	मु	रा	द		क
	क	र्ज		ल		बी		जू	ही

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सच्ची प्रार्थना

यहूदी धर्माचार्य रबी बर्डिक्टेव किसी शहर में आए। इस बात की खबर चारों तरफ फैल गई। उनका उपदेश सुनने और उनसे मार्गदर्शन लेने के लिए लोग नियमित रूप से आने लगे। लोग तरह-तरह की समस्याएं लेकर आते। रबी उन्हें धैर्यपूर्वक सुनते और कोई न कोई समाधान जरूर बताते। एक दिन एक गरीब गाड़ीवान भी रबी बर्डिक्टेव के पास आया। वह अपने जीवन की एकरसता से काफी परेशान हो गया था। उसे इस बात की चिंता सताती रहती थी कि वह ईश्वरोपासना के लिए समय नहीं निकाल पा रहा है। वह अपना काम छोड़कर प्रभु की भक्ति में अपना समय लगाना चाहता था। उसने रबी से कहा, 'मैं एक गांव से दूसरे गांव गाड़ी हांका करता हूं। यह पेशा मुझे पसंद नहीं, क्योंकि मैं भगवान की प्रार्थना के लिए समय नहीं निकाल पाता। इस बात का मुझे बेहद अफसोस है। मुझे बड़ी ग्लानि होती है। मुझे अब यह पेशा छोड़ देने के अलावा अन्य कोई रास्ता सूझ नहीं रहा है।' यह सुनकर रबी ने पूछा, 'क्या गाड़ी चलाते समय तुम्हारी गरीब बूढ़े यात्रियों से कभी भेंट होती है?' उसने जवाब दिया, 'जी हां, मुझे अक्सर गरीब, दीन-दुखी यात्री मिलते हैं।' फिर रबी का अगला प्रश्न था, 'क्या तुम उन्हें कभी मुफ्त सवारी का अवसर भी देते हो?' गाड़ीवान ने 'हां' कहा। इस पर रबी बोले, 'तब तुम इस पेशे को हरगिज मत छोड़ो। तुम गरीब लोगों को एक जगह से दूसरी जगह मुफ्त में छोड़कर जो पुण्य हासिल कर रहे हो, वह प्रार्थना करने से कभी नहीं मिलेगा। यह काम अगर छोड़ भी दोगे तो इस बात का क्या भरोसा कि तुम्हें दूसरे किसी काम में प्रार्थना के लिए समय मिल ही जाएगा। तुम बुनियादी बात को समझने की कोशिश करो। दीन-दुखियों की सेवा ही भगवान की सच्ची प्रार्थना और भक्ति है। तुम अब से अपने इस काम को प्रभु की प्रार्थना समझकर ही करो। देखो तुम्हारे जीवन में कितना परिवर्तन आता है।' गाड़ीवान उनकी बात समझ गया।

सूडोकु नवताल- 7503

★★★ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7502 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8718

बाएँ से दाएँ

1. रोशनी-3
4. आशा, उम्मीद-2
5. एक प्रकार की बंगाली मिठाई-2,3
7. भ्रमण, घूमना-3
9. फिजूल, व्यर्थ ही-3
11. गुनाह, जुर्म-4
12. स्नान करवाना-4
14. डग, पांव, पैर-3
16. मक्खन (अंग्रेजी-3)
18. रावण, दशानन-5
19. टेलीफोन, दूरभाष-2
20. असली, शुद्ध-3

ऊपर से नीचे

1. वार, घात-3
2. आश्रय, पनाह-3
3. पायल की आवाज-4
4. दर्पण, शीशा-3
6. चिपकू, जलौका-2
8. स्वयं की पसंद का, स्वरुचिकर-2,3
10. हकलाना, अटक-अटक कर बोलना-5
13. पशु, जन्तु-4
14. मजार, मकबरा-2
15. कामदेव-3
16. बारिश, बरसात-3
17. धनवान, संपन्न-3

शब्द पहेली -8717 का हल

जा	न	प	ह	चा	न		वा	त
न		ल		ल	ल	क		न
की	ल		बा	बा		क्ष	त्रि	य
ना		श		ज			का	
थ	का	व	ट		म	स	ल	न
	ज			स		त्य		क
फ	ल	क		ह	द		ऐ	ब
रे		म	स	ला		रो		ज
ब	ल		ब	ना	व	टी	प	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

क्षेत्र में आंधी-बारिश के चलते गर्मी से राहत, किसानों की रबी धान फसल पर संकट

पद्मेश न्यूज। लांजी।

पिछले कई दिनों से पड़ रही झुलसाने वाली गर्मी के बीच मंगलवार को मौसम ने राहत भरा मोड़ लिया। दिनभर बादलों की आवाजाही और शाम को चली आंधी-हल्की बारिश ने तापमान में गिरावट लाते हुए लोगों को बड़ी राहत दी, जिससे पूरे क्षेत्र में मौसम सुहावना हो गया। पिछले दिनों की तुलना में तापमान में गिरावट दर्ज की गई और आसमान में रुक.रुक कर बादल छाए रहे। दोपहर के समय भी तेज धूप का असर कम रहा, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। शाम करीब 5 बजे के आसपास अचानक मौसम ने करवट ली और 10 से 15 मिनट तक आंधी-तूफान के साथ हल्की बारिश हुई। तेज हवाओं और बूंदाबांदी ने वातावरण को ठंडा कर दिया, जिससे दिनभर की उमस और गर्मी से राहत मिली। हालांकि इस दौरान लगभग दो घंटे से अधिक समय तक विद्युत आपूर्ति बाधित रही, लेकिन मौसम ठंडा होने के कारण लोगों को इससे ज्यादा परेशानी नहीं हुई। कुल मिलाकर, मंगलवार का दिन लांजी के लोगों के लिए राहत लेकर आया, जहां भीषण गर्मी के बीच मौसम का यह बदलाव किसी वरदान से कम नहीं रहा।

पिछले सप्ताह के बढ़े तापमान से आज मिली राहत

बीते एक सप्ताह में लांजी में भीषण गर्मी का असर साफ देखने को मिला। अधिकतम तापमान 40 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 26 से 29 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया। दोपहर के समय लू के थपेड़ों के चलते बाजारों और सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। मंगलवार को अधिकतम तापमान में करीब 3 से 5 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई। बादलों और ठंडी हवाओं के कारण मौसम अपेक्षाकृत सुहावना बना रहा, जिससे आमजन ने राहत महसूस की।

अगले दो-तीन दिनों तक ठंडा रहेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार आगामी 2-3 दिनों तक क्षेत्र में आंशिक बादल छाए रहने और कहीं-कहीं हल्की बारिश या गरज-चमक की संभावना है। हालांकि इसके बाद फिर से तापमान में वृद्धि हो सकती है और मई के मध्य तक गर्मी के तेवर दोबारा तेज होने के संकेत हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यह बदलाव प्री-मानसून गतिविधियों का हिस्सा है, जो अस्थायी राहत तो देती हैं, लेकिन लंबे समय तक तापमान को नियंत्रित नहीं रख पातीं।

किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें

वहीं दूसरी तरफ रबी की धान फसल को लेकर किसानों के माथे पर चिंता की लकीरे साफ दिखाई दे रही है। किसानों का कहना है की अगर मौसम का मिजाज कुछ इस तरह का ही रहा तो उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसानों ने कहा की विगत दस दिनों के भीतर मौसम ने दो बार करवट बदली है जिससे क्षेत्र में रबी धान की खड़ी फसल खेतों में पसर गई जिसे काटने में किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं। उनका कहना है कि लगातार इसी तरह आंधी तूफान का सिलसिला जारी रहा तो उनकी खड़ी फसल खराब हो सकती है।

देवलगांव में डेंगू-मलेरिया रोकथाम अभियान का शुभारंभ, छिड़काव और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में बढ़ते डेंगू, मलेरिया एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के उद्देश्य से ग्राम पंचायत देवलगांव में मंगलवार 5 मई को व्यापक स्वास्थ्य जागरूकता एवं नियंत्रण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम यशपाल स्वास्थ्य शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, बालाघाट द्वारा आयोजित किया गया। संस्था के अध्यक्ष एवं संचालक डॉ. टी.पी. टेम्भरे ने जानकारी देते हुए बताया कि 卐वेक्टर बॉर्न डिजीज प्रिवेंशन प्रोग्राम卐 के अंतर्गत 卐स्वस्थ भारत, समृद्ध भारत卐 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह अभियान संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में हमारी दीशा- हमारा कदम स्वायत्व शासी संस्थान नई दिल्ली का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत पूरे बालाघाट जिले में डेंगू, मलेरिया एवं अन्य सहायक रोगों के प्रति जनजागरूकता फैलाने के साथ-साथ रोकथाम के प्रभावी उपाय किए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम देवलगांव के विभिन्न वार्डों में मलेरिया एवं डेंगू से बचाव हेतु विशेष छिड़काव (स्प्रे) अभियान चलाया गया। नालियों, जलभराव वाले स्थानों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में दवाइयों का छिड़काव कर मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत देवलगांव के सरपंच श्रीमती पुष्पा ठाकरे , कमलकिशोर ठाकुर, भरतलाल टेम्भरे, शुभंम भालाधरे, छोटेलाल सोनवाने,बालक मेश्राम सिताराम नेवारे,सदाराम वाहने , यशोबा हरिनखेड़े सहित ग्राम के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। उपस्थित जनों को साफ-सफाई रखने, पानी जमा न होने देने, मच्छरदानी का उपयोग करने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को यह संदेश दिया गया कि यदि सभी लोग मिलकर स्वच्छता और सावधानी बरतें, तो डेंगू एवं मलेरिया जैसे गंभीर रोगों से बचाव संभव है।

आज पूर्व मंत्री स्व दिलीप भटेरे की 19 वी पुण्यतिथि

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के पूर्व विधायक व मप्र शासन के पूर्व कैबिनेट राजस्व मंत्री स्व.दिलीप भटेरे जी का उन्नीसवां पूण्य स्मरण पर श्रद्धांजली कार्यक्रम आज 6 मई को दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक स्व. भटेरे स्मृति स्थल बोलेगांव में आयोजित किया गया है। प्रति वर्ष भटेरे परिवार के द्वारा संगीतमय धार्मिक आयोजन करवाया जाता है। परिवार के द्वारा आज 6 मई को दोपहर 3 बजे से उक्त श्रृद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

पूर्व विधायक रमेश भटेरे सहित भटेरे परिवार ने की अपील

ग्राम बोलेगांव में स्व. दिलीप भटेरे स्मृति स्थल पर आयोजित उन्नीसवां श्रृद्धा पुण्य स्मरण कार्यक्रम में पूर्व विधायक रमेश भटेरे, ऋषिका भटेरे एवं श्रृद्धानवत भटेरे परिवार गंभा. धारेश्वरी दिलीप भटेरे, जागेश जयंती भटेरे (भ्राता), प्रेमलता योगेश कश्यप, नेहा दिनेश वर्मा, राजेश साधना भटेरे, राकेश प्रिया भटेरे, सुमीत, रूचा भटेरे, शिवानी, प्रियांशी, श्रीयांशी, प्राची, प्रज्ञा, राशि, सिद्धी, समृद्धि, ओजल, कार्तिकेय, रोहिताक्ष एवं समस्त भटेरे परिवार के द्वारा समस्त क्षेत्र वासियों से पूज्य बाबूजी के श्रृद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित होकर श्रृद्धा सुमन अर्पित करने हेतु आंमत्रित किया है।

लोजपा (रामविलास) के खेल एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ में जाबलपुर संभाग अध्यक्ष नियुक्त हुए संतोष श्रीवास

पद्मेश न्यूज। लांजी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के खेल एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ ने जबलपुर संभाग अध्यक्ष के पद पर संतोष श्रीवास को मनोनीत किया है। यह नियुक्ति 28 अप्रैल 2026 को जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से की गई। प्रदेश अध्यक्ष (मध्य प्रदेश) प्रवीण नापित द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है कि संतोष श्रीवास की असीम क्षमता और कुशल नेतृत्व से पार्टी अत्यधिक सशक्त होगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप शंकर शर्मा (लंकेश) के नेतृत्व में यह नियुक्ति की गई है। संतोष श्रीवास वार्ड 13, शिव मंदिर सुंदरटोला, लांजी, जिला बालाघाट के निवासी हैं। पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय 71, नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली से जारी इस पत्र ने स्थानीय स्तर पर उत्साह पैदा कर दिया है। पार्टी संस्थापक रामविलास पासवान की विरासत को मजबूत करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। श्री श्रीवास ने नियुक्ति स्वीकार करते हुए पार्टी को मजबूत बनाने का संकल्प जताया। इनके नियुक्ति पर इष्टमित्रों व क्षेत्र वासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

सरस्वती शिशु मंदिर में पांच दिवसीय नि:शुल्क समर कैंप का हुआ समापन

कमलेश साहू ने विद्यालय को 2.51 लाख का दिया दान

पद्मेश न्यूज। लांजी। सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में 1 मई से चल रहे नि:शुल्क समर कैंप के अंतिम दिन बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। नृत्य, स्पोकन इंग्लिश और विज्ञान प्रयोग के जरिए बच्चों ने मंच पर कमाल दिखाया।

5 मई 2026 को आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बारेलाल बड़घैया (अध्यक्ष, कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति), विजय रामटेक्कर (सचिव एवं खंड संघ चालक), छबिलाल मरठे (कोषाध्यक्ष), श्रीमती दुर्गा रामटेक्कर (सहसचिव), योगेश रामटेक्कर, कमलेश साहू सहित प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी और प्रधानाचार्य सदरूलाल बोहने मंचासीन रहे।

अतिथियों ने मां भारती और मां सरस्वती के चित्रों पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। तत्पश्चात वरिष्ठ आचार्य त्र्यंबक भगत ने पांच दिवसीय समर कैंप की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

बच्चों का दमदार प्रदर्शन

कार्यक्रम में खास आकर्षण रहे बच्चों की प्रस्तुतियां। कुमारी किंजल सातपुते, कुमारी अवनी सातपुते और कुमारी माधवी टेम्भरे ने बेहद सुंदर नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। कुमारी खुशी भालाधारे ने स्पोकन इंग्लिश में आत्म-परिचय दिया, वहीं लावण्या चन्ने ने जादू नहीं विज्ञान विषय पर रोचक प्रयोग कर दिखाया।

अतिथियों का मार्गदर्शन

योगेश रामटेक्कर ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, शिविर में आपको विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया गया है। इसे घर पर भी अभ्यास करें और परिवार, समाज व देश का नाम रोशन करें। मोबाइल और टीवी से दूरी बनाएं, खेलों को जीवन में महत्व दें। समरसता और सेवा भाव हमेशा बनाए रखें। श्रीमती दुर्गा रामटेक्कर दीदी ने बताया कि सरस्वती विद्यालय में पहली बार समर कैंप का आयोजन किया गया। बच्चों ने इसमें भरपूर आनंद लिया। उन्होंने कहा कि शारीरिक, बौद्धिक और मानसिक विकास के लिए ऐसे शिविर बहुत जरूरी हैं।

प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विभिन्न विद्यालयों से बच्चे शामिल हुए। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे।

2.51 लाख का दिया दान

कार्यक्रम में कमलेश साहू (जिला सचिव, विद्या भारती सरस्वती जनजाति संस्कार केंद्र बालाघाट) ने अपने माता-पिता खुशीयाल साहू और कमला साहू की ओर से सरस्वती विद्यालय में एक कमरा निर्माण के लिए 2 लाख 51 हजार रुपये का चेक कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति लांजी को प्रदान किया। इस उदार योगदान के लिए समिति और आचार्य परिवार ने साहू परिवार को हार्दिक बधाई दी।

अंत में सभी अतिथियों, बच्चों और अभिभावकों को स्वल्पाहार कराया गया।समर कैंप में आचार्य परिवार, समिति सदस्यों और बच्चों का उत्साहपूर्ण सहयोग रहा।

महाविद्यालय में कॉलेज चलो अभियान एवं प्रवेश मेला का हुआ आयोजन, मेधावी छात्र हुए सम्मानित

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय किरनापुर में 02/05/2026 को कॉलेज चलो अभियान एवं प्रवेश मेला का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को कॉलेज की गतिविधियों से अवगत कराना और उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना रहा।

उल्लेखनीय है कि कॉलेज चलो अभियान फेज-2 के अंतर्गत मुख्य आयोजन से पूर्व राष्ट्रीय सेवा योजना (हृस्स्) के स्वयंसेवकों द्वारा एक विशेष घर-घर संपर्क अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत एन एस एस के छात्र-छात्राओं ने किरनापुर क्षेत्र के विभिन्न गाँवों और मोहल्लों में जाकर कक्षा 12वीं के उत्तीर्ण विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से सीधा संवाद स्थापित किया। स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर विद्यार्थियों को महाविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें ऑनलाइन आवेदन आवश्यक दस्तावेज़ों और छात्रवृत्ति सहित संपूर्ण प्रवेश प्रक्रिया की सहज एवं सरल जानकारी प्रदान की। वहीं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।जिसमें किरनापुर क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से आए कक्षा 12वीं के टॉपर विद्यार्थियों को प्राचार्य द्वारा प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, प्राचार्य डॉ सुनीता जैन द्वारा कक्षा 12वीं की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को भी विशेष सम्मान प्रदान किया जिनमें माधवी बिसेन, आश्विनी निकुरसे, भाव्या निन्हावे, प्रीति रहांगडाले एवं हर्ष मेश्राम शामिल रहे। सभी सम्मानित विद्यार्थियों की अकादमिक उत्कृष्टता की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।इसी क्रम में द्धस्त्रह्र के प्रतिष्ठित युविका 2026 (युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम) के लिए चयनित अवनी नगपुरे को बालाघाट जिले का गौरव बढ़ाने के लिए महाविद्यालय परिवार द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने अवनी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।शिक्षा के प्रति समर्पण के इसी क्रम में महाविद्यालय के स्टाफ सदस्य खुपेंद्र सिंह चौहान के पुत्र को भी कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक अर्जित करने पर सम्मानित किया गया।

प्रवेश प्रक्रिया एवं करियर मार्गदर्शन

सम्मान समारोह के पश्चात डॉ तीरथ सिन्हा द्वारा सभी उपस्थित विद्यार्थियों को महाविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। छात्रों को ऑनलाइन आवेदन दस्तावेज़ सत्यापन और छात्रवृत्ति की प्रक्रिया के बारे में चरणबद्ध तरीके से समझाया गया।तत्पश्चात एक विशेष करियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया गया जिसमें वरेण्य सिरसाटे (सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र) द्वारा विद्यार्थियों को क्रस्ठ., क्रष्टश्द्ध. और क्क. स्नातक पाठ्यक्रमों के माध्यम से उपलब्ध करियर अवसरों के बारे में विस्तार से बताया गया। सत्र के दौरान पारंपरिक करियर विकल्पों के साथ-साथ भविष्य के उभरते क्षेत्रों पर भी विशेष चर्चा की गई। प्राध्यापकों ने छात्रों को ग्रीन एनर्जी (हरित ऊर्जा) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) डेटा साइंस बायोटेक्नोलॉजी डिजिटल मार्केटिंग और पर्यावरण विज्ञान जैसे नवीनतम और रोजगारपरक क्षेत्रों में करियर की अपार संभावनाओं से भी अवगत कराया। छात्रों को बताया गया कि ये सभी क्षेत्र उनके संबंधित स्ट्रीम के स्नातक कार्यक्रमों के साथ कैसे जुड़े हुए हैं और किस प्रकार वे इन क्षेत्रों में प्रवेश कर सकते हैं।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य समस्त शैक्षणिक स्टाफ एवं भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य महोदया ने सभी उपस्थित विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और उन्हें शासकीय महाविद्यालय किरनापुर में प्रवेश लेकर अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने एन एस एस स्वयंसेवकों के अथक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि घर-घर संपर्क अभियान ने जमीनी स्तर पर शिक्षा का संदेश पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मोहन कैबिनेट : विकास और जन-कल्याण के लिए 38,555 करोड़ की वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान

मप्र में बनेगा राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। कैबिनेट ने प्रदेश के विकास और जन-कल्याण के लिए 38 हजार 555 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान कीं। मध्यप्रदेश सरकार ने व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए बड़ा निर्णय लिया है। कैबिनेट ने 'राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड' और जिला स्तर पर समितियां बनाने को मंजूरी दी है, ताकि व्यापारियों की समस्याओं का जल्द समाधान हो सके और उनके विकास को बढ़ावा मिले। इस बोर्ड की अध्यक्षता मुख्यमंत्री मोहन यादव करेंगे। इसमें औद्योगिक नीति, एमएसएमई समेत कई विभागों के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहेंगे। साथ ही वित्त, कृषि, स्वास्थ्य, ऊर्जा, पर्यटन जैसे विभागों के प्रतिनिधि भी बोर्ड का हिस्सा होंगे।

बोर्ड में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, नाबार्ड, एनएचएआई और एफएसएसएआई जैसे संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके अलावा उद्योग संगठनों जैसे सीआईआई, एफआईसीसीआई और डीआईसीसीआई के प्रतिनिधियों को भी जोड़ा जाएगा। हर जिले में जिला स्तरीय समिति (छ्ररुष्ट) बनाई जाएगी, जिससे स्थानीय व्यापारियों की समस्याओं को वहीं हल किया जा सके। इन समितियों का गठन और कार्य तय करने की जिम्मेदारी सदस्य सचिव की होगी। राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड की बैठक साल में चार बार, यानी हर तीन महीने में होगी। वहीं जिला स्तरीय समितियों की बैठक हर महीने आयोजित की जाएगी। इस व्यवस्था से व्यापारियों और सरकार के बीच सीधा संवाद बनेगा। इससे व्यापार से जुड़ी दिक्कतें जल्दी दूर होंगी और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलने की उम्मीद है। इसमें विभिन्न विभागों के साथ अशासकीय सदस्यों को भी शामिल किया जाएगा। साथ ही निर्यात को बढ़ावा देने के लिए जिला स्तर पर भी समितियां बनाई जाएंगी, जिनमें सामाजिक और राजनीतिक प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा।

दलहन मिशन और विकास कार्यों को मंजूरी

मध्यप्रदेश सरकार ने दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन को अगले 5 साल तक जारी रखने के लिए 2442 करोड़ 4 लाख रुपये की मंजूरी दी है। इस योजना को लागू करने के लिए किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग को जरूरी नियम और दिशा-निर्देश तय करने का अधिकार दिया गया है। यह मिशन देशभर में दलहन उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से 11 अक्टूबर 2025 को शुरू किया गया था। इसका मकसद किसानों को बेहतर बीज उपलब्ध कराना, दलहनी फसलों का रकबा बढ़ाना और उत्पादन में वृद्धि करना है।

पीडब्ल्यूडी के लिए 32 हजार करोड़ स्वीकृत

लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत सडक् निर्माण, मरम्मत और शासकीय आवासों के अनुरक्षण के लिए कुल 32 हजार 405 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसमें सडक़ों और पुलों के रखरखाव के लिए 6 हजार 150 करोड़ रुपये, एफ टाइप और उससे नीचे श्रेणी के सरकारी आवासों के रखरखाव के लिए 1 हजार 345 करोड़ रुपये शामिल हैं। वहीं ग्रामीण सडक़ों और अन्य जिला मार्गों के निर्माण एवं उन्नयन के लिए 24 हजार 300 करोड़ रुपये तथा सडक् सुरक्षा से जुड़े कार्यों के लिए 610 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। ये सभी कार्य 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक संचालित किए जाएंगे।

आईटी सेक्टर को बढ़ावा देने 1295 करोड़ स्वीकृत

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए 1,295 करोड़ 52 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अंतर्गत भोपाल के बांदीखेड़ी क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर स्थापित किया जाएगा। साथ ही आईटी निवेश प्रोत्साहन के लिए 300 करोड़ रुपये तथा राज्य स्तरीय स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क के संचालन के लिए 526 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। इस योजना का उद्देश्य राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर के सरकारी कार्यालयों को आपस में जोडक़र संचार और सूचना के आदान-प्रदान को सुगम बनाना है।

आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण के लिए 1800 करोड़ खर्च होंगे

महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण और 'मिशन वात्सल्य' के संचालन के लिए कुल 2,412 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके तहत 1,500 नए आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण के लिए 1,800 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं समेकित बाल संरक्षण योजना के लिए 606 करोड़ 68 लाख रुपये और स्वच्छता एक्शन प्लान के लिए 5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस योजना के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को पोषण, शिक्षा, आश्रय और संरक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

मप्र के कई जिलों में बारिश, डिंडौरी में ओले गिरे

मौसम वैज्ञानिक बोले- 8 मई तक ऐसा ही रहेगा मौसम

भोपाल। मप्र में मंगलवार सुबह से धार, बड़वानी, झाबुआ सहित कई जिलों में बारिश हुई, वहीं दोपहर में डिंडौरी में ओले गिरे। प्रदेश में एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) एक्टिव है। वहीं, पास से दो ट्रफ भी गुजर रही हैं। इस वजह से कहीं ओले गिर रहे हैं तो तेज आंधी के साथ बारिश हो रही है। 8 मई तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा।

डिंडौरी जिले के मेहदवानी जनपद मुख्यालय में दोपहर में तेज आंधी तूफान आया। इससे एक पेड़ उखडक़र आजीविका दीदी कैफे के छप्पर पर गिर गया। इसमें किसी को चोट तो नहीं आई, लेकिन टीन शेड उखड़ गया। डिंडौरी में शाहपुरा के छीवली सहित कई गांवों में ओले गिरे और दो घंटे से बारिश जारी है। जिला मुख्यालय पर आंधी-तूफान रहा। ग्वालियर में दोपहर तेज रफ्तार में आंधी चली। बादलों के डेरे से धूप पूरी तरह गायब है। हवाओं में नमी के कारण वातावरण में ठंडक घुल गई है, जिससे स्थानीय लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली है।

आंधी-बारिश से किसानों की बढ़ी चिंता

झाबुआ जिले में आंधी के साथ बारिश का दौर शुरू हो गया है। अचानक बदले मौसम से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं गेहूं खरीदी केंद्रों में किसानों की परेशानी बढ़ गई है। खुले में रखी उपज को बचाने के लिए किसान भाग-दौड़ कर रहे हैं। कई केंद्रों में पर्याप्त इंतजाम नहीं होने से उपज के भीगने का खतरा बना हुआ है। किसानों का कहना है कि बारिश से फसल खराब होने का डर सता रहा है। प्रशासन से तुरंत इंतजाम करने की मांग की जा रही है, ताकि नुकसान कम हो सके। धार जिले के कुक्षी और टांडा में मंगलवार को 20 मिनट तक झमाझम बारिश हुई। इस दौरान आंधी भी चली। तापमान में गिरावट होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली।

यूसीसी लागू होने से पहले जनता से संवाद करेगी सरकार

- मप्र में मानसून सत्र में पेश हो सकता है समान नागरिक संहिता विधेयक

भोपाल। मप्र में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। यदि सभी तैयारियां समय पर पूरी हो जाती हैं, तो 2026 के विधानसभा के मानसून सत्र में यूसीसी से जुड़ा विधेयक पेश किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, सरकार का रुख कानून को सीधे लागू करने के बजाय समाज के विभिन्न वर्गों से सुझाव लेने का है। इन सुझावों पर विचार के बाद उन्हें विधेयक का हिस्सा बनाया जाएगा, ताकि व्यापक सहमति के साथ कानून को आगे बढ़ाया जा सके। इसके लिए सरकार जनता से संवाद करेगी।

मप्र में समान नागरिक संहिता जल्द लागू करने की तैयारी है। विधानसभा के मानसून सत्र में इससे जुड़ा विधेयक प्रस्तुत किया जा सकता है। इसका प्रारूप तैयार करने के लिए राज्य सरकार समिति बना चुकी है। अब राज्य सरकार यूसीसी पर नागरिकों को जागरूक करने के लिए इसके पक्ष में वातावरण बनाएगी। हर जिले में इसे लेकर संवाद और संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। भाजपा भी जनसंवाद करेगी। उत्तराखंड और गुजरात यूसीसी लागू कर चुके हैं। मध्य प्रदेश की परिस्थिति उन राज्यों से अलग है। यहां आदिवासी समुदाय लगभग 22 प्रतिशत है। इनकी अपनी अलग परंपराएं हैं। दोनों राज्यों ने आदिवासियों को कानून के दायरे से बाहर रखा है। संभावना यही है कि मध्य प्रदेश में भी ऐसा ही हो, क्योंकि इसे लेकर राजनीति होने की संभावना है। कांग्रेस ने अभी से प्रश्न उठाने शुरू कर दिए हैं।

विशेषज्ञ समिति और जनसंवाद से तैयार होगा ड्राफ्ट

संवेदनशील मामला होने के कारण सरकार भी सतर्क है और जोखिम नहीं लेना चाहती है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रसाद देसाई की अध्यक्षता में समिति बनाई। इसमें कानूनविद से लेकर शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को सदस्य बनाया। इसके साथ ही तय किया है कि जिलों में संवाद करके हर वर्ग के लिए यूसीसी के लाभ बताए जाएंगे। समिति भी आदिवासी सहित समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद करके फीडबैक लेगी। इसके बाद विधेयक का प्रारूप तैयार करके सरकार को अनुशंसा सहित दिया जाएगा। संभावना जताई जा रही है कि विधानसभा के अगस्त-सितंबर में होने वाले मानसून सत्र में प्रस्तुत कर दिया जाए।

पांच राज्यों के चुनाव में दिखा मप्र के नेताओं का दम

- सीएम डॉ. मोहन, शिवराज और सिंधिया उतरे थे मैदान में

भोपाल। देश के 5 राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में फिर भाजपा की बल्ले-बल्ले। पश्चिम बंगाल, असम और पंडुचेरी में भाजपा ने शानदार जीत हासिल की है। इन राज्यों में चुनाव प्रचार करने मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित कई नेता पहुंचे। इन राज्यों के चुनाव नतीजों पर मध्य प्रदेश के भाजपा और कांग्रेस नेताओं की भी नजर थी। चुनाव प्रचार में मध्य प्रदेश के नेताओं ने भी जबरदस्त पसीना बहाया। भाजपा ने करीब 33 नेताओं को चुनाव प्रचार और प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी थी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चैहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कई सीटों पर चुनाव प्रचार किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प. बंगाल की कई सीटों पर चुनाव प्रचार किया। मोहन यादव ने बांकुरा जिले में जनसभाओं को संबोधित किया। इसके अलावा कोलकाता के कमरहाटी क्षेत्र में उन्होंने अरूप चौधरी के लिए डोर टू डोर चुनाव प्रचार किया। वह खडगपुर सदर विधानसभा सीट पर भी प्रचार के लिए पहुंचे। इसके अलावा मोहन यादव ने मेदिनीपुर में भी चुनाव प्रचार किया।

मोहन यादव ने तमिलनाडु में भी किया प्रचार

मोहन यादव ने तमिलनाडु के नमक्कल, तिरूपुर जिलों के अलावा रासिपुरम, कोयंबटूर नार्थ में चुनाव प्रचार किया। पूर्व मुख्यमंत्री और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी प. बंगाल के चुनाव प्रचार में मोर्चा संभाला। शिवराज सिंह चौहान ने हुगली जिले के सिंगूर में प्रचार किया। इसके अलावा संदेशखाली में उन्होंने गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर, महर्षि बंकिम चंद्र चट्टोपायध्याय जैसे महापुरुषों को याद किया। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया प. बंगाल में चुनाव प्रचार किया।

मध्य प्रदेश कांग्रेस के इन नेताओं ने किया प्रचार

इसके अलावा पश्चिम बंगाल और असम में इलेक्शन मैनेजमेंट के लिए भाजपा ने मध्य प्रदेश के कई नेताओं को तैनात किया। भाजपा से सांसद आलोक शर्मा भोपाल, दर्शन सिंह नर्मदापुरम, बंटी विवेक साहू छिंदवाड़ा और कविता पाटीदार राज्यसभा सदस्य को प. बंगाल और असम भेजा गया। कांग्रेस ने भी अपने नेताओं की ड्यूटी लगाई। पूर्व सांसद अशोक अर्गल और केपी यादव, पूर्व विधायक गिरिराज दंडोतिया, कमलेश जाटव, भूपेंद्र आर्य, संजय शाह और रघुराज कंसाना। पूर्व अध्यक्ष, पर्यटन विकास निगम विनोद गोटिया के अलावा संगठन की तरफ से संदीप सरकार, नाथू सिंह गुर्जर, श्याम सुंदर शर्मा, हमीर सिंह सहित कई अन्य नेताओं को भी जिम्मेदारी सौंपी गई।

धन-धान्य योजना की जिम्मेदारी सौंपी आईएएस को

भोपाल। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मप्र में प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सरकार पूरी तरह तत्पर है। लेकिन कृषि विभाग में अधिकारियों-कर्मचारियों की कमी इस राह में बाधा बन रही है। ऐसे में प्रदेश सरकार ने धन-धान्य योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए बड़े फेरबदल करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। इस योजना के तहत मप्र के आठ कम उत्पादकता वाले जिलों अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, सीधी, अलीराजपुर, निवाड़ी, टीकमगढ़ एवं डिंडोरी के लिए 13 आईएएस अधिकारियों को तैनात किया गया है।

गौरतलब है कि मप्र सरकार वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है। कृषक कल्याण वर्ष में सरकार किसानों के लिए संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों के ढंग से क्रियान्वयन पर फोकस कर रही है, लेकिन कृषि विभाग में अमले की कमी योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधक बन रही है। विभाग में अमले की कमी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राज्य शासन ने विंध्याचल भवन स्थित कृषि संचालनालय में पदस्थ उप संचालक और सहायक संचालक संवर्ग के 13 अधिकारियों का एक साथ तबादला कर उन्हें केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के लिए चयनित जिलों में भेज दिया है। दरअसल, कृषि विभाग में अधिकारियों-कर्मचारियों की भारी कमी है। कृषि विभाग में करीब 14 हजार पद स्वीकृत हैं। अप्रैल, 2026 की स्थिति में स्वीकृत कुल पदों में से 7 हजार से अधिक पद रिक्त हैं। नई भर्ती नहीं होने और हर कर्मचारियों के रिटायर्ड होने से साल-दर-साल विभाग में कर्मचारियों की कमी होती जा रही है। करीब 10 साल से पदोन्नति पर रोक लगी होने से उच्च स्तर के पद प्रभारियों के भरोसे हैं। कृषि संचालनालय स्तर पर भी हालात इससे इतर नहीं हैं। प्रदेश में अपर संचालक के कुल 11 पदों में से 10 रिक्त हैं।

योजना को पटरी पर लाने की जिम्मेदारी

दरअसल, केंद्र सरकार ने अक्टूबर, 2025 में प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना शुरू की थी। इस योजना का उद्देश्य राष्ट्रीय दलहन मिशन, राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन, कृषि उत्पादकता और ग्रामीण समृद्धि को बढ़ावा देना है। इस योजना में 8 जिले अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, सीधी, अलीराजपुर, निवाड़ी, टीकमगढ़ एवं डिंडोरी को शामिल किया गया है। चूंकि कृषि विभाग में मैदानी अमले की भारी कमी है, इसलिए चयनित जिलों में धन-धान्य योजना के सुचारू संचालन के लिए भोपाल से अधिकारियों को भेजा गया है। इनका काम दूसरे अधिकारियों को सौंपा गया है। अधिकारियों का कहना है कि संचालनालय में नए सहायक संचालकों की पदस्थापना शुरू हो गई है। उनके विधिवत काम संभालने के बाद कामकाज पटरी पर आ जाएगा। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इन अफसरों के तबादले से धन-धान्य योजना का काम तो पटरी पर आ जाएगा, लेकिन चूंकि ये अधिकारी सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं और कार्यक्रमों का जिम्मा संभाल रहे थे, इसलिए इनके अचानक किए गए तबादलों से संचालनालय का काम फिलहाल प्रभावित हो रहा है।

अफसरों के पास थी 60 से अधिक योजनाओं की जिम्मेदारी

जिन अधिकारियों का संचानलानय से तबादला हुआ है, उनमें 5 उप संचालक संवर्ग और 8 सहायक संचालक संवर्ग के अधिकारी शामिल हैं। ये अधिकारी कृषि संचालनालय में सीए हेल्पालाइन, सीएम सीएस मॉनिट, कमल सुविधा केंद्र, शिकायत, आरकेवीवाय शाखा, जय किसा फसल ऋण माफी योजना शाखा से संबंधित कार्य, पेंशन शाखा, लिटिगेशन, अन्नपूर्णा, सूरजधारा, कपास शाखा से संबंधित कार्य, पौध संरक्षण, लघु सिंचाई, पंचायत एवं ग्रामीण विकास के कार्य, नलकूप खनन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मिलेट मिशन योजना शाखा से संबंधित कार्य, बीज शाखा, स्थापना शाखा से संबंधित कार्य, आत्मा शाखा से संबंधित कार्य, प्राकृति खेती से संबंधित कार्य, प्रक्षेत्र शाखा, राज्यसभा व लोकसभा से संबंधित कार्य, जैविक खेती, पीकेवीवाय जैसी 60 से अधिक योजनाओं और कार्यक्रमों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। जिन अफसरों का पदस्थ किया गया है उनमें संजय दोशी, उप संचालक को डिंडोरी, अवनीश चतुर्वेदी, उप संचालक को अनूपपुर, केएस यादव, उप संचालकको शहडोल, आरपीएस नायक, उप संचालक को डिंडोरी, हरीश मालवीय, उप संचालक को निवाडी, गोपाल पाटीदार, सहायक संचालक को शहडोल, श्याम चतुर्वेदी, सहायक संचालक को निवाडी, सतेंद्र सिंह रघुवंशी, सहायक संचालक को सीधी, बसंत माडरे, सहायक संचालक को अनुपपुर, रवि अमलियार, सहायक संचालक को टीकमगढ, रेहम डाबर, सहायक संचालक को अलीराजपुर, कृष्ण कुमार बडवाया, सहायक संचालक को डिंडोरी और कुलदीप शर्मा, सहायक संचालक को उमरिया शामिल हैं।

मप्र के दो राज्यसभा सांसदों को चुनावी झटका

भोपाल। मध्य प्रदेश से राज्यसभा में पहुंचे भाजपा के दो सांसदों को विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। केंद्रीय राज्यमंत्री जॉर्ज कुरियन केरल की कांजिराप्पल्ली सीट से चुनाव लड़े थे, जहां वे तीसरे स्थान पर रहे। उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार से करीब 29 हजार वोटों से हार मिली। इस सीट पर कांग्रेस के रोनी के बेबी विजयी रहे, जबकि केरल कांग्रेस के उम्मीदवार दूसरे स्थान पर रहे। इसी तरह भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय राज्यमंत्री एल. मुरुगन तमिलनाडु की अविनाशी (एससी) सीट से मैदान में थे, लेकिन उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा। इस सीट पर डीएमके उम्मीदवार ने बढ़त बनाकर जीत हासिल की।

बता दें, जॉर्ज कुरियन और एल. मुरुगन दोनों ही मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं। कुरियन का कार्यकाल जून 2026 तक है, जबकि मुरुगन का कार्यकाल 2030 तक जारी रहेगा। इन दोनों नेताओं को भाजपा ने अलग-अलग राज्यों में मजबूत उम्मीदवार के रूप में उतारा था, लेकिन चुनावी नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, इनकी हार का असर आने वाले राज्यसभा चुनावों और पार्टी की रणनीति पर भी पड़ सकता है। खास बात यह है कि मध्य प्रदेश से राज्यसभा की तीन सीटें जून 2026 में खाली होने वाली हैं, जिनमें दो भाजपा और एक कांग्रेस के पास है। कांग्रेस की ओर से दिग्विजय सिंह और भाजपा की ओर से सुमेर सिंह सोलंकी और जॉर्ज कुरियन का कार्यकाल भी उसी समय पूरा होगा।

अब एक बार में ही मिलेगा पूरा यूरिया

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए यूरिया वितरण को लेकर अहम फैसला लिया है। अब किसानों को दो बार के बजाय एक ही बार में पूरा यूरिया उपलब्ध कराया जाएगा।

सरकार ने यह व्यवस्था ई-विकास पोर्टल के जरिए लागू की है, जिसमें किसानों को उनकी भूमि के आधार पर टोकन जारी किए जाएंगे। इसी टोकन के माध्यम से किसानों को खाद मिलेगा, जिससे पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी ।बताया जा रहा है कि प्रदेश में फिलहाल करीब 15 लाख टन खाद उपलब्ध है और खरीफ फसलों के लिए इसका वितरण शुरू कर दिया गया है। वहीं पूरे सीजन में लगभग 18 लाख टन यूरिया की जरूरत का अनुमान है। गौरतलब है कि पहले अंतरराष्ट्रीय हालात और युद्ध के चलते सरकार ने यूरिया को दो चरणों में देने का फैसला लिया था, लेकिन अब स्थिति सामान्य होने पर यह फैसला बदल दिया गया है। सरकार के इस निर्णय से किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है, क्योंकि उन्हें अब बार-बार खाद लेने के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा।

सिंहस्थ के लिए पुलिस बना रही डिजिटल सेना, साइबर ठगों की खैर नहीं

- मप्र पुलिस और राज्य साइबर सेल ने दो हजार वालेंटियर्स तैयार करने का रखा लक्ष्य

भोपाल। सिंहस्थ महापर्व के भव्य आयोजन को लेकर मध्य प्रदेश के विभिन्न विभागों ने अपनी कमर कस ली है। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश पुलिस और राज्य साइबर सेल ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एक विशेष योजना तैयार की है। इस योजना के तहत साइबर वॉरियर्स की एक बड़ी टीम तैयार की जा रही है जो सिंहस्थ के दौरान आने वाले लाखों लोगों को डिजिटल ठगी से बचाने में मदद करेगी। वर्तमान समय में पुलिस के लिए साइबर अपराध एक बहुत बड़ी चुनौती के रूप में उभरा है और सिंहस्थ जैसे वैश्विक आयोजन में यह खतरा और भी बढ़ जाता है।

साइबर सेल इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत बड़े स्तर पर वालेंटियर्स को जोड़ रहा है। जानकारी के अनुसार इस प्रोजेक्ट के लिए अब तक एक हजार से अधिक छात्रों ने अपना पंजीकरण करा लिया है। विभाग ने कुल दो हजार वालेंटियर्स तैयार करने का लक्ष्य रखा है। इन छात्रों को साइबर अपराधों से निपटने और लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे मेला क्षेत्र में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालु केवल उज्जैन तक सीमित नहीं रहते, बल्कि इंदौर और ओंकारेश्वर जैसे धार्मिक केंद्रों की भी बड़ी संख्या में यात्रा करते हैं। इस यात्रा मार्ग पर श्रद्धालु विभिन्न कंपनियों की सेवाओं और सुविधाओं का लाभ लेते हैं, जिसका फायदा उठाकर साइबर ठग उन्हें अपना निशाना बना सकते हैं। विशेष रूप से बुजुर्गों और महिलाओं को इन ठगों से बचाने के लिए पुलिस ने विशेष कार्ययोजना बनाई है।

राज्य साइबर सेल इंदौर के एसपी सव्यचारी सराफ ने बताया कि साइबर अपराधों से निपटने के लिए कई स्तरों पर जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। इस साल शिवरात्रि के दौरान उज्जैन में एक सफल प्रयोग भी किया गया था, जहां मंदिर परिसर में विशेष कैंप लगाकर पीड़ितों की तुरंत एफआईआर दर्ज करने की व्यवस्था की गई थी। इसके साथ ही पोस्टरों और विज्ञापनों के जरिए लोगों को ठगी से बचने के तरीके सिखाए गए थे। सिंहस्थ के दौरान इस टीम के जगह जगह पर केंद्र होंगे, कोई भी इन केंद्रों पर किसी भी तरह से मदद मांग सकेगा। उसकी तुरंत मदद की जाएगी।

पूरे मेला क्षेत्र में तैनात रहेगी साइबर टीम

साइबर सेल की टीम वर्तमान में विभिन्न कॉलेजों के संपर्क में है ताकि सेवा के इच्छुक छात्रों को जोड़ा जा सके। ये वालेंटियर्स सिंहस्थ के दौरान पूरे मेला क्षेत्र में तैनात रहेंगे। इनका मुख्य कार्य संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना और तकनीकी रूप से कम जानकार श्रद्धालुओं को डिजिटल सुरक्षा के प्रति सचेत करना होगा।

बरगी क्रूज हादसा : 4 सदस्यीय कमेटी एसीएस होम की अध्यक्षता में करेगी जांच, 15 दिन में देगी रिपोर्ट

भोपाल । मध्यप्रदेश सरकार ने बरगी डैम में हुए क्रूज हादसे की जांच के लिए चार सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति गठित की है। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के अनुसार समिति पूरे मामले की विस्तृत जांच करेगी। समिति की अध्यक्षता अपर मुख्य सचिव (गृह) करेंगे, जबकि महानिदेशक होमगार्ड एवं पर्यटन विभाग के सचिव और जबलपुर संभाग के आयुक्त इसके सदस्य होंगे। समिति को 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। क्रूज के डूबने का कारण प्राथमिक जानकारी के अनुसार हादसा तेज हवा और आंधी के कारण होना माना जा रहा है, जिससे क्रूज असंतुलित हो गया और यात्री एक तरफ इकट्ठा हो गए, जिसके चलते क्रूज पलट गया और डूब गया। हालांकि सही कारण जांच के बाद ही सामने आएगा।

समिति हादसे के कारणों की गहराई से जांच करेगी और यह पता लगाएगी कि दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई। साथ ही क्रूज संचालन के दौरान सुरक्षा नियमों और नागरिक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन हुआ या नहीं, इसकी भी जांच होगी। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने के लिए सुझाव दिए जाएंगे। इस दर्दनाक हादसे में 13 लोगों की जान गई, जिनमें 8 महिलाएं, 4 बच्चे और 1 पुरुष शामिल हैं। बता दें क्रूज हादसे के बाद कई खुलासे हो रहे हैं। इसमें गंभीर लापरवाही सामने आ रही हैं, जैसे बिना बीमा और पर्यावरणीय अनुमति के क्रूज का संचालन तथा किसी आपात स्थिति में रेस्क्यू के पर्याप्त इंतजाम नहीं होना। सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए रिपोर्ट के आधार पर सख्त कार्रवाई के संकेत दिए हैं।

आज होगा सनराइजर्स और पंजाब किंग्स का मुकाबला

हैदराबाद । सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल 2026 के 49वें मैच में बुधवार को अपने घरेल मैदान में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स का मुकाबला करेगी। सनराइजर्स का लक्ष्य इस मैच में जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदार पक्की करना रहेगा। अभी वह 10 मैचों में छह जीत और चार हार के साथ ही वह अंक तालिका में अभी 12 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं।

वहीं दूसरी ओर नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स ने अपने 8 मैच जीते हैं जबकि एक मैच का परिणाम बारिश के कारण नहीं आया। जिससे उसके कुल 13 अंक हैं और वह शीर्ष पर है उसका लक्ष्य ये मैच भी जीतकर अपना स्थान बनाये रखना होगा। इससे पहले हुए मैच में पंजाब

ने मुल्लानपुर में हुए मुकाबले में सनराइजर्स को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। वहीं हैदराबाद की टीम उस हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जिससे ये मुकाबला तकरीबन बराबरी का है।

पंजाब के पास प्रभसिमरन सिंह , प्रियांश आर्य, कूपर कोनोली और कप्तान श्रेयस अय्यर जैसे बल्लेबाज हैं। वहीं अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन , हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में सनराइजर्स की कमान कप्तान पैट कमिंस के पास रहेगी, इसके अलावा उसके पासा हर्षल पटेल, साकिब हुसैन जैसे गेंदबाज भी हैं। हीं पंजाब के पास मार्को यानसन, जेवियर बार्टलेट, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल जैसे गेंदबाज हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 25 मुकाबले हुए हैं जिसमें से सनराइजर्स हैदराबाद ने 17 जबकि पंजाब किंग्स ने 8 जीते हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

सनराइजर्स हैदराबाद- पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, सलिल अरोड़ा, अनिकेत वर्मा, शिवांग कुमार, हर्षल पटेल, साकिब हुसैन

इम्पैक्ट प्लेयर- ईशान मलिंगा

पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), प्रियांश आर्य, कूपर कोनोली, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, नेहल वढेरा, मार्को यानसन, जेवियर बार्टलेट, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल

इम्पैक्ट प्लेयर- विजयकुमार वैशाक

चहल को केवल एक ओवर दिये पर हैरान हुए कैफ, पंजाब की रणनीति पर उठाये सवाल

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने स्पिनर युजवेंद्र चहल को कम गेंदबाजी दिये जाने की पंजाब किंग्स की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। । कैफ के अनुसार पंजाब को चहल की क्षमताओं पर भरोसा बनाये रखना चाहिये। कैफ के अनुसार गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में जिस प्रकार से चहल को कम गेंदबाजी मिली उससे मुझे हैरानी हुई है। इस मैच में पंजाब किंग्स को हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद से ही पंजाब की गेंदबाजी रणनीति पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। इसी को लेकर कैफ ने कहा था कि आईपीएल इतिहास के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक होने के बाद भी चहल को केवल एक ही ओवर दिये जाने पर उन्हें हैरानी हुई है जबकि वह अपनी कलात्मक लेग-स्पिन और विकेट लेने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। कैफ के अनुसार चहल ने आईपीएल में कुल 228 विकेट लिए हैं और उनका नाम सबसे अधिक विकेट लेने वालों में शामिल है।इसमें से उन्होंने काफी विकेट चिन्नास्वामी स्टेडियम जैसी सपाट पिचों पर लिए थे जहां गेंदबाजों को काफी कम सहायता मिलती है। हालांकि, कैफ ने पिच की स्थितियों को भी ध्यान में रखा और स्वीकार किया कि शायद पिच पर घास मौजूद होने के कारण टीम की रणनीति प्रभावित हुई हो। इसके बावजूद, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चहल जैसे असाधारण क्षमताओं वाले गेंदबाज में कठिन हालातों के अनुसार ढ़लने और विकेट लेने की क्षमताएं हैं। साथ ही कहा कि पंजाब को उन पर और ज्यादा भरोसा करने की जरूरत है।

कॉर्बिन बॉश के एक ही ओवर ने बदला मुम्बई और लखनऊ का मुकाबला

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस ने यहां हुए आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 200 रनों से बड़ा लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की जिसमें उसके गेंदबाज कॉर्बिन बॉश की भी अहम भूमिका रही। कॉर्बिन ने इस मैच में एक ओवर के अंदर ही दो विकेट लेकर मैच का रुख पलट दिया था। कॉर्बिन ने दो बेहतरीन बल्लेबाजों निकोलस पूरन और मिचेल मार्श के विकेट लेकर लखनऊ की रन गति रोक दी थी।

इस मैच में मुंबई ने 229 रनों का बड़ा लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की, लेकिन यह जीत इतनी आसान नहीं थी और एक समय लखनऊ एक बड़े स्कोर की ओर बढ़ रहा था। खासकर उनके दो विकेट, जिनकी कीमत करीब 75 लाख रुपये आंकी गई, ने सुपर जायंट्स की रन गति को रोक दिया जिससे वह 250 तक नहीं पहुंच पायी।

इसमें जब मुंबई के हाथ से मैच फिसलता दिख रहा था, तब कॉर्बिन ने गेंद संभाली थी। उस समय पूरन 20 गेंदों में 63 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि मिचेल ने 24 गेंदों में 44 रन बनाये थे।

कॉर्बिनकी गेंदबाजी से ही लखनऊ की रन गति रुक गयी। विशेषज्ञों के आकलन के अनुसार, कॉर्बिन बॉश द्वारा लिए गए इन दो विकेटों की कुल कीमत लगभग 75 लाख रुपये बैठती है। निकोलस पूरन का विकेट विशेष रूप से महत्वपूर्ण था, जिसकी कीमत ही अकेले लगभग 42 लाख रुपये आंकी गई। उनकी विस्फोटक पारी हर ओवर में 15 से 25 रनों का अतिरिक्त फर्क पैदा कर सकती थी। वहीं मार्श का विकेट लगभग 33 लाख रुपये का था। वह 25 गेंदों में 44 रन बनाकर क्रीज पर जम चुके थे और पूरन के साथ मिलकर टीम को स्थिरता प्रदान कर रहे थे। एक ही ओवर में इन दोनों खतरनाक बल्लेबाजों को आउट करने से लखनऊ 228 रन तक ही पहुंच पायी।

एवर्टन से मुकाबला 3-3 से ड्रॉ रहने से मैनचेस्टर सिटी की खिताब जीतने की संभावनाएं कम हुई

लंदन । इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल खिताब की दौड़ में मैनचेस्टर सिटी पिछड़ती जा रही है। एवर्टन के खिलाफ हुए मुकाबले के 3-3 से बराबरी पर रहने से भी अंक तालिका में उसे झटका लगा है। इससे उसके खिताब जीतने की उम्मीदें कम हुई हैं। इस ड्रॉ के साथ ही अब सिटी शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल क्लब से पाँच अंक पीछे है, जबकि उसे अब लीग में केवल एक ही मैच खेलना है। दूसरी ओर आर्सेनल को अभी अपने तीन मैच खेलने हैं, और यदि वे इन सभी मैचों में जीत हासिल कर लेते हैं, तो खिताब उन्हें मिल जाएगा।वहीं , मध्य तालिका में मौजूद एवर्टन के लिए यह ड्रॉ काफी महत्वपूर्ण था, इससे यूरोपीय क्वालिफिकेशन की उसकी उम्मीदें बरकरार रहेंगी।

इस मैच की शुरुआत में, मैनचेस्टर सिटी ने खेल पर पूरी तरह से दबाव बनाए

रखा। पहले 20 मिनट में अधिकतर समय गेंद सिटी के पास रही थी। वहीं एवर्टन की रक्षापंक्ति पर दबाव बना रहा। उसे पास पासिंग के साथ ही आक्रमण के अवसर कम मिले। वहीं 43वें मिनट में जेरेमी डोकू ने गोल दागकर सिटी को 1-0 से आगे कर दिया।

दूसरे हाफ में खेल में बदलाव आया और एवर्टन ने वापसी करते हुए सिटी के डिफेंस को तोड़ते हुए केवल 13 मिनट के अंदर ही तीन गोल कर मुकाबले को पूरी तरह पलट दिया। वहीं स्थानापन्न खिलाड़ी थिएर्नो बैरी ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे जबकि जेक ओब्रायन ने एक और गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। वहीं सिट ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 83वें मिनट में स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड के एक बेहतरीन गोल से अंतर 3-2 तक पहुंचाया। ,मैच इंजरी टाइम में मैच पहुंचने के बाद एवर्टन की जीत लगभग तय दिख रही थी। इसी दौरान स्टॉपेज टाइम के सातवें मिनट में, जेरेमी डोकू ने ए अपना दूसरा गोल कर मैच को 3-3 से बराबरी पर ला दिया।

निशिकोरी इस सत्र के बाद टेनिस को कहेंगे अलविदा

टोक्यो। जापान के दिग्गज पुरुष टेनिस खिलाड़ी केई निशिकोरी इस सत्र के अंत में खेल को अलविदा कह देंगे। रियो ओलंपिक में रजत पदक विजेता रहे निशिकोरी किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले पहले एशियाई पुरुष खिलाड़ी हैं। 36 साल के हो रहे निशिकोरी ने अपने संन्यास की योजना सोशल मीडिया में साझा की है। निशिकोरी ने कहा, मैंने इस सत्र के अंत में पेशेवर टेनिस से संन्यास लेना तय किया है। साथ ही कहा कि टेनिस उनका बचपन का जुनून रहा है। उन्होंने एटीपी टूर तक पहुंचने, शीर्ष स्तर के मुकाबले खेलने और शीर्ष 10 में जगह बनाने की अपनी उपलब्धि पर खुशी जतायी है। साथ ही कहा कि इस दौरान उन्हें प्रशंसकों का भी भरपूर प्यार मिला।

अपने करियर के बारे में बात करते हुए, निशिकोरी ने स्वीकार किया कि बार-बार लगने वाली चोटों ने उन्हें बहुत परेशान किया। ऐसे भी समय थे जब बार-बार चोट लगने की वजह से वह तनाव के कारण अवसाद ग्रस्त भी हुए हैं। जिससे मैं जैसा चाहता था वैसा नहीं खेल पाता था, उन्होंने कहा। इसके बावजूद, टेनिस के प्रति उनके प्रेम और एक मजबूत खिलाड़ी बनने के विश्वास ने उन्हें हमेशा कोर्ट पर वापस लौटने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इन सभी अनुभवों ने मेरी जिंदगी को बेहतर बनाया है और उसे आकार दिया है। मैं अपने परिवार और उन सभी का बहुत आभारी हूं जिन्होंने हर समय मेरा साथ दिया। निशिकोरी ने स्वीकार किया कि वह अब भी अपना खेल करियर जारी रखना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने गर्व के साथ कहा कि उन्होंने अपना सब कुछ दिया। उन्होंने अपनी यात्रा पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, मैं सच में इस रास्ते पर चलकर खुश हूं।

पूरन ने मुम्बई के खिलाफ अर्धशतक लगाकर बनाये ये रिकार्ड

लखनऊ । मुम्बई इंडियंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स के बल्लेबाज निकोलस पूरन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेलकर एक नया रिकार्ड बनाया है। पूरन ने इस मैच में केवल 16 गेंदों पर ही अर्धशतक लगाकर आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाया है। पूरन ने इससे पहले साल 2023 में भी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 15 गेंदों पर ही अर्धशतक लगाया था।

पूरन ने कुल 21 गेंदों पर एक चौके और 8 छक्कों के साथ ही 300 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। पूरन ने टीम की ओर से अब तक पांच सबसे तेज अर्धशतकों लगाये हैं।

इसके अलावा पूरन आईपीएल में 20 से कम गेंदों पर सबसे अधिक बार 50 रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। यह पांचवीं बार है जब पूरन ने यह कारनामा किया है, जो उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी शैली का प्रमाण है। सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 6 बार ये कारनामा किया है।

मुम्बई सबसे अधिक बार 200 से ज्यादा लक्ष्य हासिल करने वाली दूसरी टीम बनी

रॉयल्स और सनराइजर्स को पीछे छोड़ा

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 47 वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 6 विकेट से हराने के दौरान एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। ये लक्ष्य का पीछा करते हुए आईपीएल इतिहास में मुम्बई की अब तक कि सबसे यादगार जीत है। इस जीत के साथ ही मुम्बई 200 या उससे अधिक रनों के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल करने के मामले में राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद को पीछे छोड़ते हुए दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। मुम्बई ने सात बार 200 रनों से अधिक का लक्ष्य हासिल किया है जबकि रॉयल्स और सनराइजर्स के नाम ये छह-छह बार है। हालांकि, इस सूची में सबसे ऊपर पंजाब किंग्स का नाम दर्ज है, जिसने अविश्वसनीय रूप से 11 बार 200 या उससे अधिक के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया है। इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स ने निकोलस पूरन की आक्राम पारी की सहायता से निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 228 बनाये। इसके बाद मुबई ने रोहित शर्मा और रयान रिकल्टन की आक्रामक पारी से केवल 10.5 ओवरों में ही 143 रन बना दिये। लखनऊ के खिलाफ इस शानदार जीत के साथ मुम्बई ने आईपीएल में सातवीं बार 200 या उससे अधिक रनों के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया है।

हार्दिक के बाहर होते ही रोहित की मुम्बई इंडियंस में वापसी से उठे सवाल

मुम्बई । मुंबई इंडियंस में लगता है कि सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। ड्रेसिंग रूम में जारी टकराव का प्रभाव मैदान पर भी नजर आने लगा है। इससे टीम के प्रदर्शन पर भी प्रभाव पड़ा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए मैच में एक बार फिर ये देखने में आया है। इस मैच में कप्तान हार्दिक पंड्या के अचानक बाहर होने के बाद पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की मैच में वापसी पर भी सवाल उठे हैं।

सोमवारर रात हुए इस मैच में मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स को छह विकेट से हरा दिया हालांकि इस मैच में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर रही कि पिछले कुछ समय से लगातार चोटिल रहे रोहित अचानक ही अंतिम ग्यारह में शामिल हो गए, जबकि नियमित कप्तान पंड्या मैच से बाहर थे। रोहित ने इस मैच में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में ही छह चौके और सात छक्कों की सहायता से 84 रन बनाकर मुम्बई की जीत में अहम भूमिका निभाई।

इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर और क्रिकेट जानकारों के बीच यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि रोहित फिटनेस को लेकर जानबूझकर अंतिम ग्यारह से बाहर थे और जैसे ही पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को कार्यवाहक कप्तान बनाया गया, रोहित खेलने के तैयार हो गए। ये भी कहा जा रहा है रोहित, हार्दिक की कप्तानी में खेलने को लेकर सहज नहीं हैं। इसी लिए उन्होंने सूर्यकुमार की कप्तानी में वापसी की। इससे मुंबई इंडियंस में जारी मतभेद सामने आ गये हैं। कहा जा रहा है कि हार्दिक को कप्तानी से कई खिलाड़ी खुश नहीं हैं। इसी कारण टीम हार्दिक की कप्तानी में लगातार असफल ररही है और प्लेऑफ तक भी नहीं पहुंच पायी है। पिछले सत्र में भी यही हुआ था।

हालांकि पंड्या के अचानक मैच से बाहर होने के पीछे पीठ में अकड़न बताई गई है। सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन के बयान से ये अंदाजा होता है। रेयान ने कहा,कि उन्हें मैच के दिन ही दोपहर में हार्दिक की चोट का पता चला था। साथ ही कहा कि ये कितनी गंभीर है ये उन्हें जानकारी नहीं थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि हार्दिक अगले मैच में टीम के साथ होंगे। इससे पहले, कार्यवाहक कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के समय हार्दिक के चोटिल होने की पुष्टि की थी। सवाल यह है कि क्या यह चोट इतनी गंभीर थी कि हार्दिक को बाहर बैठना पड़ा, या इसके पीछे कोई और रणनीति काम कर रही थी, जिसने रोहित की वापसी का रास्ता साफ किया?

अब देखना है कि मुंबई इंडियंस टीम प्रबंधन कैसे इस आंतरिक संघर्ष को समाप्त करता है।

आईपीएल से काफी कुछ सीखने को मिल रहा - बेथेल

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के की ओर से खेल रहे इंग्लैंड के ऑलराउंडर जैकब बेथेल आईपीएल में खेलकर बेहद उत्साहित है। बेथेल का कहना है कि इस लीग से उसे काफी कुछ सीखने को मिला है और उसका आत्मविश्वास और अनुभव भी बढ़ा है। लीग में विराट कोहली जैसे अनुभवी बल्लेबाज से उसे लक्ष्य का पीछा करने की कला भी सीखने को मिली है। बेथेल का क्रिकेट सफर आसान नहीं रहा है। बारबाडोस की धूप भरी पिचों पर बल्ले और गेंद के साथ खेलते हुए बड़े हुए। वह इंग्लैंड गये। इसमें वारविकशायर के लिए खेले और 2021 में अपना पहला पेशेवर अनुबंध साइन किया। इसके बाद उन्हें इंग्लैंड की टीम में जगह मिली। बेथेल का कहना है कि आरसीबी में आने के बाद उन्हें विराट कोहली के अलावा रजत पाटीदार जैसे खिलाड़ियों के अलावा दिनेश कार्तिक से भी मिने का अवसर मिला। लीग में खेल की तेजी से भी वह प्रभावित हैं। वहीं कोचिंग टीम के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए, उन्होंने कोच एंडी फ्लावर की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि वह जरूरत पड़ने पर ही बोलते हैं और उनकी बात को सुनना महत्वपूर्ण होता है।

बुमराह पर भड़के गावस्कर बोले, नो बाल स्वीकार नहीं कर सकते

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे सुनील गावस्कर ने मुंबई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आड़े हाथों लिया है। गावस्कर का कहना है कि जिस प्रकार से बुमराह ने इस सत्र में 8 नो बाल की है उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। बुमराह ने 3 नो बाल तो लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ ही की थीं। गावस्कर के अनुसार वाइड बाल को एक बार गलती माना जा सकता है पर नो बाल नहीं। बुमराह आईपीएल 2026 में अब तक कुछ खास नहीं कर पाए हैं. उनको विकेट लेने में काफी संघर्ष करना पड़ा है। इसी कारण मुम्बई टीम का प्रदर्शन भी खराब रहा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में बुमराह ने हिम्मत सिंह को कैच आउट कराया पर गेंद नो बाल हो गयी। इसके बाद हिम्मत ने 40 रन बनाए और लखनऊ का स्कोर 220 के ऊपर पहुंचा दिया। गावस्कर ने बुमराह की आलोचना करते हुए कहा कि टी20 क्रिकेट में पेशेवर खिलाड़ियों का नो बाल फेंकना बिल्कुल भी स्वीका नहीं किया जा सकता है। गावस्कर ने कहा, मुझे फिर मत सिखाये। मुझे मत बताइए कि बुमराह ने नो-बॉल फेंकी है। यह स्वीकार्य नहीं है। आप एक पेशेवर क्रिकेटर हैं, यह स्वीकार्य नहीं है। वाइड गेंद समझ में आती है पर नो-बॉल नहीं।

गौरतलब है कि लखनऊ के खिलाफ भी बुमराह एक भी विकेट नहीं ले पाये और अपने ओवरों में उन्होंने 45 रन दे दिये। आईपीएल 2026 में बुमराह ने 10 मैचों में केवल तीन विकेट लिए हैं। यही कारण है कि मुंबई इंडियंस को कई मुकाबलों में हार कसा सामना करना पड़ा है। बुमराह डेथ ओवर्स में दबाव बनाते थे और मुम्बई को आगे रखते थे, पर इस बार ऐसा नहीं हो पाया जिससे विरोधी टीमों के बल्लेबाज हावी हो गये।

सुपर जायंट्स-मुम्बई इंडियंस मैच के बाद अंकतालिका में नहीं आया बदलाव

मुम्बई । मुंबई इंडियंस की टीम ने यहां लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में जीत दर्ज की है पर इसके बाद भी अंकतालिका में उसका स्थान नहीं बदला और वह नौवें स्थान पर ही बनी हुई है। मुंबई के इस सत्र में मिली इस तीसरी जीत ने 10 मैचों में 6 अंक हो गये हैं और वह , अंक तालिका में नौवें स्थान पर बनी हुई है। वहीं, लखनऊ की टीम नौ मैचों में केवल 4 अंकों के साथ ही तालिका में दसवें स्थान पर कायम है। अंक तालिका में पंजाब किंग्स की टीम ने 9 मैचों में 6 जीत और एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाने से मैच से 13 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 9 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक लेकर दूसरे नंबर पर है।

तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर हैदराबाद, राजस्थान और गुजरात की टीमें हैं, जिन्होंने 10-10 मैच खेलकर 6-6 जीत से 12-12 अंक हासिल किए हैं। बेहतर नेट रन रेट के आधार पर सनराइजर्स अंक तालिका में इनमें सबसे ऊपर है। सातवें नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स है, जबकि आठवें स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स की टीम है।

जैमिमा को टी20 विश्वकप में नंदानी के बेहतर प्रदर्शन करने का भरोसा

मुम्बई। आगामी टी20 विश्वकप के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल उभरती हुई खिलाड़ी नंदानी शर्मा पर सभी की नजरें रहेंगी। टी20 विश्वकप 12 जुलाई से इंग्लैंड में खेला जाएगा। इसी को लेकर भारतीय टीम अभी तैयारियों में लगी है। टीम की आक्रामक बल्लेबाज जैमिमा रोड्रिग्स को उम्मीद है कि नंदानी बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। जैमिमा के अनुसार हाल के दिनो में नंदानी ने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा खेला है जिसे अब अब बरकरार रखने पर ध्यान देंगी। जेमिमा ने नंदानी की क्षमताओं पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा है कि वह शीघ्र ही टीम के अनुरुप ढ़ल जाएंगी। नंदानी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में जैमिमा की कप्तानी में खेला था। लीग में नंदानी ने अपनी प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था। नंदानी ने अपन पहले ही डब्ल्यूपीएल लीग में हैट्रिक लगायी थी। उन्होंने पूरे सत्र में सबसे अधिक 17 विकेट लिए थे। ये प्रतियोगिता में किसी खिलाड़ी के सबसे अधिक विकेट रहे है। इसी अच्छे प्रदर्शन और अमनजोत कौर व काशवी गौतम जैसे खिलाड़ियों के बाहर होने से नंदानी को टीम को जगह मिली है। मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने नंदानी का स्वागत करते हुए उनके घरेलू क्रिकेट और डब्लयूपीए में प्रदर्शन की सराहना की।

लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच लैंगर ने माना, ऋषभ रन नहीं बना पा रहे

मुम्बई। लखनऊ सुपर जायंट्स टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में बेहद खराब रहा है और टीम इसी कारण अंतिम स्थान पर है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी उम्मीद के अनुरुप नहीं रही है। इसी कारण टीम मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में 200 से अधिक रन बनाने के बाद भी अपने स्कोर का बचाव नहीं कर सकी। टीम के खराब प्रदर्शन के पीछे कप्तान ऋषभ पंत का रन न बनाना भी एक बड़ा कारण रहा है। वहीं मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार के बाद कोच जस्टिन लैंगर ने भी माना है कि कप्तान का फार्म ठीक नहीं है।

मुंबई के खिलाफ अभ्यास मैच में उन्होंने रन बनाये थे पर मैच के दौरान वह विफल रहे। इस मैच में उन्होंने जोश इंग्लिस को मिचेल मार्श के साथ पारी शुरु करने भेजा था। वहीं निकोलस पूरन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे। ऋषभ चौथे नंबर पर उतरे पर वह केवल 15 रन ही बना पाये। इसी को लेकर लैंगर ने कहा कि मैच से दो दिन पहले हुए एक अभ्यास सत्र में कप्तान ने 30 से 40 गेंदों में तेजी से 95 रन बनाए थे। लैंगर ने कहा, हमने दो दिन पहले एक अभ्यास मैच खेला था, और उसमें कप्तान ने शायद 40 या 30 गेंद में 95 रन बनाए थे।उन्होंने ऋषभ की क्षमताओं की तारीफ करते हुए कहा, वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, हम जानते हैं। हमने उन्हें टेस्ट क्रिकेट में पांचवें नंबर पर टीमों को तबाह करते देखा है। कोच ने यह भी जोड़ा कि उन्हें लगा था कि सात दिनों के ब्रेक के बाद और प्रैक्टिस में पंत के शानदार प्रदर्शन के चलते, मैच में उनका प्रदर्शन टीम के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

जोकोविच सहित शीर्ष खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन से पहले इनामी राशि सहित कई मामलों को लेकर नाराजगी जतायी

पेरिस। नोवाक जोकोविच, यानिक सिनर, आर्यना सबालेंका और कोको गॉफ सहित कई स्टार खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले इनामी राशि के अलावा कई अहम मुद्दों को लेकर चिन्ता जतायी है। फ्रेंच ओपन इसी माह 24 मई से पेरिस में खेला जाएगा। ऐस में टूर्नामेंट से पहले शीर्ष खिलाड़ियों की नाराजगी से आयोजकों की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। विरोध कर रहे खिलाड़ियों का कहना है कि पुरस्कार राशि ही नहीं बेहतर प्रतिनिधित्व के आलावा खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और पेंशन जैसे मामलों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिये। इन खिलाड़ियों के अनुसार ग्रैंड स्लैम जैसे बड़े आयोजनों में खिलाड़ियों की मेहनत और योगदान को जितनी मान्यता मिलने चाहिये वह नहीं मिल रही है।

फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने हालांकि कुछ समय पहले इनामी राशि 10 फीसदी बढ़ा दी थी पर खिलाड़ी इससे संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि यह वृद्धि आयोजकों को टूर्नामेंट से हो रही रही बढ़ती कमाई के मुकाबले काफी कम है। इन स्टार खिलाड़ियों ने एक संयुक्त बयान जारी कर आरोप लगाया है कि टूर्नामेंट के कुल राजस्व में खिलाड़ियों की हिस्सेदारी लगातार घट रही है। उनके आंकड़ों के अनुसार, जहां 2024 में यह हिस्सा 15.5फीसदी थी वही अब घटकर 14.9 फीसदी रह गयी है। साथ ही कहा कि 2025 में फ्रेंच ओपन का कुल राजस्व 395 मिलियन यूरो तक पहुंच गया था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 14 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि थी। इसके विपरीत, इनामी राशि में केवल 5.4 फीसदी की मामूली वृद्धि हुई, जिसके परिणामस्वरूप खिलाड़ियों की हिस्सेदारी और कम होकर मात्र 14.3 फीसदी रह गई।

राष्ट्रपति से मिले भगवंत मान, बोले– संविधान का मजाक बना

आप छोड़ बीजेपी में शामिल सांसदों पर विवाद

नई दिल्ली। पंजाब की राजनीति में उथल-पुथल के बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर आम आदमी पार्टी (आम आदमी पार्टी) के छह राज्यसभा सांसदों के भारतीय जनता पार्टी (भारतीय जनता पार्टी) में शामिल होने के मुद्दे पर कड़ा विरोध जताया।

मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में सीएम भगवंत मान ने कहा कि कुछ सांसदों द्वारा पार्टी बदलना लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान की भावना के खिलाफ है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि पूरी पार्टी दो-तिहाई बहुमत से विलय करती है तो यह स्वीकार्य हो सकता है, लेकिन, सिर्फ 6-7 लोगों का ऐसा कदम मनमानी है।

मुख्यमंत्री मान ने आरोप लगाया कि पंजाब में भाजपा के केवल 2 विधायक हैं, लेकिन राज्यसभा में उसके 6 सदस्य हो गए हैं, जो 卐संविधान का मजाक卐 है। उन्होंने

इस मुद्दे पर 卐राइट टू रिकॉल卐 जैसे संवैधानिक संशोधन की भी मांग उठाई। उल्लेखनीय है कि भगवंत मान अपने साथ लगभग 90 विधायकों को लेकर दिल्ली पहुंचे थे।

वहीं दूसरी ओर, आप छोड़ भाजपा में शामिल हुए नेताओं, राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने भी राष्ट्रपति से मुलाकात कर अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी छोड़ने के बाद उन्हें पंजाब की सरकारी मशीनरी के जरिए निशाना बनाया जा रहा है। राघव चड्ढा ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आप बदले की राजनीति कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह 卐खतरनाक खेल卐 है और इसके परिणाम भी गंभीर हो सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा, 卐आप के पास एक राज्य की पुलिस है, जबकि हमारे पास 21 राज्यों की पुलिस है,卐 जिसे लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है।

इस पर पलटवार करते हुए भगवंत मान ने सवाल उठाया कि क्या यह बयान विपक्ष को डराने के लिए दिया गया है। उन्होंने कहा कि 卐कानून अपना काम करेगा卐 और किसी के खिलाफ कार्रवाई केवल कानूनी प्रक्रिया के तहत ही होगी। इस पूरे घटनाक्रम ने पंजाब सहित राष्ट्रीय राजनीति में दल-बदल, संवैधानिक प्रावधानों और राजनीतिक नैतिकता पर नई बहस छेड़ दी है।

बंगाल में नई सरकार का शपथग्रहण 9 मई को

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी/चेन्नई। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे सोमवार को आ चुके हैं। बंगाल के इतिहास में पहली बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के मुताबिक नई सरकार का शपथग्रहण 9 मई को होगा। इसी दिन रवींद्र नाथ टैगोर की 165वीं जयंती है। दरअसल बांग्ला कैलेंडर के मुताबिक यह तिथि 25 वैशाख को होती है। जो आमतौर पर मई के दूसरे हफ्ते में पड़ती है। शपथग्रहण में कौन-कौन आएगा, सीएम कौन होगा, अभी इनका खुलासा नहीं हुआ है।

इधर, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने बताया कि इस्तीफा राज्य के गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के ऑफिस भेजा गया है। विधानसभा चुनाव में 59 सीटें जीतने के बाद स्टालिन ने कहा कि डीएमके एक मजबूत विपक्षी पार्टी के तौर पर काम करेगी।

देश की 78 प्रतिशत आबादी और 72 प्रतिशत भूभाग पर अब भाजपा+ का राज

गंगासागर से कन्याकुमारी तक पांच राज्यों के चुनावी नतीजों ने भाजपा विरोधी राजनीति के बड़े 'पॉवर सेंटर्स' को बड़ा झटका दिया है। ममता बनर्जी और एमके स्टालिन भाजपा को चुनौती देने वाले प्रमुख चेहरे थे। बंगाल (42) और तमिलनाडु (39) लोकसभा की 81 सीटें तय करते हैं। इनके ढहने से इंडिया गठबंधन पिछड़ गया। केरल में कांग्रेस की जीत उसे राहत देती है, लेकिन यह बढ़त विपक्ष में नई खींचतान शुरू करेगी। अब विपक्ष की लड़ाई सत्ता की नहीं, प्रासंगिकता बचाने की हो गई है।

श्योपुर में सरकारी जमीन विवाद में दो गुटों में खूनी संघर्ष

24 लोग घायल, 8 की हालत गंभीर

श्योपुर /वीरपुर। सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात वीरपुर थाना क्षेत्र के नेहलापुरा गांव में सरकारी जमीन पर कब्जे को लेकर दो गुटों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। रावत और जाटव समाज के लोगों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। घटना के दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जमकर लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी से हमला किया। इतना ही नहीं, पथराव भी हुआ जिससे हालात और बिगड़ गए। इस हिंसा में कुल 24 लोग घायल हो गए, जिनमें महिला और पुरुष दोनों शामिल हैं। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, नेहलपुरा गांव में सरकारी जमीन पर कब्जे को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद ने सोमवार रात उग्र रूप ले लिया और दोनों गुट आमने-सामने आ गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण हटाना प्रशासन की जिम्मेदारी है, लेकिन संबंधित अधिकारी समय रहते कार्रवाई नहीं करते। हल्का पटवारी से लेकर तहसील स्तर तक ढिलाई के कारण इलाके में सरकारी जमीनों पर कब्जे बढ़ते जा रहे हैं। वीरपुर क्षेत्र में कई कीमती जमीनें दबंगों के कब्जे में होने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। मामले में वीरपुर पुलिस कार्रवाई कर रही है और पूरे घटनाक्रम की जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

नतीजों के बाद सरकार गठन की तैयारी

बंगाल में शाह तो असम में नड्डा बने पर्यवेक्षक

नई दिल्ली। भाजपा आलाकमान ने दोनों अहम राज्यों में विधायक दल के नए नेता के चयन के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों और सह-पर्यवेक्षकों के नामों की आधिकारिक घोषणा कर दी। पश्चिम बंगाल जैसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील और महत्वपूर्ण राज्य में यह बड़ी जिम्मेदारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दी गई है।

वहीं, पूर्वोत्तर के सबसे अहम राज्य असम के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इन दोनों दिग्गज नेताओं के साथ-साथ दो राज्यों के मौजूदा मुख्यमंत्रियों को भी बतौर सह-पर्यवेक्षक जोड़ा गया है, ताकि स्थानीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए सही फैसला लिया जा सके। अमित शाह के साथ किसे मिली है यह अहम जिम्मेदारी? पश्चिम बंगाल हमेशा से ही भाजपा के लिए एक प्रमुख राजनीतिक रणभूमि रहा है। यहां विधायक दल का नेता चुनने की प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और सर्वसम्मति से निपटाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया गया है। उनके इस काम में पूरी मदद करने के लिए ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को केंद्रीय सह-पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। अमित शाह की गहरी रणनीतिक समझ और मोहन चरण माझी का अनुभव मिलकर बंगाल में भाजपा के विधायकों के बीच से एक मजबूत नेता का चुनाव करेंगे, जो विधानसभा में पार्टी की आवाज को पूरी ताकत के साथ उठा सके।

असम में भी भाजपा ने अपने संगठन को एकजुट रखने और एक योग्य नेता के चुनाव के लिए कड़े और ठोस कदम उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को असम में पार्टी के विधायी दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके साथ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को केंद्रीय सह-पर्यवेक्षक बनाया गया है। यह दोनों वरिष्ठ नेता असम जाकर सभी नवनिर्वाचित विधायकों के साथ सीधी बैठक करेंगे और उनकी राय जानने के बाद ही विधायक दल के नेता के नाम पर अंतिम मुहर लगाएंगे। इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया से पार्टी के भीतर किसी भी तरह की गुटबाजी को रोकने में मदद मिलेगी।

अवैध उत्खनन से ट्रांसमिशन टावरों की नींव हुई कमजोर

भोपाल। प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच आने वाले संभावित आंधी-तूफान ने ऊर्जा विभाग की नींद उड़ा दी है। प्रदेश की जीवनरेखा कही जाने वाली हाइटेंशन ट्रांसमिशन लाइनों पर प्रकृति से ज्यादा मानवीय लालच भारी पड़ रहा है। प्रदेश भर में बिछे करीब 90,000 ट्रांसमिशन टावरों के आसपास बढ़ते अवैध उत्खनन ने मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के सुरक्षा दावों की पोल खोल दी है।

हैरानी की बात यह है कि जिन क्षेत्रों में फोरलेन सड़कों का निर्माण हुआ है, वहां ठेकेदारों द्वारा टावरों के आसपास की सुरक्षात्मक मिट्टी और मुरम को अवैध रूप से खोदकर निर्माण कार्यों में खपा दिया गया है। ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, सतना और शाजापुर जैसे शहरों के आसपास स्थिति सबसे भयावह है। इसके अलावा नदियों और जलाशयों के किनारे स्थित टावरों के नीचे से भी रेत माफियाओं ने गहरी खुदाई कर दी है, जिससे टावरों की संरचनात्मक मजबूती खतरे में पड़ गई है।

4,500 टावर प्रभावित हुए तो प्रदेश में होगा ब्लैकआउट

ऊर्जा विशेषज्ञों के मुताबिक ट्रांसमिशन टावर पूरी तरह जमीन की पकड़ पर आधारित होते हैं। यदि नींव के पास से मिट्टी हटाई जाती है, तो तेज हवाओं के दबाव में टावर झुक सकता है या गिर सकता है। यदि कुल टावरों में से मात्र पांच प्रतिशत (करीब 4500 टावर) भी इस अवैध खुदाई के कारण प्रभावित होते हैं, तो पूरे प्रदेश का ग्रिड असंतुलित हो सकता है। यह स्थिति न केवल स्थानीय बिजली कटौती, बल्कि बड़े स्तर पर ग्रिड फेल्योर का कारण बन सकती है।

शिकायतों को किया दरकिनार

इस संकट के पीछे ट्रांसमिशन अधिकारियों की गंभीर लापरवाही सामने आई है। सतना और शुजालपुर जैसे क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर बार-बार शिकायतें मिलने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने समय पर निरीक्षण नहीं किया। नतीजा यह हुआ कि साधारण ग्रेवल चोरी से शुरू हुआ मामला अब टावरों की नींव खोदने तक पहुंच गया है।

इन जिलों में रेड अलर्ट जैसी स्थिति

ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के ग्वालियर और आसपास के फोरलेन कारिडोर, मध्य क्षेत्र के शाजापुर, शुजालपुर, मंदसौर, बड़वाह, विंध्य एवं बुंदेलखंड क्षेत्र के सतना, सीधी, सिंगरौली, छतरपुर, दमोह, महाकौशल क्षेत्र के जबलपुर, अनूपपुर, शहडोल, मंडला जिले शामिल हैं।

ट्रांसको का अब शुरू होगा अभियान

ट्रांसको मुख्यालय ने सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को संवेदनशील टावरों की सूची बनाने और जिला प्रशासन के समन्वय से क्रैश प्रोग्राम चलाने के निर्देश दिए हैं। विभाग अब युद्ध स्तर पर सर्वे कर इन गड्ढों को भरने और अवैध उत्खनन करने वालों पर एफआइआर दर्ज कराने की तैयारी में है। डीके अग्रवाल, मुख्य अभियंता, एक्स्ट्रा हाइ टेंशन लाइन मेंटेनेंस, मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी का कहना है कि हां, मध्यप्रदेश के अनेक हिस्सों में इस तरह ट्रांसमिशन टावर के नजदीक अवैध उत्खनन की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। जिससे ट्रांसमिशन टावर कमजोर हो गए हैं, जो आंधी तूफान या अधिक वर्षा में ध्वस्त हो सकते हैं जिससे लंबे समय तक विद्युत व्यवधान हो सकता है। ट्रांसमिशन कंपनी स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर इस पर प्रतिबंध लगाने के लिए प्रयासरत है।

अब हर क्रूज साइट पर बनेगा कंट्रोल रूम

भोपाल। जबलपुर के बरगी बांध में हुए क्रूज हादसे के बाद मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए नई योजना पर काम शुरू किया है। पूरा फोकस इस बात पर है कि मौसम खराब होने की वजह से दोबारा ऐसा हादसा न हो। विभाग रियल-टाइम मौसम फोरकास्ट सिस्टम पर काम कर रहा है, जिसके तहत हर क्रूज साइट पर कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे, ताकि मौसम की तत्काल और सटीक जानकारी मिल सके।

मप्र पर्यटन विभाग के जल क्रीड़ा सलाहकार राजेंद्र निगम ने बताया कि इसके लिए भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) से समन्वय किया जा रहा है, खासतौर पर वाटर टूरिज्म के लिए। साथ ही विभाग की आईटी टीम एक विशेष मोबाइल एप तैयार करेगी, जिसमें लाइव मौसम अलर्ट और सुरक्षा से जुड़ी जानकारी उपलब्ध होगी। बरगी हादसे की वजहों का भी विश्लेषण किया जा रहा है, ताकि नई एसओपी में जरूरी सावधानियां जोड़ी जा सकें। जल पर्यटन के क्षेत्र में क्रूज संचालन से विभाग को बरगी में सर्वाधिक कमाई होती रही है।

मानदेय के लिए चार माह से भटक रहीं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता

बालाघाट में प्रशासनिक उदासीनता पर उठे गंभीर सवाल

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिले की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता इन दिनों अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना कर रही हैं। पिछले चार महीनों में केवल एक बार मानदेय मिलने के बाद से सैकड़ों कार्यकर्ताओं के सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना तक मुश्किल हो गया है। हालात इतने गंभीर हैं कि कई कार्यकर्ता कर्ज लेकर घर चला रही हैं। तो कुछ को बुनियादी जरूरतों में कटौती करनी पड़ रही है।

आंगनवाड़ी केंद्रों में कार्यरत ये महिलाएं ग्रामीण और शहरी गरीब तबकों से आती हैं। जो बेहद कम मानदेय पर शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करती हैं। बच्चों के पोषण, गर्भवती महिलाओं की देखभाल और टीकाकरण जैसे जिम्मेदार कार्यों का निर्वहन करने वाली इन कार्यकर्ताओं को समय पर मानदेय न मिलना न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है। बल्कि उनके मनोबल पर भी असर डाल रहा है।कार्यकर्ताओं का आरोप है कि वे लगातार जिला प्रशासन से मानदेय भुगतान को लेकर जवाब मांग रही हैंमलेकिन हर बार उन्हें टालमटोल का सामना करना पड़ता है। पहले देरी का कारण भोपाल स्तर पर पोर्टल संबंधी तकनीकी कार्य बताया गया। हालांकि यह प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद भुगतान शुरू नहीं हुआ। अब जिला कार्यक्रम अधिकारी के अवकाश पर होने को वजह बताया जा रहा है। जिससे स्थिति और अधिक अस्पष्ट हो गई है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस गंभीर समस्या के बावजूद अब तक कोई भी सामाजिक या कर्मचारी संगठन खुलकर इन आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के समर्थन में सामने नहीं आया है। इससे कार्यकर्ताओं में उपेक्षा और निराशा की भावना बढ़ रही है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं लेकिन इसके बदले उन्हें समय पर उनका हक भी नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द लंबित मानदेय का भुगतान किया जाए और देरी के वास्तविक कारणों को सार्वजनिक किया जाए। ताकि भविष्य में इस तरह की स्थिति दोबारा न उत्पन्न हो।

फिलहाल, मानदेय को लेकर जारी यह असमंजस और प्रशासनिक चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। यदि जल्द समाधान नहीं निकला, तो यह मुद्दा बड़े आंदोलन का रूप ले सकता है।

नौरादेही टाइगर रिजर्व में होगी चीतों की शिफ्टिंग

- टाइगर रिजर्व के मैदानी अमले को किया जा रहा है प्रशिक्षित

भोपाल। चीतों के तीसरे घर वीरांगना रानी दुर्गावती (नौरादेही) टाइगर रिजर्व में चीतों के आगमन को लेकर तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। चीतों के लिए जो निर्माण कार्य किए जा रहे हैं, वो तो अलग बात है। लेकिन पहली बार चीतों से रूबरू होने जा रहे इस इलाके के लोगों को चीता, चीते के स्वभाव की जानकारियां देने के लिए टाइगर रिजर्व प्रबंधन चीता चौपाल लगाने जा रहा है। इसके लिए बाकायदा टाइगर रिजर्व के मैदानी अमले को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के बाद ये वनकर्मी टाइगर रिजर्व से जुड़े 150 गांव में चीता चौपाल लगाएंगे और लोगों को चीते के बारे में समझाएंगे। चीते के व्यवहार, चीतों से जंगल को होने वाले फायदे, चीतों के कारण पर्यटन व्यवसाय बढ़ने से मिलने वाले रोजगार की जानकारी देंगे।

वनकर्मियों की ड्यूटी अलग तरह की होती है। उनका ज्यादातर वक्त जंगल में गुजरता है और रहवासी इलाकों से कम संपर्क होता है। ऐसे में कई बार वनकर्मियों और आम लोगों के बीच संवादहीनता की स्थिति बन जाती है। जो वनकर्मियों और आम जनता के लिए परेशानी का कारण बनती है। नौरादेही टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह बताते हैं कि, आमतौर पर वनकर्मी और खासकर फ्रंटलाइन स्टाफ फारेस्ट गार्ड, फारेस्टर या सुरक्षा श्रमिक होते हैं। इनका काम पेट्रोलिंग करना, आब्जर्वेशन और फिर जंगल में होने वाले विकास कार्य करवाना होता है। जंगल में रहने के कारण आम लोगों के साथ उनका संपर्क कम हो जाता है। लेकिन जैसे-जैसे समाज में परिस्थितियां बदल रही हैं। नौरादेही टाइगर रिजर्व में जो चुनौतियां तो नहीं आयी, लेकिन मध्य प्रदेश के दूसरे वन क्षेत्रों में देखने मिलता है कि वन्यप्राणी कई बार ग्रामीण इलाकों में रहवासी क्षेत्रों में निकल जाते हैं। ऐसे में वहां मानव द्वंद्व की परिस्थितियां बनती है। ऐसे में हमें लगता है कि समुदाय के लोगों को वन और वन्यप्राणियों से जुड़े विषयों पर जागरूक करना और अपने साथ लाना है। तो इन सब चीजों के लिए हमें बेहतर संवाद स्थापित करने की जरूरत है।

पब्लिक स्पीकिंग के लिए प्रशिक्षण

रजनीश कुमार सिंह बताते हैं कि नौरादेही टाइगर रिजर्व में इसी सोच को ध्यान रखते हुए वनरक्षक, डिप्टी रेंजर और सुरक्षा श्रमिकों को पब्लिक स्पीकिंग की ट्रैनिंग शुरू की गयी है। इसके लिए दो हफ्ते पहले एक प्रशिक्षण स्तर शुरू किया था, जिसमें भोपाल से स्पेशलिस्ट और पेंच टाइगर रिजर्व के कुछ वन्यकर्मियों को बुलाया गया था। पूरे दिन में बताया गया कि कैसे गांव के बच्चे, लोगों और महिलाओं से बात करें। वनों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को कैसे समझाएं, वैज्ञानिक तथ्यों को कैसे सरल भाषा में बताएं। इन सारी चीजों को बताने के बाद हमारे 42 कर्मचारियों ने खुद प्रजेंटेशन दिया। इसका उद्देश्य यहीं था कि लोगों और वनकर्मियों के बीच संवाद स्थापित करना, वैज्ञानिक विषयों में उनकी पकड़ मजबूत बनाना है। हमारे यहां जल्द चीते आने वाले हैं और उसको लेकर लोगों को बहुत सारी भ्रांतियां है, उनको दूर करें। उसके लिए इन कर्मचारियों को जिनका संवाद कौशल बेहतर है, उनको मैदान में उतारा जाएगा।

150 गांव में लगेगी चीता चौपाल

इन दिनों नौरादेही टाइगर रिजर्व में जुलाई माह में आने वाले चीतों को लेकर तैयारियां चल रही है। इसी ध्यान रखते हुए प्रबंधन ने चीता चौपाल की परिकल्पना की है। मई माह के मध्य से ये चौपाल शुरू करने का विचार है। प्रबंधन की तैयारी है कि एक दिन में पांच गांव में चीता चौपाल लगाएं और करीब एक माह के भीतर सभी 150 गांवों में चीता चौपाल लगाएंगे। जिसमें गांव के लोगों, बच्चों और महिलाओं को चीता के बारे में जानकारी दी जाएगी। जब इतने बड़े स्तर पर जनता के बीच में अभियान चलाना है, तो मैदानी अमले को प्रशिक्षित किया गया है। उनकी मदद से चीता चौपाल का अभियान संभाला जाएगा।

चीता को लेकर लोगों में कई तरह की भ्रांतिया

नौरादेही टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर कहते हैं कि, चीता एक ऐसा जानवर है, जिसको हमारी पीढ़ी में किसी ने नहीं देखा है। जो लोग चिड़ियाघर या कोई कूनो में जाकर देख आए हो, वो अलग बात है। लेकिन अगर इधर देखा जाए, तो कम ही संभावना है कि किसी ने चीता देखा हो। जब हम किसी को नहीं देखे हो और उसके बारे में जानते नहीं है, तो अंजाने का भय काफी ज्यादा रहता है। कई बार लोग पूछते हैं कि वो चीता हमको दौड़ाएगें, तो हम क्या करेंगे।

मप्र के जंगलों में औसतन हर दिन 60 जगहों पर लग रही आग!

भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट...उत्तराखंड से आंध्र प्रदेश तक 12 राज्यों के जंगल धधक रहे

भोपाल। देश में भीषण गर्मी और लू के बीच जंगलों में आग की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। सैटेलाइट डेटा के मुताबिक, मध्य भारत और दक्षिण भारत के कई हिस्सों में हालात गंभीर बने हुए हैं। भारतीय वन सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार, देश के 12 से अधिक राज्यों में बड़े पैमाने पर जंगल की आग फैली हुई है, जिससे विशाल वन क्षेत्र प्रभावित हो रहा है। मई 2026 की शुरुआत में भीषण गर्मी के कारण मप्र के जंगलों में आग की घटनाएं बहुत बढ़ गई हैं, और राज्य देश में इस समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित है। 1 मई तक के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में 634 से अधिक बड़ी आग की घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिससे वन्यजीवों और वन संपदा को भारी नुकसान हो रहा है। मप्र में औसतन हर दिन 60 जगहों पर आग की लपटें दिखाई दे रही हैं।

रिपोर्ट बताती है कि कई जगहों पर आग तीन दिनों से ज्यादा समय तक लगातार जलती रही। सबसे ज्यादा असर मप्र में देखने को मिला, जहां हाल के दिनों में 600 से ज्यादा बड़ी आग की घटनाएं दर्ज की गईं। इसके बाद महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में भी सैकड़ों घटनाएं सामने आई हैं। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, असम और मणिपुर जैसे राज्यों में भी जंगलों में आग तेजी से फैल रही है। उत्तराखंड में आग की वजह से करीब 130 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित हुआ है और कई पर्यटन क्षेत्रों में भी इसका असर देखा गया है। पिछले दिनों अमरकंटक के जंगलों में लगी भीषण आग ने प्रशासन के दावों की पोल खोल दी थी। वन विभाग ने देवास, सीहोर, रायसेन, बैतूल, सिवनी, छिंदवाड़ा, सागर, दमोह और कटनी के वन क्षेत्रों को अति संवेदनशील घोषित किया है।

मप्र के जिन क्षेत्रों के जंगलों में सबसे ज्यादा आग लगने के मामले सामने आए हैं उनमें छिंदवाड़ा, सीहोर (जावर क्षेत्र), अनूपपुर (अमरकंटक), और विदिशा शामिल हैं। मुख्य रूप से भीषण गर्मी, महुआ और तेंदूपत्ता संग्रह के दौरान मानवजनित गतिविधियां, और सूखे पत्तों के कारण आग तेजी से फैल रही है। मप्र लगातार तीन साल से देश में जंगल की आग से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में शामिल है। 2025-26 में 14,506 आग की घटनाओं के साथ मप्र दूसरे नंबर पर रहा, जबकि पिछले साल राज्य इस मामले में नंबर-1 पर था। हालांकि विभाग इसे पराली का भ्रम बता रहा है। भीषण गर्मी की दस्तक के साथ ही मप्र के जंगलों से डराने वाली खबरें आने लगी हैं। पिछले तीन सालों से मप्र देश के उन राज्यों में शीर्ष पर बना हुआ है जहां जंगल की आग ने सबसे ज्यादा तबाही मचाई है। जंगल की आग का असर केवल पेड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वन्यजीवों के लिए भी बड़ा खतरा बन गई है। कई इलाकों में जानवरों के प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहे हैं, जिससे पारिस्थितिकी संतुलन पर गंभीर असर पड़ सकता है।

चार साल में पूरी हुई परीक्षा, फिर भी नहीं मिली नौकरी

भोपाल। मध्यप्रदेश में शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर चयनित अभ्यर्थियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। माध्यमिक और प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा 2024 में सफल हुए अभ्यर्थियों ने अब आंदोलन का ऐलान करते हुए 6 मई को भोपाल स्थित डीपीआई (लोक शिक्षण संचालनालय) कार्यालय का घेराव करने की घोषणा की है। अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने लंबी चयन प्रक्रिया पूरी कर ली है, इसके बावजूद नियुक्ति आदेश जारी नहीं किए जा रहे। ऐसे में मजबूर होकर उन्हें विरोध का रास्ता अपनाना पड़ रहा है।

अभ्यर्थियों के अनुसार, भर्ती का नोटिफिकेशन 2022 में जारी हुआ था। 2023 में पात्रता परीक्षा आयोजित हुई, जबकि अप्रैल 2025 में चयन परीक्षा ली गई और सितंबर 2025 में परिणाम घोषित कर चयन सूची भी जारी कर दी गई। इसके बाद भी 2026 तक नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है।

नियमों के बावजूद देरी पर सवाल

अभ्यर्थी परीक्षा संचालन नियम पुस्तिका का हवाला देते हुए कह रहे हैं कि चयन सूची जारी होने के तीन माह के भीतर नियुक्ति आदेश देना अनिवार्य है। इसके बावजूद 8-9 महीने बीत जाने के बाद भी नियुक्ति नहीं होना नियमों के उल्लंघन जैसा है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि नवंबर 2025 से लेकर अप्रैल 2026 तक कई बार विभागीय अधिकारियों से मुलाकात की गई, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला। मार्च में चॉइस फिलिंग और अप्रैल में जॉइनिंग शुरू करने की बात कही गई थी, जो अब तक लागू नहीं हुई। चयनित युवाओं का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया पर किसी भी तरह का कोर्ट स्टे नहीं है, फिर भी देरी के लिए कानूनी कारण बताए जा रहे हैं। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर हाल ही में आई कैग रिपोर्ट में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

फोरलेन में मोटरसाइकिल डिवाइडर से टकराई

पति पत्नी सहित 6 वर्षीय बेटा घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गोंदिया-सिवनी फोरलेन पर मोटरसाइकिल रोड साइड डिवाइडर से टकरा गई। इस सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवार पति-पत्नी और उनका 6 वर्षीय मासूम बेटा घायल हो गया। 5 मई शाम 5:30 बजे करीब यह सड़क दुर्घटना ग्रामीण थाना अंतर्गत ग्राम भमोड़ी के पास में हुई। तीनों घायल जिनमे सुंदरलाल पिता टीकाराम कटरे 35 वर्ष ग्राम उमर ओला एकोड़ी थाना वारासिवनी, उनकी पत्नी ममता कटरे 32 वर्ष और बेटा अंकित कटरे 6 को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुंदरलाल खेती किसानी के अलावा और मिस्त्री का भी काम करते हैं जिसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। दो दिन पहले सुंदरलाल अपनी पत्नी और दोनों बच्चे को लेकर अपने ससुराल पोर्टीटोला किरनापुर शादी में गए थे। 5 मई सुंदरलाल अपनी बेटी को ससुराल में छोड़कर पत्नी ममता और बेटा अंकित के साथ मोटरसाइकिल में अपने घर उमर ओला लौट रहे थे। बताया गया है की घटना के दौरान सुंदरलाल ने शराब पी हुई थी। शाम 5:30 बजे करीब ग्राम सालेटेका से फोरलेन में आने के बाद वे एकोड़ी की ओर आ रहे थे। तभी भमोड़ी के पास मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर रोड साइड डिवाइडर से टकरा गई। इस दुर्घटना में सुंदरलाल उनकी पत्नी ममता और बेटा अंकित तीनों घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और तीनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये है। जहां तीनों का इलाज किया जा रहा है।

बूढ़ी शराब दुकान विवाद गरमाया, भाजपा नेत्री मौसम बिसेन ने लाइसेंसधारी को दी खुली चेतावनी,

महिलाओं के विरोध को मिला जनप्रतिनिधियों का समर्थन, 2-3 दिन में दुकान हटाने का दावा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के वार्ड क्रमांक 12 बूढ़ी में संचालित शराब दुकान को लेकर विवाद लगातार तेज होता जा रहा है। एक ओर जहां महिलाएं पिछले कई दिनों से दुकान हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही हैं, वहीं अब इस मुद्दे ने राजनीतिक रूप भी ले लिया है। महिलाओं के समर्थन में पहुंचीं आयोग सदस्य एवं भाजपा नेत्री मौसम बिसेन ने शराब दुकान संचालकों को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि वे समय रहते दुकान को यहां से हटा लें, अन्यथा उन्हें प्रशासनिक कार्रवाई के लिए तैयार रहना पड़ेगा। उनके इस बयान के बाद क्षेत्र की सियासत गर्मा गई है और उनके बयान के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। मौसम बिसेन ने महिलाओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि अब ज्यादा समय नहीं लगेगा और 2 से 3 दिनों के भीतर यह शराब दुकान यहां से हटा दी जाएगी। उनके इस बयान के बाद प्रदर्शन कर रही महिलाओं का हौसला और बढ़ गया है और वे लगातार अपने आंदोलन पर डटी हुई हैं। 4 मई की रात को भी भाजपा नेत्री के साथ नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर और भाजपा के अन्य पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और महिलाओं के आंदोलन को समर्थन दिया। सभी ने एक स्वर में शराब दुकान को हटाने की मांग को जायज बताते हुए प्रशासन से जल्द कार्रवाई करने की बात कही। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम में भाजपा नेत्री के तीखे बयान

अब शराब दुकान के लाइसेंस धारकों के लिए एक खुली चुनौती के रूप में देखे जा रहे हैं। शहर में शराब दुकान को हटाए जाने और उनके स्थान परिवर्तन को लेकर बीते कुछ दिनों से अलग-अलग वार्डों में प्रदर्शन हो रहा था, जिसमें कुछ वार्डों में वार्ड की महिलाओं को सफलता भी मिली है। वहीं वार्ड क्रमांक 12 बूढ़ी में वर्षों से संचालित हो रही शराब दुकान को हटाए जाने को लेकर महिलाएं लगातार लगभग 20 से 25 दिनों से प्रदर्शन कर रही हैं। यहां प्रदर्शन कर रही महिलाएं शराब दुकान में जाने वाले लोगों को रोकने का प्रयास कर रही हैं और कई बार उन्होंने अनोखे तरीके से विरोध भी जताया है। महिलाओं ने गांधीगिरी का रास्ता अपनाते हुए शराब खरीदने वालों को फूल-माला पहनाकर और गुलाब का फूल देकर विरोध दर्ज कराया। इस तरह उनका शांतिपूर्ण लेकिन प्रभावी प्रदर्शन लगातार जारी है और लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। इस आंदोलन को राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर भी समर्थन मिल रहा है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों की महिला जनप्रतिनिधि और अन्य जनप्रतिनिधि समय-समय पर धरना स्थल पहुंचकर महिलाओं का समर्थन कर चुके हैं। इसी क्रम में 4 मई को आयोग सदस्य मौसम बिसेन के साथ नगरपालिका अध्यक्ष, वार्ड पार्षद, भाजपा की महिला पदाधिकारी और मनोनीत पार्षद भी धरना स्थल पहुंचे। यहां सभी ने एक स्वर में शराब दुकान को हटाने की मांग का समर्थन करते हुए महिलाओं की बात को प्रमुखता से उठाया। आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने अपने उद्बोधन में कहा कि बीते दिनों उन्हें यह जानकारी मिली थी कि कांग्रेस के कुछ जनप्रतिनिधि उन पर राजनीति करने के आरोप लगा रहे हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि वार्ड क्रमांक 25 और वार्ड क्रमांक 12 बूढ़ी की महिलाएं उनके लिए समान हैं और उनका समर्थन दोनों वार्डों की महिलाओं को बराबर रूप से है। उन्होंने कहा कि वे लगातार इस मुद्दे को लेकर प्रशासन से संपर्क में हैं और शराब दुकान को हटाने के लिए प्रयास कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को किसी के बहकावे में आने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इस विषय को लेकर कुछ लोग राजनीति कर रहे हैं, जो उचित नहीं है। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने संकेत दिए कि आगामी दो से तीन दिनों के भीतर शराब दुकान के स्थान परिवर्तन को लेकर सकारात्मक निर्णय सामने आ सकता है। इसके साथ ही उन्होंने शराब दुकान का संचालन कर रहे लाइसेंसधारी को चेतावनी देते हुए कहा कि या तो वह स्वयं दुकान को यहां से हटा ले, अन्यथा प्रशासनिक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि अब यह दुकान यहां से हटकर ही रहेगी। मौसम बिसेन के इस बयान के बाद यह मुद्दा सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बन गया है। लोग अब इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि प्रशासन कब तक इस पर निर्णय लेता है और शराब दुकान का स्थान परिवर्तन कब तक किया जाता है। वहीं प्रदर्शन कर रही महिलाओं का कहना है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, उनका आंदोलन लगातार जारी रहेगा। अब देखना यह है कि आने वाले दिनों में प्रशासन इस पूरे मामले में क्या कदम उठाता है और क्या वास्तव में शराब दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित किया जाता है।

भरवेली थाने के ग्राम मंझाराटोला मैं एक व्यक्ति की फांसी लगाने से मौत

तिरोड़ी माइंस में गार्ड की ड्यूटी करता था हीरा सिंह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मंझारा टोला जंगल से लगे खेत में एक व्यक्ति की फांसी लगाने से मौत। मृतक हीरा सिंह पिता आनंद सिंह उइके 45 वर्ष ग्राम मंझारा निवासी है।भरवेली पुलिस ने मौके पर पहुंच कर इस व्यक्ति की लाश बरामद की और पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हीरा सिंह तिरोड़ी माइंस में गार्ड की ड्यूटी करता था। जिसके परिवार में पत्नी दो लड़के और एक लड़की है जिनकी शादी नहीं हुई है। 5-7 दिन पहले ही हीरा सिंह अपने गांव मंझारा आया था। गांव रिश्तेदारी में शादी होने के कारण वह अपनी ड्यूटी पर नहीं लौटा था। 4 मई को सुबह 9:00 बजे हीरा सिंह बैग लेकर मोटरसाइकिल में अपने घर से ड्यूटी करने तिरोड़ी जाने निकला था किंतु शाम 6:30 बजे वह ग्राम मंझाराटोला जंगल से लगे खेत में देखा गया था। 5 मई को सुबह शौच के लिए जाने वालों ने पेड़ के नीचे एक व्यक्ति की लाश और पेड़ के ऊपर नायलॉन की रस्सी बंधी हुई देखी। वहां से कुछ दूर पर मोटरसाइकिल खड़ी थी और बैग भी रखा हुआ था ।खबर मिलते ही आसपास के गांव के लोग मौके पर पहुंच गए परिजनों ने इस व्यक्ति की पहचान हीरा सिंह उइके के नाम से की। सूचना मिलते ही भरवेली पुलिस थाने से उप निरीक्षक आरपी मेश्राम सहित अन्य

पुलिस कर्मचारियों के अलावा जिला मुख्यालय से एफएसएल टीम अभी पहुंच कर निरीक्षण किये। संभावना व्यक्त की गई की हीरा सिंह ने पेड़ में चढ़कर नायलोन की रस्सी बांधकर फांसी लगाया लगा किंतु फांसी लगाने के बाद नायलॉन की रस्सी अचानक गले से छूट जाने के कारण और नीचे गिर गया। उपरीनिक्षक आर पी मेश्राम ने शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात हीरा सिंह का शव जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं। संभावना व्यक्ति यही की हीरा सिंह है आर्थिक तंगी के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली भरवेली पुलिस द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

लालबर्रा कॉलेज जाने निकली नवविवाहिता लापता

शादी के दो माह बाद ही हुई गायब

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम कच्चेखनी से एक नवविवाहिता के लापता होने का मामला सामने आया है। 24 वर्षीय प्रियंका मेश्राम पति हर्ष घरडे 4 मई की सुबह कॉलेज के लिए घर से निकली थी ।लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटी। खैरलांजी पुलिस ने गुम इंसान कायम कर इस नवविवाहिता की तलाश शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रियंका मेश्राम घुबड़गोदी की निवासी है। जिसकी शादी 13 फरवरी 2026 को हर्ष घरडे ग्राम कच्चेखनी निवासी के साथ धम्भाभिषेक बुद्ध विहार चूल्हाड में सामाजिक रीति रिवाज से हुई थी। जो शादी के बाद से ही अपने ससुराल कच्चेखने में रह रही थी और अपने ससुराल से ही लालबर्रा कॉलेज आना-जाना करती थी। 4 मई को सुबह 9:00 बजे प्रियंका अपने ससुर महेश घरडे को बताकर लालबर्रा कॉलेज निकली थी ।किंतु 3 बजे तक प्रियंका लालबर्रा कॉलेज से घर वापस नहीं आई। प्रियंका के घर नहीं लौटने पर उसके पति हर्ष घरडे ने उसे मोबाइल कॉल किया किंतु उसका मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा था। इसके बाद परिजनों ने प्रियंका के परिचित और परिवार से संपर्क किया किंतु उसका कोई पता नहीं चला। प्रियंका घर से निकलते समय ओरिएंटल कॉलेज लालबर्रा की ड्रेस पहनी है और वह अपने साथ में घर में रखे पैसे एवं पायल लेकर गई है। प्रियंका के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिलने पर उसके ससुर महेश घरडे ने अपने बेटे हर्ष घरडे प्रियंका की मां साधना मेश्राम के साथ खैरलांजी पुलिस थाना पहुंचकर रिपोर्ट किये।।खैरलांजी पुलिस ने गुम इंसान 22/2026 कायम कर प्रियंका की तलाश शुरू की है। इस संबंध में जिले के समस्त पुलिस थाना और जिले से लगे पुलिस थानों को भी प्रियंका के संबंध में सूचित किया गया है ।खैरलांजी पुलिस ने जिले वासियों से अपेक्षा की है कि प्रियंका के संबंध में यदि किसी को कोई जानकारी मिले तो खैरलांजी थाना या नजदीकी पुलिस थाने में सूचित कर सहयोग करें।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- माईनिंग इंजीनियरिंग
- सिविल इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट